

डॉ. टेड हिल्डेब्रांट, लौकिक शैली

© 2024 टेड हिल्डेब्रांट

[वीडियो. पुराने नियम का शब्दकोश: बुद्धि, कविता और लेखन,
लौकिक शैलियों पर

मेरा आईवीपी लेख पृष्ठ 528-538]

यह डॉ. टेड हिल्डेब्रांट एक साहित्यिक शैली के रूप में कहावत पर अपने शिक्षण में हैं।

नीतिवचन की पुस्तक में चयनित विषयों पर एक और सत्र में आपका स्वागत है। यदि आप नीतिवचन का एक प्रकार का अवलोकन प्राप्त करना चाहते हैं, तो आप BiblicaleLearning.org पर जा सकते हैं और बाइबिल प्रोजेक्ट कर सकते हैं। पाँच मिनट में नीतिवचन की पूरी किताब लिखी जाती है। बहुत ही रोचक। पांच मिनट में।

हमारे पास नॉट हेम भी हैं, जो नीतिवचन के एक प्रमुख विशेषज्ञ हैं, जो 20 व्याख्यान दे रहे हैं, नीतिवचन की पुस्तक की कुछ पृष्ठभूमि और अवलोकन का हवाला दे रहे हैं। हमारे पास हैमिल्टन, ओटारियो में मैकमास्टर विश्वविद्यालय से गस कोकेल भी हैं, जिन्होंने नीतिवचन की पुस्तक का एक प्रकार का सर्वेक्षण करते हुए 22 व्याख्यान दिए हैं। वैसे, हमें नीतिवचन की पूरी किताब हिब्रू भाषा में भी मिली है जिसे हिब्रू बाइबिल स्पीकर - नीतिवचन कहा जाता है।

और फिर मैंने अब क्या किया है, और डैनियल ट्रायर ने ईसाई जीवन में नीतिवचन पर चार व्याख्यान दिए हैं। लंबे व्याख्यानों की इस छोटी श्रृंखला में मैं यहाँ जो कर रहा हूँ वह वास्तव में चयनित विषयों की एक श्रृंखला है जहाँ हम नीतिवचन की किताब, पृष्ठभूमि के मुद्दों और इस तरह की चीजों में गहरी चीजों में गोता लगाते हैं, जो इतनी दिलचस्प नहीं हो सकती हैं, लेकिन एक भूमिका निभाती हैं। भूमिका जब आप यह समझने की कोशिश कर रहे हैं कि नीचे क्या है और हमारे पास जो कहावतें हैं उनकी गहराई क्या है। तो आज, मैं जो करना चाहता हूँ वह यह है कि, पहले, हमने एक व्याख्यान दिया था, एक लंबा व्याख्यान, एक कहावत क्या नहीं है, इस पर दो घंटे का व्याख्यान।

आज, हम जिस बात की जाँच करना चाहते हैं वह यह है: कहावत क्या है? और इसलिए आज हम कहावत को एक साहित्यिक विधा के रूप में देखने जा रहे हैं। अब, शैली का महत्व। सबसे पहले, आइए उससे शुरू करें।

एक शैली इस बात पर प्रभाव डालती है कि सत्य कैसे संलग्न है। एक शैली इस बात पर प्रभाव डालती है कि सत्य कैसे संलग्न है। इसलिए, विभिन्न शैलियों के साथ, आपको इसे अलग-अलग तरीके से पढ़ना होगा। इसे हेर्मेनेयुटिक्स कहा जाता है, आप साहित्य की, आप जो पढ़ रहे हैं उसके पाठ की व्याख्या कैसे करते हैं। हेर्मेनेयुटिक्स। इसलिए, उदाहरण के लिए, यदि आप एक नुस्खा पुस्तक उठाते हैं, तो आप उसे विज्ञान-फाई उपन्यास, एक विज्ञान-फाई, या एक मर्डर मिस्ट्री की तुलना में अलग तरह से पढ़ते हैं।

मर्डर मिस्ट्री, जब आप इसके पास आते हैं तो आप अलग-अलग उम्मीदों के साथ आते हैं। आपने इसे अलग तरीके से पढ़ा। आप संबंध बनाते हैं और आप इसकी अलग-अलग व्याख्या करते हैं।

एक जीवनी, एक ऐतिहासिक जीवनी, एक विज्ञान कथा से भिन्न होती है। एक विश्वकोश को शब्दकोश या थिसॉरस से अलग ढंग से पढ़ा जाता है। आप कुछ चीज़ों के लिए थिसारस में जाते हैं, आप दूसरों के लिए शब्दकोश में जाते हैं, और आप एक अलग प्रकार की जानकारी प्राप्त करने के लिए एक विश्वकोश या विकिपीडिया में जाते हैं। और इसलिए विभिन्न शैलियाँ, विभिन्न प्रकार के साहित्य, आपकी अपेक्षाओं को प्रभावित करते हैं और आप उन चीज़ों की व्याख्या कैसे करते हैं।

तो, उदाहरण के लिए, आप कहते हैं, ठीक है, मैं बाइबल को शाब्दिक रूप से लेता हूँ। और इसलिए, आप जोथम की कहानी जैसी किसी चीज़ में कूद पड़ते हैं। अब यह बाइबिल में एक कहानी है।

क्या बाइबल में दंतकथाएँ हैं? हाँ ऐसा होता है। न्यायाधीशों के अध्याय 9 में जोथम की कहानी। और विडंबना यह है कि न्यायाधीशों की पुस्तक में अबीमेलक राजा बनने की कोशिश कर रहा है, और वह गिदोन का पुत्र है, और वह जोथम को छोड़कर अपने सभी भाइयों को मार डालता है। और जोथम पहाड़ी पर चढ़ जाता है और वह एक कहानी का उपयोग करके अपने भाई का मज़ाक उड़ाना शुरू कर देता है।

और वह कहता है कि जंगल के पेड़ अपने लिये राजा ढूँढ़ने निकले थे। और इसलिए, वे गए, आप जानते हैं, वे देवदार के पेड़ के पास गए, देवदार के पेड़, क्या आप हमारे राजा बनेंगे? और फिर वे जैतून के पेड़ के पास गए, क्या तुम हमारे राजा बनोगे? और फिर वे बेल के पास जाते हैं, बेल, क्या तुम हमारे राजा बनोगे? लड़का, वह कैसा राजा होगा। और ये सब, देवदार का पेड़, कहने को विभिन्न बातें, नहीं, मैं तुम्हारा राजा नहीं बनूँगा।

यदि मैं जैतून का पेड़ हूँ और राजा बन जाऊँ, तो तुम्हारे सिर पर तेल लगाने के लिए कौन तुम्हें तेल देगा? तो अंततः, वे कंटीली झाड़ी के पास आए और उन्होंने कंटीली झाड़ी से कहा, कंटीली झाड़ी, तुम हमारे राजा बनोगे। और कंटीली झाड़ी आकर कहती है, मैं तुम्हारा राजा होऊँगा।

दूसरे शब्दों में, सबसे कम संभावना वाला और सबसे कष्टप्रद कांटेदार झाड़ी जो आपके पैरों को काटती है, वह वह है जो राजा होने के लिए कहता है। और वह अपने भाई का मज़ाक उड़ाते हुए कह रहा है, गिदोन के सभी पुत्रों में से तुम्हारे राजा बनने की संभावना सबसे कम है। और इसलिए, वह बात करने वाले पेड़ों के साथ एक कहानी का उपयोग करता है।

और वे कहते हैं, ठीक है, मैं बाइबल को शाब्दिक रूप से लेता हूँ। क्या पेड़ बात करते हैं? क्या भालू जंगल में सोते हैं? क्या आप सुपरमैन का केप खींचते हैं? ठीक है। तो, दूसरे शब्दों में, ये बातें, वहाँ एक कहानी है।

बात करने वाले पेड़ होंगे, लेकिन यह एक कल्पित कहानी है। तो, एक कहानी में, पेड़ बात कर सकते हैं। और इसका कार्य व्यंग्य है, अपने भाई को गोली मारना, जिसने अभी-अभी अपने सभी भाइयों को मार डाला है और खुद को नाजायज रूप से राजा बना लिया है जैसे कंटीली झाड़ी राजा बन जाती है।

यीशु के दृष्टांत, 10 वधू-सहेलियाँ, वे दिखाते हैं, पाँच बुद्धिमान हैं, और पाँच मूर्ख हैं। और वे आते हैं, गुरु थोड़ी देर के लिए चले गए हैं। और फिर ये लोग, वे पांच लोग उन पांचों से कहते हैं, कृपया हमें अपना कुछ तेल दें।

वे कहते हैं, नहीं, तुम्हें इसे लेने जाना होगा। जब वे अपना-अपना तेल लेने जाते हैं, तभी अचानक मालिक आ जाता है और वे अंदर आकर दरवाज़ा बंद कर देते हैं और पाँचों बाहर रह जाते हैं। अब सवाल यह है कि क्या सचमुच ऐसा कभी हुआ था? ऐसी 10 ब्राइड्समेड्स? नहीं, नहीं, यह एक कहानी है।

तो, आप कहेंगे, अच्छा, क्या यह सच है? ठीक है, हाँ, यह एक दृष्टांत के रूप में सच है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि यह वास्तव में कभी हुआ था। यह एक ऐसी कहानी है जिसमें एक बिंदु है। जब राजा आये, जब दूल्हा आये, जब विवाह हो तो तुम्हें तैयार रहना चाहिए।

और वैसे भी, मैथ्यू 25 10 ब्राइड्समेड्स के दृष्टांत के साथ। यह एक कहानी है, यह एक दृष्टांत है। और यदि आप यह नहीं समझते कि यह एक दृष्टांत है, तो आप पूरी बात भूल जायेंगे।

तो, साहित्य की शैली या प्रकार इसे प्रभावित करते हैं, शैली सत्य को शामिल करती है और वे सत्य शैली के प्रकार के साथ कैसे फिट होते हैं यह अलग है। इसलिए, उदाहरण के लिए, यदि आप प्रकाशितवाक्य अध्याय 13 की पुस्तक में जाते हैं और आपको यह प्राणी मिलता है जो शेर के चेहरे के साथ आता है, तो भालू के पंजे समुद्र से निकलते हैं। सवाल यह है कि क्या अंत समय में हम वास्तव में ऐसे किसी जानवर को देख पाएंगे? आप कहते हैं, हाँ, यह जुरासिक पार्क है, वापस आओ। नहीं, नहीं, नहीं। आप मुद्दा भूल रहे हैं। यह एक सर्वनाशकारी पुस्तक है, प्रकाशितवाक्य की पुस्तक, और यह एक सर्वनाशकारी जानवर है। वास्तव में इसका शाब्दिक अर्थ नहीं लिया जाना चाहिए। तो, आपको यह समझना होगा कि आप एक ऐसी किताब पढ़ रहे हैं जो सर्वनाश पर आधारित है और इसलिए आपको इसे सर्वनाश के रूप में समझने की आवश्यकता है, उदाहरण के लिए, डेव मैथ्यूसन, जिन्होंने रहस्योद्घाटन की पुस्तक पर Biblicalelearning.org के लिए 30 व्याख्यान दिए। आपको उनके व्याख्यानों को पढ़ने और यह देखने की ज़रूरत है कि आप प्रकाशितवाक्य की पुस्तक को सर्वनाशकारी साहित्य के रूप में कैसे समझते हैं।

तो क्या हमें कहना चाहिए, ठीक है, मैं बाइबल को फिर से शाब्दिक रूप से लेता हूँ और जो यह कहता है मैं वही करता हूँ। खैर, होश में, भगवान ने होश को बाहर जाने और एक वेश्या, गोमेर से शादी करने के लिए कहा। क्या तुम्हें बाहर जाकर किसी वेश्या से विवाह करना चाहिए? बाहर जाओ और वैसे ही करो।

नहीं, नहीं, नहीं। यह एक बार की बात थी जो होश के लिए थी, जो एक भविष्यवक्ता था, यह एक संकेत घटना थी, एक संकेत चमत्कार था, भगवान की ओर से एक संकेत घटना थी, बाहर जाओ और गोमेर से शादी करो, वह एक वेश्या है। और फिर इसके अलावा, वह आपको धोखा देने वाली है।

ठीक वैसे ही जैसे इज़राइल ने मुझे भगवान के रूप में धोखा दिया है, होशो, तुम्हें अपने लिए यह अनुभव करना होगा, और फिर तुम्हें जाकर उससे फिर से प्यार करना होगा। ठीक वैसे ही जैसे मैंने इज़राइल से फिर से प्यार किया है, भले ही इज़राइल ने मुझे धोखा दिया हो। तो, यह दोनों के बीच यह समानता चित्रित कर रहा है।

और फिर, यदि आप यह नहीं समझते हैं, तो आप कहते हैं, ठीक है, भगवान ने उसे बाहर जाने और एक वेश्या से शादी करने की आज्ञा दी थी। इसलिए, मुझे लगता है कि मुझे बाहर जाकर एक वेश्या से शादी कर लेनी चाहिए। यह वह नहीं है जो यह कह रहा है।

इसलिए, आपको बाइबल को समझने में बहुत सावधानी बरतनी होगी कि आपको किस शैली को समझना है। अब हमारे सामने यह प्रश्न आता है कि फिर कहावत क्या है? कहावत की साहित्यिक शैली क्या है? और इस पर काफी चर्चा हुई है। और जब आप किसी कहावत को उद्धृत करने और परिभाषित करने का प्रयास करते हैं, तो इस पर हर तरह की बातें लिखी होती हैं, वस्तुतः एक कहावत क्या है, इस पर हजारों और दसियों हजार पृष्ठ लिखे होते हैं।

और लोग बारीकियों तक पहुंचने और इसे परिभाषित करने तथा इसे बंद करने का प्रयास करते हैं। और समस्या यह है कि कहावत सुंदर है, इसे बंद करना कठिन है। और इसलिए, आपको अपनी श्रेणियों को ढीला करने की आवश्यकता है।

यदि आपको ओसीडी है, तो यह ऐसा नहीं है जिसे आप खत्म कर देंगे। यह वह है जो आपको मिलना चाहिए, आप जानते हैं, इसे थोड़ा दें, इसे थोड़ा स्थान दें। सिंगल कैसा होता है, यहां कुछ प्रश्न हैं जो हम शुरू में पूछते हैं।

एक अकेली कहावत, एक कहावत कैसे बदल जाती है जब उसे उसके मूल सन्दर्भ से हटाकर एक संग्रह में रख दिया जाता है? यह असंबद्ध है। इसे एक मूल सेटिंग दी गई थी। यह कैसे बदल गया है जब इसे उस सेटिंग से बाहर निकाला गया है और एक संग्रह में रखा गया है जहां किसी भी प्रकार की ऐतिहासिक या परिस्थितिजन्य सेटिंग नहीं है, लेकिन यह सिर्फ बम, बम, बम, बम, कहावत के बाद कहावत है? एक कहावत का अर्थ कैसे बदल जाता है जब इसे पुनः सन्दर्भित किया जाता है, संग्रह से बाहर निकाला जाता है, एक कहानी में वापस रखा जाता है, और एक नई विविध कहानी में वापस विलय कर दिया जाता है? इसलिए कहावत को हटा दिया जाता है, आमतौर पर कहावत तब ली जाती है जब कोई कहानी होती है, कोई स्थिति होती है, कोई व्यक्ति एक प्रकार की लौकिक कहावत करता है, फिर उस कहावत को सुलैमान या हिजकिय्याह के आदमी या ऋषियों द्वारा निकाला जाता है और एक संग्रह में रखा जाता है .

संग्रह में, इसे इसकी मूल कहानी से असंबद्ध किया गया है, लेकिन फिर संग्रह में, हम उस कहावत को बाहर निकाल सकते हैं और इसे अपनी स्थिति में पुनः संदर्भित कर सकते हैं। और यह कैसे होता है, आप उन दोनों को एक विविध कहानी में कैसे मिलाते हैं जो मूल कहानी से अलग है, लेकिन फिर भी दूसरी तरफ समान है? क्या सभी कहावतें समान स्तर के अधिकार के साथ चलती हैं और आह्वान करती हैं? कहावतें कैसे होती हैं, कहावत एक वादा है? यह हमारा अगला प्रश्न है. क्या कहावत एक वादा है? मेहनती हाथ धन बनाते हैं।

क्या यह सदैव सत्य है? एक कहावत सत्य से कैसे जुड़ती है? हम जो विश्वास करते हैं वही कहते हैं, और मेरा मानना है कि बाइबल सत्य है, लेकिन आपको इसकी उचित व्याख्या करनी होगी। तो हम एक कहावत की व्याख्या कैसे करते हैं? कहावत कोई वादा तो नहीं है? एक कहावत एक वादे से किस प्रकार भिन्न है? और एक कहावत सत्य को किस प्रकार संलग्न करती है? और क्या यह समान स्तर का प्राधिकार उत्पन्न करता है? क्या सभी कहावतें समान स्तर के अधिकार का आह्वान करती हैं? कहावत की उत्पत्ति कहाँ से हुई है? कहाँ से आता है? हम जीवन में स्थितियों की विभिन्न सेटिंग्स, सिट्ज़ और लेबेन को देखेंगे, जिनसे कहावतें उत्पन्न होती हैं। नीतिवचन के बाइबिल पाठ में कौन से साहित्यिक रूप पाए जाते हैं? हम उन चीजों पर गौर करेंगे जिन्हें मैं सूक्ष्म-शैली की चीजें कहता हूँ।

हमें कहावत मिल गई है, लेकिन फिर कहावत के अंतर्गत, ये हैं, वास्तु सूत्र हैं जिनके द्वारा कहावतों का निर्माण किया जाता है। इसलिए, उदाहरण के लिए, हमारे पास कहावतों से बेहतर है। हमारे पास बेहतर से बेहतर कहावतों का एक निश्चित सेट है। हमारे पास चेतावनियाँ हैं। यदि हम अमोस में होते तो हमारे पास श्रीसम और चार के लिए संख्यात्मक बातें होती हैं। हमारे पास नीतिवचन 31 में एक एक्रोस्टिक है।

और इसलिए, हम इस प्रकार की सूक्ष्म-शैलियों को देखेंगे कि ये चीजें नीतिवचन की पुस्तक में कैसे आती हैं। और इनमें से कई ऐसे हैं जो देखने में दिलचस्प हैं। नीतिवचन 10 से 29 में ये सभी वाक्य सूक्तियाँ हैं और ये वाक्य सूक्तियाँ बाम, बाम, बाम, बाम, एक के बाद एक कहावतें हैं।

क्या वे बस यूँ ही एक साथ फेंक दिए गए हैं? या क्या हम केवल एक वाक्य कहने से भी बड़ी इकाइयाँ पा सकते हैं? हमने पिछले व्याख्यान में जोड़ियों, कहावत जोड़ियों पर बात की थी। और इसलिए, हम केवल उसकी समीक्षा करने के लिए युग्मन चीज़ पर गौर करेंगे। और फिर क्लस्टर, हम कुछ चीजों को देखेंगे जिन्हें नॉट हेम क्लस्टर कहते हैं या मैं उन्हें स्ट्रिंग कहता हूँ, लेकिन क्लस्टर शायद बेहतर हैं। नॉट उस पर सही है। एक छवि कहीं अधिक शक्तिशाली होती है। लघु-संग्रह, फिर लघु-संग्रह, और फिर संपूर्ण संग्रह।

और इसलिए, हम जोड़ियों, समूहों, लघु संग्रहों और फिर संपूर्ण संग्रहों को देखेंगे जो नीतिवचन की पुस्तक में पाए जाते हैं। और फिर यह आपको कैसे प्रभावित करता है, आपके पास एक मूल कहावत है जो एक मूल लेखक द्वारा कही गई है। तो, मूल लेखक का एक लेखकीय इरादा है।

यह उन संपादकों के साथ कैसे मेल खाता है जिन्होंने कहावतों को नीतिवचन 25 से 29 में एकत्रित किया है? हिजकिय्याह के आदमियों ने उन कहावतों को सोलोमोनिक संग्रह से एकत्र किया। सुलैमान ने 3000 नीतिवचन बोले। हमारे पास केवल, मुझे नहीं पता, 350, 375 कहावतें हैं।

तो उन्होंने उनका चयन कैसे किया? तो, संपादक के पास एक तरह का इरादा और अर्थ है। और मूल लेखक भी ऐसा ही करता है। और इसलिए, हमें दो स्तरों पर काम करना होगा, कम से कम दो स्तरों पर, मूल लेखक, और फिर संग्रह के संपादक और जब वे अपना संग्रह एक साथ रखते हैं तो वे क्या कह रहे हैं।

और इसलिए, हमारे पास चीजों के अर्थ की कई परतें हैं जिन पर हमें गौर करने की ज़रूरत है। अब आइए नीचे जाएं और अपने आप से पूछें, और मैं बस इसे सामने लाना चाहता हूँ। यह माइकल फॉक्स से है।

माइकल फॉक्स ने दो खंडों वाली एंकर बाइबिल कमेंट्री लिखी है, जो शायद मैडिसन, विस्कॉन्सिन में विस्कॉन्सिन विश्वविद्यालय से माइकल फॉक्स द्वारा नीतिवचन पर दुनिया की सबसे अच्छी टिप्पणियों में से एक है। यह एक जबरदस्त कमेंट्री है। ब्रूस वाल्टके, डॉ. ब्रूस वाल्टके भी दो खंड सेट। मेरा मानना है कि यह एर्डमैन की ओर से है। यह नीतिवचन, फॉक्स, वाल्टके पर एक अभूतपूर्व सर्वश्रेष्ठ टिप्पणी है। शिपर नाम का एक नया लड़का है जो एक जर्मन साथी है जिसने नीतिवचन 1 से 15 पर एक खंड भी लिखा है, जो मैं कहूँगा कि इस श्रेणी में है। वे तीन शायद मेरे सर्वश्रेष्ठ हैं।

स्टीनमैन, किडनर, कई अन्य लोगों ने नीतिवचन की पुस्तक पर टिप्पणियाँ लिखी हैं, लेकिन वे तीन शायद मेरे शीर्ष पर होंगी। फॉक्स, वाल्टके और शिपर। लेकिन वैसे भी, फॉक्स की टिप्पणी में, वह अंग्रेजी शब्दों को सूचीबद्ध करता है और हमारे लिए ये अंग्रेजी शब्द काफी विदेशी हैं।

और इसलिए, मैं शीघ्र ही इन्हें परिभाषित करने पर विचार करना चाहता हूँ। एक कहावत. एक कहावत क्या है? एक कहावत एक पारंपरिक बुद्धिमान कहावत है जिसे आम तौर पर मौखिक प्रदर्शन में स्वीकार और प्रसारित किया जाता है। छलांग लगाने से पहले देखो। छलांग लगाने से पहले देखो। यह आम तौर पर मौखिक है और इसे आम तौर पर पारंपरिक बुद्धिमान कहावत के रूप में स्वीकार किया जाता है। छलांग लगाने से पहले देखो। यह आम तौर पर स्वीकृत है। इसका प्रयोग किया जाता है, यह मौखिक है, और यह आम तौर पर स्वीकृत है। इसे मौखिक प्रदर्शन में एक कहावत कहा जाता है।

एक चेतावनी. एक चेतावनी अनुचित व्यवहार के विरुद्ध एक चेतावनी है। चेतावनी अनुचित व्यवहार के विरुद्ध एक चेतावनी है, जो आमतौर पर नकारात्मक अनिवार्य रूप में दी जाती है। ठीक है। ऐसा मत करो. मेरे वचनों को या ऐसा कुछ जो ऋषि कहते हैं, मत भूलना। और कई बार जब यह कहा जाता है कि कुछ मत करो, तो यह निषेध है।

लेकिन यह एक सकारात्मक अर्थ में एक जनादेश भी हो सकता है, पूरे दिल से भगवान पर भरोसा करना। यह एक सकारात्मक चेतावनी होगी या मैं इसे जनादेश कहूँगा। तो, आपको इस अनिवार्य आदेश के स्तर की चीजों के साथ चेतावनियों के तहत एक निषेध और एक जनादेश दोनों मिला है।

एक सूक्ति. सूक्ति क्या है? सूक्ति अंतर्दृष्टि का एक संक्षिप्त संक्षिप्त कथन है। अंतर्दृष्टि के संक्षिप्त संक्षिप्त कथन को सूक्ति कहा जाता है। भौंकने वाले कुत्ते नहीं काटते. खैर, कभी-कभी वैसे भी। भौंकने वाले कुत्ते नहीं काटते. तो, भौंकने वाला कुत्ता काटता नहीं है। यह एक सूक्ति होगी।

एपोथेम एक छोटी मजाकिया कहावत, एक छोटी मजाकिया कहावत, एक अवलोकन या एक कहावत है।

अब एक कहावत एक प्रकार का सामान्य सत्य कथन है, एक संक्षिप्त सामान्य सत्य कथन है, जो आपको छोटी-छोटी चीज़ों में एक प्रकार का मौलिक सिद्धांत देता है। जल्दबाजी गलत है। जल्दबाजी गलत है। यह एक संक्षिप्त सारगर्भित कहावत होगी। और वैसे, जैसे-जैसे हम इनसे गुजरते हैं, क्या आप इन पर ओवरलैप देख सकते हैं? इसलिए, ये परस्पर अनन्य श्रेणियां नहीं हैं।

हम उन्हें अलग करने के लिए परिभाषित करने का प्रयास करते हैं ताकि वे हमें अर्थ दें। लेकिन इस तरह के बहुत सारे एक-दूसरे से ओवरलैप होते हैं और एक-दूसरे के साथ बातचीत करते हैं। अतः एपोटेम एक संक्षिप्त सारगर्भित कहावत है।

उपसंहार एक संक्षिप्त कविता है जो अक्सर व्यंग्यात्मक मोड़ के साथ एक ही बात कहती है। तो, एक संक्षिप्त कविता जो एक बिंदु को एक मोड़, एक व्यंग्यात्मक मोड़ के साथ प्रस्तुत करती है, उसे उपसंहार कहा जाता है। एक उपदेश।

उपदेश व्यवहार का एक नियम है। कई बार व्यवहार के ये छोटे नियम सलाह या किसी स्थिति के मूल्यांकन के रूप में तैयार किए जाते हैं। अतः व्यवहार का एक नियम सलाह के रूप में तैयार किया जाता है।

और हमें नीतिवचन की पुस्तक में बहुत सारी सलाह मिली हैं और व्यवहार के नियम के रूप में एक उपदेश तैयार किया गया है।

अतः एक कहावत का प्रयोग सभी प्रकार की छोटी-छोटी बातों के लिए किया जाता है। तो फिर, एक कहावत का प्रयोग सभी प्रकार की छोटी-छोटी बातों के लिए किया जाता है।

और आपको सावधान रहना होगा कि आपके बाल दोमुंहे न हों। यदि आपको हर चीज़ को एक साफ सुथरे बक्से में रखना है, तो यह नीतिवचन के साथ काम नहीं करता है। नीतिवचन अपने आप में, आप कहावतों और सूक्तियों के साथ, विभिन्न चीज़ों के साथ ओवरलैप होते हुए देखेंगे।

एक अध्ययन या अनुशासन है जिसे पेरेमियोलॉजी कहा जाता है। पेरेमियोलॉजी ग्रीक शब्द पैरोइओमिया से आया है। मुझे उच्चारण सही करने दीजिए। पैरोइओमिया। और वह मूलतः कहावत के लिए ग्रीक शब्द है। पेरेमियोलॉजी नीतिवचन का अध्ययन है। पेरेमियोलॉजी नीतिवचन का अध्ययन है। और जैसा कि मैं वास्तव में अपने जीवन के अधिकांश समय नीतिवचन की पुस्तक का अध्ययन कर रहा था, यह पारेमियोलॉजी एक क्षेत्र है, यह एक धर्मनिरपेक्ष क्षेत्र है। ये लोग ईसाई नहीं हैं।

और शायद विश्व नेता, शायद नहीं, वह विश्व नेता हैं, वर्मोट विश्वविद्यालय से वोल्फगैंग मीडर जर्मन भाषा बोलते हैं। मुझे लगता है कि वह जर्मन, रूसी पढ़ाते हैं और न जाने कितनी भाषाएं जानते हैं, लेकिन उन्होंने दुनिया भर से कहावतें इकट्ठी की हैं। और वे इन कहावतों का अध्ययन अफ्रीका से, चीन से, चीनी कहावतों से, कन्फ्यूशियस कहते हैं, विभिन्न अंतरराष्ट्रीय संदर्भों से करते हैं।

यहां तक कि बेंजामिन फ्रैंकलिन, बेंजामिन फ्रैंकलिन और उनकी कहावतों की किताबें भी। तो, दुनिया भर से कहावतें हैं, ग्रीक कहावतें, और ये वोल्फगैंग मिएडर और इनमें से कुछ अन्य साथी,

डुंडास, और अन्य, इन कहावतों को इकट्ठा करते हैं और एक साहित्यिक शैली के रूप में उनका अध्ययन करते हैं। और उन्होंने इस पर बहुत काम किया है, हजारों पेज।

पारेमियोलॉजिस्ट के साथ गंभीरता से नहीं जुड़ते हैं। और मुझे लगता है कि पारेमियोलॉजिस्ट और हमारी नीतिवचन की किताब के बीच बातचीत के बीच बहुत अधिक उर्वरता है। और यह कि बड़े पैमाने पर इस पारेमियोलॉजी को हाल तक नजरअंदाज किया गया है।

और मुझे लगता है कि कैंब्रिज यूनिवर्सिटी की कैथरीन डेल, उनके कुछ छात्र और चीजें वहां का मूल्य देख रहे हैं और इसे ला रहे हैं और यह साथ आ रहा है। लेकिन हमें इसमें काफी समय लग गया। हमारे अधिकांश पारंपरिक उद्धरण व्याख्याताओं ने केवल पारेमियोलॉजी को नजरअंदाज कर दिया है और उनका खुद का निधन हो गया है, यह मुझे लगता है, या निधन नहीं है, लेकिन यह बस, यह इतना अधिक समृद्ध हो सकता है कि उन्होंने इस पारेमियोलॉजी का अध्ययन करने वाले लोगों को शामिल किया होता।

अब, कहावत शैली की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक सार्वभौमिकता, कहावत शैली की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक सार्वभौमिकता। कहावतें बहुत पुरानी हैं। वे 2500 ईसा पूर्व में सुमेर वापस चले गए।

ही समय बाद लेखन का विकास शुरू हुआ। हमारे पास जो पहली चीजें हैं उनमें से एक है कहावतें। तो, लेखन शुरू होता है और लौकिक रिकॉर्ड, अल्स्टर, अल्स्टर नाम के एक व्यक्ति को सुमेरियन नीतिवचन पर दो खंड मिले हैं।

सुमेर, जैसा कि एक व्यक्ति ने कहा, इतिहास सुमेर से शुरू होता है। और इसलिए, सुमेर बहुत पीछे चला जाता है। मेरा मतलब है, हम 3,000, 3,200 ईसा पूर्व की बात कर रहे हैं।

और फिर क्या होता है कि आपको एल्स्टर की सुमेरियन कहावतों के दो खंड मिल गए हैं। तो, यह बहुत पीछे चला जाता है, लेकिन यह आधुनिक समय तक भी आता है। और इसलिए, हमें इंटरनेट पर ऐसे पॉप-अप मिले हैं जो लौकिक हैं और यह 21वीं सदी में भी फला-फूला है।

जो हाल ही में प्रचलित है, वह कहावत एक नई कहावत है जो पहले कभी नहीं कही गई, लेकिन यह एक नई बात है। यह "उठ जाओ, टूट जाओ" है। या इसे कहने का एक और तरीका, अधिक लौकिक, शायद "उठ जाओ, टूट जाओ।"

और इसलिए, यह आधुनिक कहावत है जो अभी सामने आई है। मैं जानता हूं कि लोग इससे नफरत करेंगे क्योंकि हमें जागे हुए लोगों के प्रति श्रद्धा दिखानी चाहिए, लेकिन यह सिर्फ "जागो, जागो, टूटो" जैसी बात है। और इसलिए, यह एक कहावत है जो आज भी इंटरनेट पर प्रचलित है।

तो, मैं जो कह रहा हूं वह यह है कि सुमेरियन काल से लेकर आधुनिक काल तक, कहावतों का उपयोग किया जाता है और जैसे-जैसे हम आगे बढ़ेंगे, हम इसे स्पष्ट करते जाएंगे। कहावतें अन्य प्रकार के साहित्य में भी अंतर्निहित हैं क्योंकि कहावत "जल्दबाजी बर्बाद करती है" एक संक्षिप्त कथन है। ये कहावतें अन्य प्रकार के साहित्य, उदाहरण के लिए, महाकाव्यों में अंतर्निहित होने में

सक्षम हैं। और इसलिए, महाकाव्यों में, कविताओं में, गीतों में, नाटकों में, उपन्यासों में, और आधुनिक विज्ञापन में, और अंतर्राष्ट्रीय और क्षेत्रीय लौकिक संग्रहों में।

मुझे अभी-अभी अफ्रीकी नीतिवचन और उनके अर्थ पर आधारित यह पुस्तक मिली है। और इसलिए, यह व्यक्ति आगे बढ़ता है, वह अफ्रीका से है और वह विभिन्न देशों, घाना और विभिन्न स्थानों पर जाता है, और वह उनकी कहावतें निकालता है और वह अफ्रीका से आने वाली इनमें से 400 प्रमुख कहावतें निकालता है।

एक अर्थ में, नीतिवचनों को अफ्रीकी प्रकार के चश्मे से देखना बहुत दिलचस्प है, क्योंकि कहावतें अभी भी एक विविध श्रेणी में उपयोग की जाती हैं, अमेरिका की तुलना में कहीं अधिक विविधतापूर्ण। तो वैसे भी, उसके पास है, इसलिए उसके पास यहां लगभग 400 कहावतें हैं। उदाहरण के लिए, मुझे पढ़ने दीजिए इनमें से कुछ दिलचस्प हैं।

"जब दो हाथी लड़ते हैं," "जब दो हाथी लड़ते हैं, तो घास को नुकसान होता है।" "जब दो हाथी लड़ते हैं, तो घास को नुकसान होता है।" और आप देख सकते हैं, और आप जानते हैं, यह एक कहावत है।

"चाहे रात कितनी भी लंबी हो, सुबह तो होगी ही।" "चाहे रात कितनी भी लंबी हो, सुबह तो होगी ही।" फिर, यह स्पष्ट रूप से एक कहावत है।

उनके पास एक और कहावत है: "यदि आपको लगता है कि आप बदलाव लाने के लिए बहुत छोटे हैं" "यदि आपको लगता है कि आप बदलाव लाने के लिए बहुत छोटे हैं, तो मच्छर के साथ एक रात बिताने का प्रयास करें।" "यदि आपको लगता है कि आप बदलाव लाने के लिए बहुत छोटे हैं, तो एक छोटे मच्छर के साथ एक रात बिताने का प्रयास करें।" और आप में से कोई भी डेरा डालने गया हो और आपके तंबू में एक मच्छर आ जाए, तो आप जानते हैं, यह एक समस्या है और यह आपको पूरी रात परेशान करता है।

तो ये कुछ कहावतें हैं जो अब अफ्रीका से आई हैं, ये अब जीवंत समस्याएं हैं, कहावतें अब अफ्रीका से हैं। यह एक साहित्यिक विधा के रूप में कहावत की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक सार्वभौमिकता को दर्शाता है। अनुभव को वर्गीकृत करने, सामान्यीकरण करने और संहिताबद्ध करने की मानवीय इच्छा होती है।

हम सभी जीवन का अनुभव करते हैं। और व्यवहार के प्रकारों को वर्गीकृत करने, किसी चीज़ को एक स्थिति से कई स्थितियों में सामान्यीकृत करने, उस अनुभव को संहिताबद्ध करने, वास्तविकता की जटिल प्रकृति को एक छोटी सी चीज़ में सरल बनाने की मानवीय इच्छा होती है। जल्दबाजी गलत है।

जल्दी उड़ने वाला पक्षी कीड़ा प्राप्त करता है। और इसलिए, हम एक जटिल स्थिति लेते हैं और इसे एक सरल, सामान्यीकृत, वर्गीकृत और संहिताबद्ध कथन में बदल देते हैं। और एक अर्थ में, वास्तविकता बहुत जटिल है।

डेनियल ट्रेयर ने मनुष्य को अपनी सीमितताओं से निपटने के तरीके सीखने पर एक शानदार लेख लिखा है। हम अनंत नहीं हैं। और लाखों स्थितियाँ हैं। और इसलिए, क्योंकि लाखों स्थितियाँ हैं, हम उन्हें समझने के लिए उन्हें वर्गीकृत करने का प्रयास करते हैं ताकि हम इन चीज़ों पर नियंत्रण पा सकें। और इसलिए, कहावतें ऐसा करने का एक तरीका हैं, ठीक वैसे ही जैसे शब्द होते हैं। हमारे पास एक शब्द है जिसके कई अर्थ हो सकते हैं।

और इसका एक हिस्सा यह है कि, अगर हमारे पास दुनिया की हर चीज के लिए एक शब्द होता, तो मैं यहां किताबों से भरी शेल्फ देख रहा हूँ। लेकिन अगर मुझे प्रत्येक पुस्तक की सूची बनानी पड़े तो यह बहुत अधिक होगी। अब हम किताबों का उपयोग करते हैं और फिर वह वर्गीकरण करती है, मुझे नहीं पता, 50, 100 किताबें जिन्हें मैं अभी देख रहा हूँ।

और वे सभी पुस्तकें कहलाती हैं। और इसलिए यह हमें उन सभी अलग-अलग पुस्तकों और अलग-अलग शीर्षकों और अलग-अलग लेखकों, अलग-अलग समयावधियों, अलग-अलग शैलियों को एक साथ रखने की अनुमति देता है। और हम उसे एक किताब कहेंगे।

और इसलिए यह हमें सामान्यीकरण करने की अनुमति देता है। एक कहावत ऐसी भी है। हम कई, कई लाखों स्थितियों में थे और एक व्यक्ति तब अलग हो जाएगा और उस स्थिति के अर्थ को समेकित करेगा और इसे एक कहावत में पकड़ लेगा जो आमतौर पर यादगार और संक्षिप्त होती है।

और बेटा, तुम्हें स्थिति समझ आ गई। फिर वह स्थिति, वह कहावत सैकड़ों स्थितियों पर लागू होती है। तो, यह एक विशेष स्थिति से आता है।

यह उबल गया है। और फिर एक बार जब आप इसे उबाल लेते हैं, तो आप इसे सैकड़ों, हजारों अलग-अलग स्थितियों में पुनः संदर्भित कर सकते हैं। तो, कहावतें सांस्कृतिक आदर्शों और मूल्यों के माध्यम से भी फ़िल्टर की जाती हैं।

संस्कृति का प्रभाव कहावत पर पड़ता है। जब बात हाथियों के लड़ने और घास को नुकसान पहुंचाने की हो, तो हममें से ज्यादातर लोग शायद उस कहावत का इस्तेमाल नहीं करेंगे। हम उस कहावत का उपयोग करेंगे, लेकिन शायद हमने उस कहावत की उत्पत्ति नहीं की होगी क्योंकि आपमें से कई लोगों ने, जिनमें मैं भी शामिल हूँ, हाथी को नाचते हुए नहीं देखा है और यह घास पर क्या असर करता है। लेकिन यदि आप अफ्रीका में हैं, जहाँ आपके पास हाथी हैं, तो आप देखेंगे, वाह, हाथियों से लड़ने से घास नष्ट हो जाती है।

हालाँकि, एक बार जब वे यह कहावत बना लेते हैं, तो मैं उस स्थिति को अमेरिका में ले जा सकता हूँ और इसे राजनेताओं या बड़े लोगों की लड़ाई, कुलीन लोगों की लड़ाई और उन लोगों पर लागू कर सकता हूँ जो उनके पैरों के नीचे हैं। और इसलिए, इसे अमेरिकी संदर्भ में लागू किया जा सकता है, भले ही इसकी उत्पत्ति अफ्रीका में हुई हो।

तो, एक कहावत एक कहानी का संक्षिप्तीकरण है। कई बार आपके पास एक कहानी होती है और वह कहानी एक कहावत में सिमट जाती है। तो, एक कहानी के बीच एक संबंध है।

अक्सर कहावत के पीछे एक कहानी होती है। कुछ इस तरह कि अगर आपने कभी चर्च में भजन-कीर्तन किया है, तो इसके पीछे एक कहानी है, यह मेरी आत्मा के लिए अच्छा है। और आप इस आदमी के बारे में सुनते हैं, वैसे भी, आइए इसकी पृष्ठभूमि में न जाएं, लेकिन यह सिर्फ इतना है कि भजन की पृष्ठभूमि है।

और फिर जब आप उस पृष्ठभूमि को समझते हैं, तो अचानक, भजन एक अलग अर्थ प्राप्त कर लेता है। कहावतें बहुत मिलती-जुलती हैं। इस कहावत के पीछे एक कहानी है और फिर कहानी ढह जाती है।

कहानी एक कहावत में बदल गई है। और इसलिए यह उस तरह से दिलचस्प है। प्राचीन निकट पूर्वी कहावतें, हमारे पास सुमेरियन संग्रह, शूरूपक के निर्देश , 2600 से 1800 ईसा पूर्व हैं।

वह वास्तव में शायद इब्राहीम से पहले की बात है। हालाँकि, मेरे पास शुरुआती वंशवादी कहावत 800 साल बाद दिखाई देती है। और इसलिए एल्स्टर बताते हैं कि ये कहावतें, सुमेरियन कहावतें थीं, लेकिन फिर ये कहावतें 800 साल बाद, सुमेर के चले जाने के लंबे समय बाद, अन्य संग्रहों में दिखाई देती हैं।

और इसलिए, कहावतें लंबे समय तक टिके रहने का एक तरीका होती हैं। यह कहावत पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलती रहती है। और इतनी प्राचीन कहावतें, जिसे मैं बहुजनन कहता हूँ उसका एक उदाहरण यहां दिया गया है।

दूसरे शब्दों में, एक कहावत उस तरह की होती है और जैसे-जैसे इतिहास में आगे बढ़ती है, अलग-अलग आकार लेती है। और इसे बार-बार उद्धृत किया गया है। और इसलिए, यहां इस बहुजनन जैसी किसी चीज़ का एक उदाहरण दिया गया है।

दूसरे शब्दों में, अनेक स्थितियों में सृजन। तीन परत वाली रस्सी को काटा नहीं जा सकता। गिलगमेश के सुमेरियन महाकाव्य, गिलगमेश के सुमेरियन महाकाव्य में तीन परत वाली रस्सी को नहीं काटा जा सकता है। इसे अक्काडियन संस्करण में प्रतिध्वनित किया गया है। तो, पहले के सुमेरियन संस्करण, अक्काडियन या बेबीलोनियन या एटाना, लीजेंड ऑफ इटाना में भी यह तीन परत वाली रस्सी पाई गई है। लेकिन फिर यह बहुत दिलचस्प है।

ये प्राचीन काल के समान हैं, सुमेर, पुराना बेबीलोनियन, अक्काडियन। और फिर आप सभोपदेशक की पुस्तक पर आते हैं और आप इसे पढ़ते हैं, सभोपदेशक 4:12, तीन रस्सियों से बनी रस्सी को तोड़ना कठिन होता है। तीन रस्सियों से बनी रस्सी को तोड़ना कठिन होता है।

और इसलिए, आपको यह चीज़ मिल गई है और आप देख सकते हैं कि यह कैसे रूपांतरित होती है और नीचे आती है। और अचानक, यह एक्लोसिएस्टेस की पुस्तक में पाया जाता है, उसी प्रकार की चीज़। तो, हम उसे देखने जा रहे हैं।

इस तरह की सार्वभौमिकता का एक और उदाहरण है "एक कुतिया ने जल्दबाजी में अंधे को जन्म दिया।" "कुतिया ने जल्दबाजी में अंधे को जन्म दिया।" यह 1750 ईसा पूर्व की एक अक्काडियन कहावत है।

एक पत्र में जिसे बाद में बगदाद में अरस्तूफेन्स, ग्रीक, इतालवी और यहां तक कि अरबी में भी दोहराया गया। अब हम बगदाद में अरबी में बात कर रहे हैं, जहां कुत्ते की जगह बिल्ली ने ले ली है। कुत्ते का स्थान बिल्ली ने ले लिया है। तो, हालिया अरबी कहावत में, जिसे आप देख सकते हैं, मैं इसे पढ़ूंगा और आप समानांतर देख सकते हैं। यह कहता है, बिल्ली अपनी जल्दबाजी में, बिल्ली के बच्चे, अंधी बिल्ली के बच्चे। बिल्ली ने जल्दबाजी में, मूल कुतिया या कुत्ता था, मादा कुत्ते ने जल्दबाजी में अंधी को जन्म दिया। अब बगदाद क्षेत्र में, आधुनिक अरबी में, यह कहा जाता है कि "बिल्ली अपनी जल्दबाजी में अंधी बिल्ली के बच्चे दे देती है।" हालाँकि यह उत्तरी इराक में दिलचस्प है, फिर भी वे "कुत्ते" को बरकरार रखते हैं। तो, दक्षिणी इराक, बगदाद क्षेत्र में, वे बिल्ली के बच्चों का उपयोग करते हैं और यह एक तरह से बिल्लियों तक पहुंच गया है। और उत्तरी में, ये अभी भी कुत्ते हैं। मुझे उत्तर बेहतर लगता है. क्षमा करें, बस मजाक है।

"जब एक भरोसेमंद नाव चल रही होती है, तो यूटू उसके लिए एक भरोसेमंद लैंडिंग स्थान की तलाश करता है।" "जब एक भरोसेमंद नाव चल रही होती है, तो उतु, [सुमेर के देवता] उसके लिए एक भरोसेमंद लैंडिंग स्थान की तलाश करते हैं।" ध्यान दें कि भगवान का उल्लेख सुमेरियन कहावतों में किया गया है।

"यूटू इसके लिए एक भरोसेमंद लैंडिंग स्थान की तलाश करता है" या इसके लिए प्रयास करें। ईश्वर का उल्लेख कहावतों में किया गया है। ईश्वर या यहोवा, प्रभु का उल्लेख बाइबिल की कई कहावतों में भी किया गया है।

मुझे लगता है कि कहावतों में से 15% ये यहोवा की बातें हैं। और कई लोगों ने कहा है, ठीक है, यह बाद के विकास को दर्शाता है। पहले की सभी वाक्य कहावतें धर्मनिरपेक्ष थीं, ईश्वर का कोई उल्लेख नहीं था। लेकिन फिर बाद में, जैसे-जैसे वे धर्मशास्त्र के अपने विकासवादी सिद्धांत में विकसित हुए, और वे अधिक धर्मशास्त्रीय होते गए, तब उन्होंने इन यहोवा कथनों को शामिल किया या उन्होंने कथन में ईश्वर का उल्लेख किया। अतः वे मूलतः धर्मनिरपेक्ष थे। और फिर यहोवा के इन कथनों की ओर यह कदम उठाया गया।

और वह धार्मिक विचार का बाद का विकास था। लेकिन यह सच नहीं है. हमें यहां उदाहरण मिले हैं. यह सुमेर है, जो सुलैमान के रहने से भी हजारों साल पहले का है। और हमारे पास एक कहावत है कि यूटू यहां बनाई गई इस नाव के लिए एक भरोसेमंद लैंडिंग स्थान की तलाश कर रहा है। तो, इसलिए, वह सिद्धांत काम नहीं करता है।

और फिर सुमेरियन कहावत संग्रह जैसे प्राचीन निकट पूर्वी कहावत संग्रहों पर वापस जाना वास्तव में मददगार है। सुमेर, हमारे पास पुराने बेबीलोनियन लौकिक समूह हैं जहां पुराना बेबीलोनियन देता है और वहां क्लस्टर हैं और उन्हें एकभाषी से कॉपी किया गया है।

दूसरे शब्दों में, सुमेरियन के पास कहावतों की एक सूची है। सुमेर, मूल प्रकार की संस्कृति में क्रम से इन कहावतों की एक सूची है। और फिर दिलचस्प बात यह है कि कहावतों की यह सूची बाद में अक्काडियन या बेबीलोनियन कहावतों में कॉपी हो जाती है। और उनके पास ये द्विभाषी सूचियाँ भी हैं जहाँ सुमेरियन कहावत यहाँ सूचीबद्ध है और अक्काडियन कहावत यहाँ सूचीबद्ध है।

और इसलिए, सुमेरियन और अक्कादियन के बीच एक समानता है, आप आगे और पीछे जाते हैं, जो सुमेरियन और अक्कादियन के बीच अनुवाद करने वाले अनुवादकों के लिए वास्तव में सहायक है। तो, हम बस यह कहने की कोशिश कर रहे हैं कि कहावतें सुमेर से और उन्हीं कहावतों से नीचे चली गईं, और यहां तक कि उसी क्रम में संग्रह सैकड़ों साल बाद अक्कादियन या बेबीलोनियन में भी पाया जाता है। और इस प्रकार आपको उस प्रकार की चीजें मिलती हैं।

अहिकर लगभग 700 ईसा पूर्व के एक असीरियन ऋषि हैं। अहिकर और फिर उनकी रिकॉर्ड की गई बाद की कहावतों का अरबी में अनुवाद किया जाता है, जो अरबी है, वे चीजें ईस्वी सन् के काल की हैं और इस तरह की चीजें हैं। वे इसका अनुवाद करते हैं।

तो, हम बस इतना कहना चाह रहे हैं कि कहावतें सुमेर और बेबीलोन के बीच अंतरराष्ट्रीय सीमाओं के पार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसारित की गईं, और समय के साथ उनका अनुवाद भी किया गया। तो अहिकर, 700 ईसा पूर्व के एक ऋषि, आपने कम से कम 700 ईस्वी में अरबी को अरबी में डाल दिया है। तो, आप समझ गए हैं, यह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसारित होता है, लेकिन फिर समय-समय पर, लंबी अवधियों में भी, ये कहावतें चलती रहती हैं।

मैं एक आधुनिक उदाहरण लेता हूँ, रॉबर्ट फ्रॉस्ट। रॉबर्ट फ्रॉस्ट की कहावत: "अच्छी बाड़ें अच्छे पड़ोसी बनाती हैं।" "अच्छी बाड़ें अच्छे पड़ोसी बनाती हैं।"

वहां अच्छाई की पुनरावृत्ति देखें, संक्षिप्त कहावत, "अच्छी बाड़ें अच्छे पड़ोसी बनाती हैं।" अब, वैसे, क्या आप इसे कई स्थितियों में लागू कर सकते हैं? यह सिर्फ बाड़ के बारे में बात नहीं कर रहा है। अब यह सीमाओं के बारे में बात हो रही है और सीमाएँ हर जगह सामने आती हैं।

तो, "अच्छी बाड़ें अच्छे पड़ोसी बनाती हैं।" यह पता चला है कि इसकी उत्पत्ति राउली, मैसाचुसेट्स, जहां मैं रहता हूँ, के संस्थापक ईजेकील रोजर्स से हुई थी। ये व्याख्यान अभी मेरे घर, 79 डेनियल रोड, राउली, मैसाचुसेट्स में चल रहे हैं।

तो, यह ईजेकील रोजर्स जिसने फ्रॉस्ट से 300 साल पहले 1640 के दशक में राउली की स्थापना की थी, फ्रॉस्ट ने ईजेकील रोजर्स, 1640, वहां 300 साल के अंतर से उस कहावत को उद्धृत किया है, "अच्छी बाड़ें अच्छे पड़ोसी बनाती हैं", लेकिन वह इसे उद्धृत करता है और यह था ईजेकील रोजर्स से किया गया। अब, यह राउली, मैसाचुसेट्स की एक कहावत है। चॉसर के पास है, "जो कोई पहले पीसने आता है, जो पहले पीसने आता है, वह पहले पीसता है।" और वे कहते हैं कि यह चॉसर है, यह अंग्रेजी में बहुत पुराना है।

और चौसर ने जो कहावत दी वह और भी आधुनिक अंग्रेजी बन गई, पहले आओ पहले पाओ। जो पहले चक्की में आता है वही सबसे पहले पीसता है, यह कहावत बन गई है, "पहले आओ पहले पाओ।" "पहले आओ पहले पाओ" हजारों स्थितियों पर लागू हो सकता है।

पहले आओ पहले पाओ। वैसे, कोका-कोला ने इस कहावत को तोड़-मरोड़कर पेश किया है। और यह कुछ कहावतों की चंचलता है। कोका-कोला ने "पहले आओ पहले पाओ" कहावत को कोका-कोला के लिए "पहले आओ, पहले पाओ" में बदल दिया। एक कोक पियें. "पहली प्यास, प्यास आती है, प्यास परोसती है," उसमें से एक विकृत कहावत है। तो, यह एक तरह की कहावत है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पलायन होता है।

वे समय के साथ तीन, 400, 500, 800 वर्ष, हजार वर्ष चलते हैं। और जैसे-जैसे वे समय के साथ आगे बढ़ते हैं, तब उन्हें नई स्थितियों में डाल दिया जाता है। कई बार वे तोड़-मरोड़ कर पेश किए जाते हैं या विनोदी या व्यंग्यात्मक होते हैं या विभिन्न तरीकों से उन्हें वर्तमान भाषा और वर्तमान स्थिति में बेहतर ढंग से फिट करने के लिए तोड़-मरोड़ कर पेश किया जाता है।

और इसलिए, यह उस चीज़ पर कहावतों का लचीलापन है। कहावत शैली की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक सार्वभौमिकता। मुझे बस मिस्र वापस जाने दो।

एक लंबी पारंपरिक कहावत है जो मिस्र से आती है। और यह इस अभिभावक-बच्चे प्रारूप में है। नीतिवचन में कहा गया है, हे मेरे पुत्र, अपने पिता की शिक्षा सुन, या अपनी माता की शिक्षा सुन।

अपनी माँ की शिक्षा का तिरस्कार मत करो, इस तरह की बात। मिस्र में, उनके पास वही निर्देशात्मक प्रारूप है। माता-पिता अपने बच्चे से बात कर रहे हैं।

पुराना साम्राज्य 2600 ईसा पूर्व से 2100 ईसा पूर्व तक का है। वह इब्राहीम से पहले है। 2600 ईसा पूर्व से 2100 ईसा पूर्व तक, हमें प्रिंस हार्डजेडेफ और कागेमेनी मिले हैं।

मध्य साम्राज्य में, जो 2000 से 1600 ईसा पूर्व का है, हमें पट्टाहोटेप मिला है। दिलचस्प निर्देश, पट्टाहोटेप का निर्देश। नए साम्राज्य में, यह लगभग 1500 से लगभग 1080 ईसा पूर्व है।

हमें अमेनेमोप मिला है, जो वास्तव में नीतिवचन की पुस्तक के अध्याय 22 और उसके बाद में परिलक्षित होता है। अमेनेमोप, एक मिस्री निर्देश, इनमें से कुछ बातें नीतिवचन की पुस्तक में ही प्रतिध्वनित या उल्लिखित या उद्धृत की गई हैं। नीतिवचन की हमारी पुस्तक।

अनी उस नए राज्य से एक और है। टॉलेमिक काल में, अब यह अलेक्जेंडर के बाद है, टॉलेमी ने मिस्र पर कब्ज़ा कर लिया और हमें मिल गया है अन्खशेशोन्क, लगभग 300 ई.पू. तो, आपको 2600 ईसा पूर्व से 300 ईसा पूर्व से लेकर पुराने साम्राज्य से लेकर टॉलेमिक समय तक का समय मिल गया है।

वही, 2300 वर्ष। यह महिला मिरियम लिचथीम अपने प्राचीन मिस्री साहित्य में, उसके पास इस प्राचीन मिस्री साहित्य पर तीन खंड हैं। उसके पास पुराने साम्राज्य से लेकर 300 ईसा पूर्व टॉलेमिक काल तक के इन सभी प्राचीन निर्देशों की एक सूची और पाठ है।

तो, यह बहुत दिलचस्प है। मिस्र में एक पुरानी परंपरा है और यह बहुत दिलचस्प है कि मिस्र की उन प्रकार की चीजों, ज्ञान का उल्लेख बाइबिल में भी किया गया है। तो, शास्त्रीय ग्रीक और रोमन, ग्रीक और रोमन कहावतों की कहावतें 1524 में इरास्मस नाम के एक व्यक्ति द्वारा एकत्र की गईं।

तो, इरास्मस, कुछ लोग, मैं स्वयं, मैं उसे इरास्मस दुष्ट कहता हूं। उन्होंने 1524 में बहुत सारे ग्रीक ग्रंथ और इस तरह की चीजें लिखीं। मैं उसमें नहीं जाना चाहता, लेकिन यह सिर्फ ग्रीक और रोमन कहावतों की कहावतें हैं। उसने उन्हें एकत्र किया, जैसा कि इरास्मस ने 1524 में किया था। वह ई.पू. है।

चीनी कहावतों का भी संग्रह है। कन्फ्यूशियस यह कहते हैं, कन्फ्यूशियस वह कहते हैं। आपको बहुत सारा धन मिलेगा और जब आप अपने चीनी रेस्तरां में खाना खत्म कर लेंगे, तो वे इसे खोल देंगे और आप भी इसे खोलेंगे और वहां आपको बहुत सारा धन मिलेगा। उनमें से बहुत सारे लौकिक हैं।

इसलिए चीनी कहावतें विश्व प्रसिद्ध हैं। यूरोपीय और रूसी संग्रह भी विशाल हैं। वोल्फगैंग मीडर ने अपनी डिक्शनरी ऑफ अमेरिकन प्रोवर्ब्स, द डिक्शनरी ऑफ अमेरिकन प्रोवर्ब्स में बताया है कि वोल्फगैंग मीडर जर्मन, रूसी और इन सभी अन्य भाषाओं का अध्ययन करता है, लेकिन फिर उसने अमेरिकी कहावतों पर नजर डाली।

उनके पास अमेरिकी कहावतों का एक शब्दकोश है जो 710 पेज लंबा है। तो, अमेरिका में हमारे पास है, और कई बार वे अब विज्ञापन का उपयोग कर रहे हैं। लेकिन फिर भी, उनके पास अमेरिकी कहावतों पर 700, 700 से अधिक पन्नों की किताब है और उनके संग्रह में अन्य किताबें भी हैं जिन्हें उन्होंने विभिन्न देशों से एकत्रित किया है।

अफ्रीकी संस्कृति में मौखिक लौकिक संग्रह अभी भी जीवित है। तो, मेरे पास अफ्रीकी कहावतों पर कई किताबें हैं और यह अभी भी कहावत है, दूसरे शब्दों में, अफ्रीका में कहावतों की पीढ़ी अभी भी जीवित है। और इसलिए, यह बहुत दिलचस्प है।

मुझे लगता है कि हम अफ्रीकियों से बहुत कुछ सीख सकते हैं कि वे नीतिवचन का उपयोग कैसे करते हैं। क्योंकि वह आज अफ्रीकी महाद्वीप में बिल्कुल जीवित है। इन सबका मुद्दा यह रहा है कि लौकिक रूप प्राचीन, सार्वभौमिक और सांस्कृतिक रूप से तरल है।

यह संस्कृति से संस्कृति की ओर जाता है और आगे बढ़ता है, यह सार्वभौमिक है। यह संस्कृतियों के बीच चलता है और यह समय के अनुसार चलता है। वे वास्तव में हजारों साल चलते हैं, ये कहावतें इसे कम करती हैं।

तो, वे बिल्कुल उस तरह की शैली हैं। आइए अब एक कहावत की परिभाषा की दिशा में काम करें। एक कहावत की परिभाषा की ओर.

अब मैं बस इतना ही कह दूँ, किसी कहावत को कैसे परिभाषित किया जाए इस पर सैकड़ों-सैकड़ों पन्ने लिखे जा चुके हैं और कोई भी इसे पूरा नहीं कर पाया है। और यह निश्चित है कि हर कोई कहता है, बस, आपको यह मिल गया है। तो, आपको यहां कुछ लचीलेपन की अनुमति देनी होगी।

और इसलिए, मैं इस तरह का एक चंचल तरीका करने जा रहा हूँ। मैं बहुत बक्सेदार व्यक्ति नहीं हूँ। मेरे किनारे हमेशा बहुत होते हैं, मैं कैसे कहूँ, तरल और किनारे हमेशा मेरे लिए धुंधले होते हैं, चीजों के किनारे।

जबकि अन्य लोग, कुछ जिनके साथ मैं रहता हूँ, सब कुछ तेजी, तेजी, यह बक्से और यह, चीजें बहुत कटी हुई और सूखी हैं। Cervantes कहते हैं, Cervantes कहते हैं, और यह एक छोटी कहावत है। एक कहावत क्या है? "एक कहावत लंबे अनुभव से तैयार किए गए छोटे वाक्य हैं।" तो क्या आप देख रहे हैं कि यहां सर्वेट्स स्वयं कहावतों के बारे में एक कहावत बनाने की कोशिश कर रहे हैं। यह कुछ दिलचस्प है। वह एक साहित्यिक व्यक्ति हैं।

और निःसंदेह, लंबे अनुभव से लिए गए छोटे वाक्य। और इसलिए, आपको यह छोटी, लंबी चीज़, छोटे वाक्य लंबे अनुभव से प्राप्त होते हैं। और आप कहते हैं, और आप क्लिक करते हैं और आप कहते हैं, हाँ, यह सही है।

लेकिन क्या यह सब एक कहावत है? नहीं, लेकिन वह है, उसे यह वहां मिल गया है। लंबे अनुभव से लिए गए छोटे वाक्य। आपके पास ये सभी अनुभव हैं, और बूम, आपने इसे एक छोटे वाक्य में लिख दिया है जैसा कि हमने पहले बात की है।

इब्र एज्रा कहते हैं कि कहावतों की तीन विशेषताएँ हैं। ठीक है। कहावतों की तीन विशेषताएँ हैं कम शब्द, अच्छा अर्थ और बढ़िया छवि। कम शब्द, अच्छी समझ और एक अच्छी छवि। और आप कहते हैं, क्या सभी कहावतें रूपक हैं? क्या उन सभी की कोई छवि है? उत्तर वास्तव में नहीं है। तो, छवि प्लस या माइनस है, हो सकती है या नहीं। लेकिन उस तरह के कुछ शब्द ही काम करते हैं। अच्छी समझ, सामान्य ज्ञान, बुद्धिमत्ता, वह भी काम करती है।

तो, वोल्फगैंग मीडर, जैसा कि हमने कहा, दुनिया के अग्रणी पेरेमियोलॉजिस्ट, वह इसे इस तरह परिभाषित करते हैं। यह उनकी पुस्तक ऑन द प्रोवरब में उनका एक उद्धरण है। ध्यान दें कि कैसे उन सभी ने इस संक्षिप्त, "लोकप्रिय एक संक्षिप्त, आम तौर पर ज्ञात वाक्य" पर जोर दिया है। इसलिए, वह इसे लोक पृष्ठभूमि से रखते हैं। हम देखेंगे कि यह बाइबिल की कहावतों की तुलना में कहीं अधिक जटिल है। एक छोटा, आम तौर पर जाना जाने वाला वाक्य। यह आम तौर पर ज्ञात है।

जब आप एक कहावत उद्धृत करते हैं, "जल्दबाजी बर्बादी करती है," तो लोग क्लिक करते हैं। वे उसे जानते हैं। "जल्दी उड़ने वाला पक्षी कीड़ा प्राप्त करता है।" बूम। वे उसे जानते हैं। "समय

रहते संभलने से बड़ी आफत टलती है।" बूम। वे "अलग-अलग लोगों के लिए अलग-अलग स्ट्रोक" जानते हैं। बूम. वे यह जानते हैं.

यह आम तौर पर लोक का ज्ञात वाक्य है जिसमें ज्ञान, सत्य, नैतिकता और पारंपरिक विचारों को रूपक, निश्चित या यादगार रूप में शामिल किया गया है। तो, ध्यान दें कि वह कैसे रूपक, हाँ, लेकिन निश्चित और याद रखने योग्य रूप में भी कहता है।

तो, वह कुछ लचीलेपन की अनुमति देता है, जैसा कि आप जानते हैं, यह कहते हुए कि इसका एक रूपक रूप होना चाहिए, जो पीढ़ी-दर-पीढ़ी हस्तांतरित होता रहता है। और इसलिए मैडर ने नोटिस किया कि कैसे कहावतें वास्तव में पीढ़ी-दर-पीढ़ी चली गईं। वे आम तौर पर जाने जाते हैं.

जल्दबाजी गलत है। और यह माता-पिता-बच्चे को भी हस्तांतरित होता है। नीतिवचन 31. राजा लमूएल की माता अपने पुत्र से, जो लमूएल में है, कहती है, हे मेरे पुत्र, हे मेरे पेट के पुत्र। और फिर वह अपने बेटे से कहती है, तुम जानते हो, तुम राजा हो, यार। बहुत ज्यादा न पियें.

ठीक है। जब आप ऐसा करते हैं तो आप लोगों को चोट पहुँचाते हैं। आप राजा हैं. मत पीना. और वह वैसे ही चलती रहती है, लेकिन नीतिवचन 31 पद एक में लमूएल की माँ की यही शिक्षा है और उसका अनुसरण किया जा रहा है।

तो, वोल्फगैंग मीडर यह कहता है, मुझे इसे फिर से पढ़ने दीजिए। यह, यह कहावत की काफी व्यापक परिभाषा है कि कहावत क्या है। "लोक का एक छोटा, आम तौर पर जाना जाने वाला वाक्य, जिसमें ज्ञान, सत्य, नैतिकता और पारंपरिक विचारों को रूपक, निश्चित और यादगार रूप में शामिल किया जाता है, जो पीढ़ी-दर-पीढ़ी हस्तांतरित होता है।

किसी के सांस्कृतिक आदर्शों और मूल्यों के माध्यम से फ़िल्टर किए गए अनुभव को वर्गीकृत, सामान्यीकृत और संहिताबद्ध करने की मानवीय इच्छा होती है। और इसलिए, प्रत्येक संस्कृति इस कहावत की अलग-अलग तरीकों से व्याख्या और समझ करती है, हाथी नाचते हैं या हाथियों से लड़ते हैं या घास पर लड़ते हैं। और इसलिए यह उस संस्कृति से आता है, सांस्कृतिक आदर्श और मूल्य संज्ञानात्मक दृष्टिकोण से लौकिक रूप की सार्वभौमिकता को समझाने में मदद करते हैं।

यह बहुत रुचिपुरण है। संज्ञानात्मक वैज्ञानिकों ने लोगों के दिमाग में चीजों को सक्रिय करने में कहावतों के उपयोग का अध्ययन किया है। ये कहावतें यादगार, संपीड़ित प्रारूपों, यादगार और संपीड़ित प्रारूपों में दर्ज की जाती हैं जो आभासी के दायरे में उनके सारगर्भित आदर्शों को पेश करती हैं।

मैं वर्चुअल वाली बात पर वापस आता हूँ। मुझे लगता है कि यह समझना बहुत महत्वपूर्ण बात है। होनिक कहते हैं, कई नई स्थितियों में काम करने के लिए तैयार हूँ।

अनेक नई परिस्थितियों में कार्य करने के लिए तैयार। और इसलिए माननीय एक संज्ञानात्मक वैज्ञानिक तरीके से इस पर आते हैं, कहते हैं, कहावतें मस्तिष्क में कैसे काम करती हैं? खैर,

मस्तिष्क अनुभव को वर्गीकृत, सामान्यीकृत और संहिताबद्ध करना चाहता है। और मस्तिष्क भी संस्कृति और संस्कृति के आदर्शों और मूल्यों के साथ काम कर रहा है।

और वे कहावत और सामान की सार्वभौमिकता की तलाश कर रहे हैं। और फिर वे इसे इस यादगार प्रारूप में और इन सारगर्भित आदर्शों को आभासी के दायरे में संकुचित कर देते हैं। आभासी यह है कि जब कहावत संग्रह में जाती है, तो वह पॉपकॉर्न की तरह फूटने के लिए तैयार होकर वहीं बैठी रहती है।

यह कहावत पॉपकॉर्न के एक दाने की तरह है, और आप इसमें कुछ व्याख्यात्मक ताप लगाते हैं। बूम, यह एक और कहानी में सामने आता है। तो, जैसा कि इसे एक कहानी से लिया गया है और मकई के दाने में उबाला गया है, और फिर गर्मी को हर्मन्युटिकल गर्मी और उछाल के रूप में लागू किया जाता है, यह एक और कहानी में सामने आता है और सैकड़ों कहानियों, हजारों कहानियों में, कहावत को लागू किया जा सकता है .

जल्दबाजी गलत है। इसे सैकड़ों विभिन्न स्थितियों में लागू किया जा सकता है। एक कहावत तब आलंकारिक हो सकती है जब इसमें रूपकों या उपमाओं या स्पष्ट रूप से शाब्दिक का उपयोग किया जाता है।

यदि यह स्पष्टतः शाब्दिक है, तो वे इसे एक कहावत कह सकते हैं। "सेब पेड़ से ज्यादा दूर नहीं गिरता।" मुझे एक दामाद मिल गया है और मेरी पत्नी और दामाद के बीच एक चंचल चीज़ है।

कभी-कभी यह बहुत चंचल नहीं होता है, लेकिन आप और मैं वास्तव में चाहते हैं, ठीक है, इसमें एक लंबी कहानी है। मैं विवाद में नहीं पड़ना चाहता. और इसलिए, मेरा दामाद, मेरी बेटी का जिक्र करते हुए, मेरी पत्नी से कहता है, "सेब पेड़ से ज्यादा दूर नहीं गिरता।" "सेब पेड़ से ज्यादा दूर नहीं गिरता।" दूसरे शब्दों में, मेरी पत्नी ने कुछ ऐसा किया जिससे मेरे दामाद को प्रेरणा मिली, वह मेरी बेटी में भी वही चीज़ देखता है। और इसलिए, वह कहते हैं, "सेब पेड़ से दूर नहीं गिरता।" दूसरे शब्दों में, जैसी आपकी पत्नी और आपकी मां, वैसी मां, वैसी बेटी। ठीक है, यह इसे कहने का एक और तरीका होगा। तो, माँ, तो बेटी, "जैसी माँ, वैसी बेटी।" ठीक है, शायद इसे कहने का यही तरीका है। उसी प्रकार की बात, "जैसी माँ, वैसी बेटी।" और वह आम तौर पर इसे थोड़े तीखेपन के साथ कहता है।

और इसलिए, मैं इसकी अनुशंसा नहीं करता। लेकिन "सेब पेड़ से ज़्यादा दूर नहीं गिरता।" वह एक लाक्षणिक अभिव्यक्ति है. सेब पेड़ से ज्यादा दूर नहीं गिरता. यह एक रूपक, एक सेब और एक पेड़ है। खैर, क्या यह सचमुच एक सेब और एक पेड़ के बारे में बात कर रहा है? नहीं, यह वास्तव में किसी और चीज़ के बारे में बात कर रहा है।

इसे शाब्दिक रूप से, या एक तरह से अधिक कहावत बनाने के लिए, "जैसी माँ, वैसी बेटी।" अब यह स्पष्ट है, "जैसी माँ, वैसी बेटी।" अब, वैसे, क्या आप इसे मोड़ सकते हैं? हाँ, आप कह सकते हैं, "जैसा पिता, वैसा बेटा।"

ठीक है। और इसलिए, यह सेब पेड़ से उतर गया। और इसलिए, आप देख सकते हैं कि एक कहावत की रूपक अभिव्यक्ति और एक कहावत की गैर-रूपक अभिव्यक्ति के बीच खेल कैसा है।

सेब पेड़ से दूर नहीं गिरता, जैसे माँ, वैसी बेटी, जैसा पिता, वैसा बेटा, ऐसा, वैसा। ठीक है, तो, हम एक कहावत की परिभाषा के साथ काम कर रहे हैं। आम तौर पर, इसे कविता, अनुप्रास, दीर्घवृत्त जैसी तकनीकों के माध्यम से काव्यात्मक रूप से बढ़ाया जाता है, आप जानते हैं, आप एक शब्द छोड़ते हैं, और पाठक को उस शब्द को दीर्घवृत्त, पारोनोमेशिया, पुनरावृत्ति, समानता में आपूर्ति करना होता है, जो इसे यादगार बनाने में सहायता करता है और उद्धृत करने योग्य।

कहावतें स्मरणीय और उद्धृत करने योग्य होती हैं। और वे एक तरह से कहानी को आगे बढ़ाते हैं और उसे एक संक्षिप्त, यादगार प्रकार की चीज़ में बदल देते हैं। शैली की स्थापत्य संरचना ऐसी है, उनके पास ये स्थापत्य संरचनाएं हैं, इन स्थापत्य संरचनाओं के लिए एक कहावत पहचानी जाती है। तो हम कहते हैं, जैसे x, वैसा y, जैसा पिता, वैसा बेटा, जैसी मां, वैसी बेटी, जैसी नियोक्ता, वैसी कर्मचारी, जैसी राष्ट्रपति, वैसी जनता। ऐसा मत कहो. ठीक है।

लेकिन फिर भी, यह x जैसा है, y जैसा है। दोहराव पर ध्यान दें। ध्वनि संवर्धन, स्वर-संगति, अनुप्रास, अनुप्रास छंद। उदाहरण के लिए, "हाथ में एक पक्षी झाड़ी में दो पक्षियों के बराबर है।" "हाथ में एक पक्षी पेड़ पर बैठे दो पक्षियों के बराबर है।" यह काम नहीं करता. "हाथ में एक पक्षी पेड़ पर बैठे दो पक्षियों के बराबर है।" हाँ, लेकिन आप कहते हैं कि पक्षी पेड़ों पर रहते हैं। नहीं, लेकिन इस तरह की बात चूक जाती है। यह कितना बेहतर है? "उपलब्ध चीज़, अनुपलब्ध चीज़ों से अधिक मूल्यवान हैं।"

अब अचानक आपको याद आ सकता है कि "हाथ में एक पक्षी झाड़ी में दो पक्षियों के बराबर है।" ठीक है। "समय रहते संभलने से बड़ी आफत टलती है।" समय, नौ. आपको वहां थोड़ी तुकबंदी मिल गई है। और इसलिए समय पर एक सिलाई नौ बचाती है।

अब, किन स्थितियों में समय पर एक सिलाई नौ बचा सकती है? हम किसी ऐसे व्यक्ति के बारे में बात कर रहे हैं जो अपने कपड़े सिल रहा है और वे कहते हैं कि समय पर सिलाई करने से समय की बचत होती है, आप जानते हैं, बाद में उनमें से नौ काम करने पड़ते हैं। समय रहते संभलने से बड़ी आफत टलती है। यह सिलाई से है।

लेकिन फिर भी हमें एहसास है कि यह समय की एक सिलाई है जो सौ स्थितियों, हजारों स्थितियों में लागू होती है। और हां, लेकिन ध्यान दें कि समय पर एक सिलाई से नौ की बचत होती है। आपके पास यह कविता चल रही है जो इसे यादगार बनाती है।

संज्ञानात्मक वैज्ञानिकों ने कहावत की व्याख्या और मस्तिष्क के ठीक से काम करने वाले दाएं गोलार्ध के बीच संबंध पर ध्यान दिया है। तो, दूसरे शब्दों में, उनके पास वास्तव में परीक्षण हैं जो कहावतों के परीक्षण हैं यह देखने के लिए कि लोग उनकी कितनी अच्छी तरह व्याख्या कर

सकते हैं। और फिर वे मूल्यांकन करते हैं कि क्या किसी व्यक्ति का मस्तिष्क ठीक से काम कर रहा है, विशेष रूप से दायां गोलार्ध, दायां गोलार्ध, जो बायां था।

ठीक है। मस्तिष्क का दायां गोलार्ध. ठीक है।

और इसलिए, वे, संज्ञानात्मक विज्ञान ने वास्तव में कहावतों की कुछ संभावनाओं का पता लगाया है ताकि दूसरे शब्दों में, हमारे दिमाग को कहावतों पर काम करने के लिए तैयार किया जा सके। और इसलिए इस पूरी चीज़ के पीछे संज्ञानात्मक रूप से यह एक अच्छी बात है। अब एकत्रित कहावतों की आभासी प्रतिशत क्षमता।

एकत्रित कहावतों की आभासी क्षमता। एक कहावत तब बनती है जब ऐसी स्थिति होती है जिसमें एक काव्यात्मक रूप से तैयार किए गए कथन में एक पैटर्न को देखा जाता है, सामान्यीकृत किया जाता है, आसुत किया जाता है, आगमनात्मक, निगमनात्मक रूप से या अनुरूप रूप से प्रस्तुत किया जाता है। कहानी या परिदृश्य, कहानी या परिदृश्य या स्थिति तब इस कहावत में ढल जाती है, और कहावत उसे पकड़ लेती है।

फिर गढ़ी गई कहावत को उद्धृत किया जाता है, उसकी मूल स्थिति से अलग किया जाता है, और एक संग्रह में रखा जाता है। संग्रह में तो कहावत आभासी है. अब नीतिवचनों का अध्ययन करने वाले कुछ लोगों का कहना है कि संग्रह में रखी गई कहावत मृत है।

मुझे ऐसा नहीं लगता। संग्रह में रखी गई कहावतें आभासी होती हैं। इसे इसकी मूल सेटिंग से हटाकर उस कहानी को इस कहावत के मूल में समेट दिया गया है, "जल्दबाजी बर्बादी करती है," इसे एक संग्रह में डाल दिया गया है।

और उस संग्रह से फिर यह हजारों अलग-अलग स्थितियों में जा सकता है। आधुनिक और प्राचीन, यह समय के माध्यम से नीचे यात्रा कर सकता है, यह अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं के पार जा सकता है। इसमें क्षमता है, और यह क्षमता उभरने के लिए तैयार है। यह आभासी है. यह एक तरह से आभासी वास्तविकता की तरह है। और यह आधुनिक समय में किसी स्थिति या कहानी में वापस आने की प्रतीक्षा कर रहा है।

कुछ लोग यह निष्कर्ष निकालते हैं कि कहावतें अपनी मूल स्थितियों से निकालकर निष्फल संग्रह में अलग कर दी गई हैं, वे मृत हैं। हालाँकि, एक बार एक संग्रह में अलग और गैर-संदर्भित होने के बाद, एकत्रित कहावतें अधिक लचीली हो जाती हैं और बहु-अर्थ संबंधी संभावनाएं और बहु-स्थितिजन्य अनुकूलनशीलता प्राप्त कर लेती हैं। दूसरे शब्दों में, आप यह मान सकते हैं कि "जल्दबाजी बर्बादी करती है" और आप इसे सैकड़ों अलग-अलग स्थितियों में कर सकते हैं जहां जल्दबाजी बर्बादी लाती है।

तो, कोई व्यक्ति किसी परीक्षा के लिए अध्ययन नहीं करता है, और वे बस सोच रहे हैं, मैं बस इस चीज़ को पूरा करने जा रहा हूँ और परीक्षा में असफल हो जाऊँगा। जल्दबाजी गलत है। एक व्यक्ति किसी चीज़ पर काम कर रहा है, और माना जाता है कि जल्दबाजी बर्बादी का कारण बनती है।

मैं कहना चाहता हूँ, मैं रोटी बनाने, रोटी कैसे बनाएं और इस तरह की चीजों पर काम कर रहा हूँ। जल्दबाजी गलत है। अतः आप इसे बढ़ने न दें।

रोटी उगाने में समय लगता है। और इसलिए, आपको इसे रात भर बढ़ने देना होगा। लेकिन अगर आप इसे एक या दो घंटे के बाद पकड़ लेते हैं, तो आपको थोड़ी बढ़त मिल जाती है, लेकिन जल्दबाजी बर्बाद कर देती है।

आपने अच्छी रोटी की संभावनाओं को खत्म कर दिया। और इसलिए, "जल्दबाजी बर्बादी करती है।" तो, जल्दबाजी कई अलग-अलग स्थितियों में बर्बादी लाती है, जिसे आप लागू कर सकते हैं।

और इसलिए, यह आभासी है, और इसमें बहु-स्थिति है, एक बार जब यह संग्रह में होता है, तो यह कई स्थितियों में सामने आ सकता है, फिर, बहु-स्थितिजन्य अनुकूलनशीलता। इसकी क्षमता संग्रह में आभासी है और इसका एहसास तब होता है जब इसे दोबारा जोड़ा जाता है, पुनः संदर्भित किया जाता है, या कंप्यूटर विज्ञान में, वे एक वस्तु बताते हैं, यानी, आप इस वस्तु को परिभाषित करते हैं और वस्तु के पास इसके गुण होते हैं। और फिर आप उस ऑब्जेक्ट को वास्तविक प्रोग्राम में इंस्टेंटियेट करते हैं।

तो, आप वस्तु को परिभाषित करते हैं और उसे गुण देते हैं, वगैरह-वगैरह, वगैरह। और फिर आप उसे अपने प्रोग्राम के एक विशेष, विशेष भाग में इंस्टेंटियेट करते हैं। एक बार जब आप इसे परिभाषित कर लेते हैं, तो यह एक कहावत के समान होता है।

आप कहावत समझ गए, जल्दबाजी बर्बादी करती है। और अब आप, आप इसे त्वरित करें। आप वास्तव में इसे जीवन में उतारते हैं और कहते हैं, जल्दबाजी बर्बादी करती है।

और इसलिए, आप वास्तव में तेजी से जाने की कोशिश कर रहे हैं क्योंकि आप एक जगह और उस जैसी चीजों तक पहुंचना चाहते थे। और तुम तेज़ चलने लगे। और फिर अचानक आपकी नजर इन लाल बत्तियों पर पड़ती है और पुलिसकर्मी आपको खींच लेता है, "जल्दबाजी बर्बादी करती है।" ठीक है। तो, अब आप उस चीज़ से चूक गए हैं जिसे आप जल्दी से प्राप्त करने की कोशिश कर रहे हैं क्योंकि अब आपको टिकट मिल गया है और अब आपको अपने शेष जीवन के लिए अपने बीमा का भुगतान करना होगा। ठीक है।

तो, "जल्दबाजी बर्बादी करती है।" ठीक है। या, क्या यह "स्वाद कमर बनाता है"? वाह! हम उसमें नहीं पड़ना चाहते, लेकिन आप देख रहे हैं कि मैंने इस कहावत को कैसे तोड़-मरोड़ कर पेश किया है। "जल्दबाजी बर्बादी बनाती है" से "स्वाद कमर बनाती है।" ठीक है। ऐसा मत करो। ठीक है। लेकिन मैं बस हूँ, मुझे खेद है। यह बस मेरे दिमाग में आया। इन कहावतों में अजीब बातें हैं। मैं जो कह रहा हूँ वह यह है कि कहावतें मनोरंजक हो सकती हैं।

और यही मेरा प्रयास था। नीतिवचन वियोज्य इकाइयाँ हैं जिन्हें नई स्थितियों में संवादी पुनर्संलग्नक को परिवर्तित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। समान कहावतों के समूह में प्रयोग का महत्व दिखाई देता है।

ठीक है। तो, अब हम लौकिक प्रयोग के विषय पर आगे बढ़ रहे हैं। फिर कहावतों को संग्रह में कैसे लिया जाता है? उनका वास्तव में उपयोग कैसे किया जाता है? उनकी उत्पत्ति हुई और कहानी छोटे-छोटे वाक्यों में सिमट गई।

अब इसे ले लिया गया है, एक संग्रह में डाल दिया गया है। वास्तव में इसका उपयोग कैसे किया जाता है? आप कहावत का प्रयोग कैसे करते हैं? नीतिवचन अध्याय 26:7 और 9 में समान कहावतों के समूहों और श्रृंखलाओं में महत्व देखा जाता है। नीतिवचन की पुस्तक एक कहावत का सही और अनुचित तरीके से उपयोग करने के बारे में बात करती है।

ठीक है। कहावतों का उपयोग कैसे किया जाता है, इसके बारे में नीतिवचन अध्याय 26:6-7 और 9 में बताया गया है। "जैसे लंगड़े का पैर लंगड़ा कर लटका रहता है, वैसी ही मूर्ख के मुंह में कहावत है।"

अब कहावतों को बुद्धिमान कहावतें माना जाता है जो संप्रेषित होती हैं और सामान होती हैं। और अब वह जो कह रहा है वह यह है कि जैसे लंगड़े का पैर लंगड़ाकर लटका रहता है, वह मूर्ख के मुंह में एक कहावत है। और इसलिए, आपको यह छवि मिलती है।

याद रखें कि कैसे इन सभी लोगों ने मूर्ख के मुंह से निकलने वाले पैर वाले इस लंगड़े व्यक्ति की रूपक छवि के बारे में बात की थी जो एक कहावत का उपयोग करता है। क्या कोई मूर्ख, क्या कोई मूर्ख कोई कहावत उद्धृत कर सकता है? हाँ। हाँ।

और यह कहता है कि लंगड़े व्यक्ति का पैर लंगड़ा कर लटका रहता है, यह मूर्ख के मुंह में एक कहावत है। दूसरे शब्दों में, इसका उपयोग करने वाले व्यक्ति का चरित्र उस कहावत का परिणाम निर्धारित कर सकता है। एक मूर्ख ऐसी कहावत उद्धृत कर सकता है जो उसे बुद्धिमान नहीं बनाती।

ठीक है। और इसलिए, केवल यह कहने का खतरा है, ठीक है, कहावत का अर्थ है, और फिर जो कोई भी इसे उद्धृत करता है। नहीं - नहीं।

व्यक्ति का चरित्र, मूर्ख व्यक्ति एक कहावत की तरह होता है तो वह उस लंगड़े पैर के समान होता है जो लंगड़ाकर लटका रहता है। ठीक है। और फिर अध्याय 26 के श्लोक नौ में, श्लोक नौ में, यह कहा गया है, जैसे एक शराबी के हाथ में कांटेदार झाड़ी लहराती है।

तो, आपने इसे पी लिया है, इसके पास यह कांटेदार झाड़ी है जिसकी सभी सुइयां बाहर निकली हुई हैं और वह लहरा रहा है, वह इसे झुला रहा है और इसी तरह की चीजें। ठीक है। इसलिए, मूर्खों के मुँह में एक कहावत शराबी के हाथ में काँटी हुई झाड़ी की तरह होती है।

तो क्या मूर्ख लोग कहावतों का प्रयोग कर सकते हैं? हाँ वे कर सकते हैं। लेकिन जबकि यह कहावत किसी प्रकार की बुद्धिमत्ता के रूप में सामने आएगी, जब इसका उपयोग किया जाएगा तो वह कहावत वास्तव में बहुत बड़ा नुकसान कर सकती है क्योंकि इसका उपयोग एक मूर्ख

द्वारा किया जाता है। अतः, कहावतों का प्रयोग विभिन्न प्रकार से किया जा सकता है। और एक मूर्ख कहावत का उपयोग कर सकता है। यह लंगड़े पैर या नशे में धुत्त लोगों को सुइयों और कांटों से पीटने जैसा है। ठीक है।

अतः कहावतें वास्तव में कहावतों के प्रयोग की बात करती हैं। किसी कहावत का श्रोता पर क्या प्रभाव पड़ेगा, इसका आकलन अवश्य करना चाहिए। और यह काफी विविध हो सकता है।

उदाहरण के लिए, नीतिवचन 10.1बी, "मूर्ख पुत्र माता के लिए दुःखदायी होता है।" 'मूर्ख पुत्र अपनी माता के लिए दुःखदायी होता है।' दूसरे माता-पिता से कहा।

तो, दो माता-पिता बात कर रहे हैं और माँ फिर दूसरे माता-पिता को यह कहते हुए कहती है, "एक मूर्ख बेटा अपनी माँ के लिए दुःखदायी होता है।" और दूसरे माता-पिता यह जानते हैं क्योंकि उनके भी बच्चे हैं। और वे जानते हैं कि बच्चों में अपने माता-पिता को प्रभावित करने और उन्हें चोट पहुँचाने की क्षमता होती है।

अब हमारी संस्कृति में, माता-पिता ही बच्चों को कष्ट पहुँचाते हैं। और यह हमारी संस्कृति में जबरदस्त है। और यह कुछ ऐसा है जिस पर वास्तव में दुर्व्यवहार, वगैरह, वगैरह के बारे में बात करने की ज़रूरत है।

ठीक है। हालाँकि, क्या माता-पिता के पास है, क्या बच्चे में माता-पिता को चोट पहुँचाने की क्षमता है? हाँ। और इसलिए, माता-पिता से माता-पिता इस बारे में बात कर सकते हैं।

और इसका वहाँ एक मतलब है। और इसलिए, एक माता-पिता दूसरे माता-पिता को यह कहकर सांत्वना दे सकते हैं कि "मूर्ख बेटा अपनी माँ के लिए दुःखदायी होता है।" और एक माता-पिता दूसरे माता-पिता को इससे सांत्वना दे रहे हैं।

यदि कोई भाई-बहन यह उद्घरण दे तो क्या होगा ? तो, आपने एक भाई-बहन को दूसरे बच्चे से बात करते हुए पाया है और कहा है कि आप जानते हैं, एक मूर्ख बेटा अपनी माँ के लिए दुःखदायी होता है। हो सकता है कि वह भाई-बहन दूसरे भाई-बहन को चेतावनी दे रहा हो, कि वह मत करो जो तुम करने की योजना बना रहे हो क्योंकि तुम माँ को चोट पहुँचाओगे। और इसलिए, जब यह माता-पिता से माता-पिता तक होता है, तो यह आरामदायक होता है। जब यह भाई-बहन का मामला हो, तो यह उस भाई-बहन के लिए एक चेतावनी हो सकती है। इसे एक माँ से लेकर बच्चे तक बोला जा सकता है। मूर्ख पुत्र अपनी माता के लिये दुःखदायी होता है।

हो सकता है कि एक माँ बच्चे से बात कर रही हो, बच्चे को मार्गदर्शन दे रही हो, बच्चे को मार्गदर्शन दे रही हो, और कह रही हो, ऐसा मत करो। तुम अपनी माँ को चोट पहुँचाने वाले हो। ठीक है।

और इसलिए, उदाहरण के लिए, एक पिता अपने बच्चे से ऐसा कह सकता है ताकि बच्चे को एहसास हो कि मैं माँ को चोट नहीं पहुँचाना चाहता। और इसलिए मैं ऐसा नहीं करूँगा। तो, मैं बस

इतना कह रहा हूँ कि, हमारे पास तीन स्थितियाँ हैं, माता-पिता से माता-पिता, आराम, भाई-बहन से भाई-बहन, एक चेतावनी, माता-पिता से बच्चे, मार्गदर्शन।

तो, एक ही कहावत तीन अलग-अलग तरीकों से कार्य करती है, यह इस बात पर निर्भर करता है कि इसका उपयोग कैसे किया जाता है। तो, यह एक प्रकार का बहुअर्थी है। दूसरे शब्दों में, आप यह नहीं कह सकते कि इस कहावत का अर्थ यह है।

इसका मतलब है कि कई अलग-अलग स्थितियों में, और इसका मतलब अलग-अलग चीजें हैं। और यह वाक् कृत्य करने का प्रयास कर रहा है। वाणी में इसकी क्रिया तीन अलग-अलग कार्य कर रही है।

मैंने आपको जो तीन अलग-अलग उदाहरण दिए हैं, उनमें इसका उपयोग सांत्वना, प्रोत्साहन, फटकार, चेतावनी और यहां तक कि हास्य के लिए भी किया जा सकता है, यह इस बात पर निर्भर करता है कि बोलने वाला कौन है और जब इसे दोबारा संदर्भ में लाया जाता है तो यह किससे बोला जाता है। तो अब, एक संरचनात्मक दृष्टिकोण से एक कहावत की परिभाषा, और बहुत सारी कहावतें जो हमें मिलती हैं, डंडेस इसका उपयोग करते हैं, विषय और टिप्पणी, विषय और टिप्पणी। और डंडेस विषय और टिप्पणी को द्विआधारी तरीके से लेते हैं, एक प्लस और एक माइनस, या एक माइनस और प्लस, या एक माइनस माइनस डालते हैं।

ताकि आपके पास एक विषय हो जिस पर बात हो और उस विषय पर एक टिप्पणी हो। और वह सकारात्मक-सकारात्मक, नकारात्मक-नकारात्मक, सकारात्मक-नकारात्मक, नकारात्मक-सकारात्मक और वे भिन्नताएं हो सकती हैं। और इसलिए, यह वास्तव में उन्हें इस विषय पर टिप्पणी का विश्लेषण करने में मदद करता है, हमें कहावतों का विश्लेषण करने और इसे तोड़ने में मदद करता है।

विषय क्या है? क्या टिप्पणी है? क्या सकारात्मक है? क्या यह नकारात्मक है? और उस तरह का यह करता है। इसलिए, उदाहरण के लिए, नीतिवचन 14:15। नीतिवचन कहते हैं, "एक साधारण व्यक्ति" एक विषय है, एक साधारण व्यक्ति, विषय, सकारात्मक या नकारात्मक, सरल व्यक्ति, नकारात्मक।

एक साधारण व्यक्ति, टिप्पणी, "कुछ भी विश्वास करता है," नकारात्मक। एक साधारण व्यक्ति, विषय, टिप्पणी, किसी भी चीज़ पर विश्वास कर लेता है। ये दोनों ही नकारात्मक हैं।

"एक साधारण व्यक्ति किसी भी चीज़ पर विश्वास करता है।" तो यह विषय है, नकारात्मक, टिप्पणी, नकारात्मक। टीसी, विषय, टिप्पणी, नकारात्मक, नकारात्मक।

और इसलिए यह कहावतों का विश्लेषण करने का एक शुरुआती तरीका है। और आप उसके बाद गहरी संरचना-प्रकार की चीज़ों में जा सकते हैं। तो, एक साधारण व्यक्ति किसी भी बात पर विश्वास कर लेता है।

भाषण अधिनियम संदर्भों की एक विस्तृत श्रृंखला में एक ही कहावत को पुनः संदर्भित करने, इसे उजागर करने के लिए उपयोग करने की कल्पना करना आसान है। एक साधारण व्यक्ति किसी को बेनकाब करने के लिए कुछ भी मान लेता है। किसी इंसान को नीचा दिखाने के लिए एक साधारण इंसान कुछ भी मान लेता है। आप किसी व्यक्ति को अपमानित कर सकते हैं। आप उन्हें डांट सकते थे। आप उनका मज़ाक उड़ा सकते हैं। आप उन्हें चेतावनी दे सकते हैं। आप उनका मार्गदर्शन कर सकते हैं। आप उन्हें प्रोत्साहित कर सकते हैं।

आप मूल्यांकन कर सकते हैं और आप कह सकते हैं कि एक मूर्ख व्यक्ति, एक साधारण व्यक्ति कुछ भी विश्वास करता है। उदाहरण के लिए, यदि मैं अपने भाई, जो कि एक बड़ा विदूषक है, और मेरे भाई और टेरी के साथ मजाक कर रहा होता, तो मैं हास्य के तौर पर और दूसरों पर विचार करने और दूसरों को निर्देश देने के लिए ऐसा कुछ कह सकता था।

अब, यदि कोई कहावत रूपक है तो उसका सामान्य गैर-रूपक अर्थ अवश्य निकालना चाहिए। दूसरे शब्दों में, यदि कहावत बहुत सारी छवियों में रूपक है, तो आपको यह निष्कर्ष निकालना होगा कि यह गैर-रूपक अर्थ है। और मुझे बस एक कहावत की बहु-स्थितिजन्य आभासीता दिखाने दीजिए, जिसे पुनः संदर्भित करने की आवश्यकता है। "गिरे हुए दूध पर मत रोओ।" "गिरे हुए दूध पर मत रोओ।" इसका क्या मतलब है? "गिरे हुए दूध पर मत रोओ।" ठीक है, यदि आपके कभी छोटे बच्चे हुए हैं, तो आप जानते होंगे, "दूध गिरने पर रोना मत।"

ठीक है। तो इसका वास्तव में क्या मतलब है? क्या यह सचमुच दूध की बात हो रही है? सबसे पहले, आप कहते हैं, ठीक है, मैं बाइबल को शाब्दिक रूप से लेता हूँ। यह दूध की बात कर रहा है और रो रहा है। क्या ये सच में दूध गिरने की बात हो रही है? नहीं, यह वास्तव में उस बारे में बात नहीं कर रहा है। ठीक है। वह सिर्फ रूपक है।

आप इसका वास्तविक अर्थ कैसे समझेंगे? खैर, इसका मतलब कुछ इस तरह हो सकता है। किसी को उन चीजों के बारे में चिंता करने में समय बर्बाद नहीं करना चाहिए जिन्हें पूर्ववत या बदला नहीं जा सकता। गिरे हुए दूध पर रोने का कोई मतलब नहीं है। गिरे हुए दूध पर मत रोओ। उन चीजों के बारे में चिंता करने में समय न लगाएं जिन्हें आप नहीं कर सकते जो पहले ही हो चुकी हैं जिन्हें पूर्ववत या बदला नहीं जा सकता है। मत करो, गिरे हुए दूध पर मत रोओ।

अब ऐसा संदर्भ है जिसमें इसे प्रोत्साहित करने वाला कहा जा सकता है। तो, एक फुटबॉल कोच, वे खेल हार गए। और वह अपनी टीम से कहते हैं, गिरे हुए दूध पर मत रोओ। वह अपनी टीम को प्रोत्साहित करने की कोशिश कर रहा है क्योंकि वे अभी-अभी गेम हारे हैं। वे उदास महसूस कर रहे हैं। वह अंदर आता है, गिरे हुए दूध पर मत रोओ। वहाँ अपना समय बर्बाद मत करो। मैं उस खेल के बारे में सोच रहा हूँ जो हम अभी हारे थे। अगले सप्ताह हमारा एक और खेल है। हमें उसके लिए उठना होगा। गिरे हुए दूध पर मत रोओ। इसके साथ पर मिलता है। उठो और आगे बढ़ो। इसलिए कोच अपने खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाने के लिए दूध गिरे पर मत रोओ, इस कहावत का इस्तेमाल करते हैं।

एक मित्र दूसरे मित्र को ताना मार सकता है जो अभी-अभी स्क्रैबल का एक राउंड हार गया है। तो, वे स्क्रैबल खेल रहे हैं। और हमारे परिवार में, ये जो खेल हैं, बहुत सारे जोखिम वाले खेल हैं, मोनोपोली हैं। हमारे पास एकाधिकार के लिए नियमों का अपना सेट है जो लगभग शेयर बाजार की बोली की तरह होता है। और स्क्रैबल, ये परिवार में युद्ध के प्रसंग हैं। ठीक है। और इसलिए, इस परिवार का एक व्यक्ति, हमारा परिवार जो खेलता है, यह वास्तव में प्रतिस्पर्धी हो जाता है। हमारे परिवार और कई वयस्क बच्चे हैं, यह एक तरह की विडंबना है क्योंकि मैं खुद बहुत प्रतिस्पर्धी नहीं हूँ, लेकिन मेरे बच्चे वास्तव में इन खेलों में प्रतिस्पर्धी हैं। और हां, ठीक है। तो, फिर, मेरी पत्नी है जिसने अभी-अभी स्क्रैबल गेम जीता है और वह मुड़ती है और कहती है, गिरे हुए दूध पर मत रोओ। और वह अन्य लोगों की तुलना में ताना मार रही है जैसे वह कह रही है, मैं जीत गई। गिरे हुए दूध पर मत रोओ। और वहाँ एक ताना है। दरअसल, मेरी पत्नी बहुत दयालु है। वह ऐसा नहीं करेगी, लेकिन मेरे कुछ बच्चे ऐसा करेंगे। तो वैसे भी, ताना, आप इसका उपयोग कर सकते हैं, किसी मित्र को ताना देने के लिए गिरे हुए दूध पर रोना मत, जो अभी-अभी हार गया है।

ठीक है। या एक फटकार, एक ऐसे कर्मचारी को बॉस जो निष्क्रिय और अकर्मण्य है। दूसरे शब्दों में, कर्मचारी बस वहीं बैठा है, और बस उदास महसूस कर रहा है और मैंने बस इसे उड़ा दिया और मैंने गलती की और यह सब भयानक है। और बॉस कह रहा है, यार, तुम्हें उठना होगा और यहां जाना होगा। और इसलिए, बॉस कर्मचारी से कहता है, गिरे हुए दूध पर मत रोओ। दूसरे शब्दों में, वापस सगाई कर लो, यार। वहाँ अकर्मण्य और निष्क्रिय मत बैठो। इसके पीछे जाओ। ठीक है। आपने एक गलती कर दी। हाँ। इसे स्वीकार करें और इसके साथ आगे बढ़ें। ठीक है। औचित्य। गिरे हुए दूध पर मत रोओ।

इंसान को चोट लगती है, लेकिन वह उसे झटक देता है और कहता है, गिरे हुए दूध पर मत रोओ। और इसलिए, वह व्यक्ति कहता है, ठीक है, आप अभी हार गए। आप क्या कर रहे हो? और वह आदमी उठ रहा है और वह फिर से सड़क पर जा रहा है। और वह आदमी कहता है, गिरे हुए दूध पर मत रोओ। मैं इसका पीछा कर रहा हूँ। और वह इसका उपयोग औचित्य के लिए करता है।

तो, एक ही कहावत का उपयोग प्रोत्साहित करने, ताना मारने, फटकारने और खुद को सही ठहराने, किसी के व्यवहार को सही ठहराने के लिए किया जा सकता है। और इसलिए क्या आप देखते हैं कि कहावत तब होती है जब यह कहानी में वापस आती है, यह सैकड़ों अलग-अलग कहानियों में सैकड़ों अलग-अलग तरीकों से लागू हो सकती है। एक है प्रोत्साहन. एक की फटकार. एक है औचित्य. एक को प्रोत्साहित किया गया है.

और वह एक तरह से मेरे दिमाग के ऊपर से उतर गया था। इसका उपयोग इससे भी अधिक तरीकों से किया जा सकता है। अब मैंने पहले ही कुछ बार कहा है कि संस्कृति इस बात पर प्रभाव डालती है कि एक कहावत को कैसे समझा जाता है और वास्तव में एक कहावत कैसे उत्पन्न होती है, कहावत की उत्पत्ति।

आइए मैं आपको दिखाता हूँ कि संस्कृति किस प्रकार एक कहावत को समझने पर प्रभाव डालती है। यह बहुत रुचिपूरण है। स्कॉटलैंड में, हमारे पास एक कहावत है जो कहती है, "लुढ़कते पत्थर पर कोई नहीं जमती।"

स्कॉटलैंड में, जब वे कहते हैं कि लुढ़कते पत्थर पर कोई नहीं जमती, तो इसका मतलब यह है कि यह आधुनिक बने रहने और आज जो चल रहा है, उसके साथ बने रहने की आवश्यकता को इंगित करता है, ऐसा न हो कि अवांछित कोई आप पर उग आए और आपकी मानसिक पौरुष की कमी को प्रकट कर दे। दूसरे शब्दों में, कि आप मानसिक रूप से तेज़ हैं। दूसरे शब्दों में, तुमने चेक आउट कर लिया, यार।

आप नहीं जानते कि अपने सेल फ़ोन का उपयोग कैसे करें। आप अपने लैपटॉप का उपयोग करना नहीं जानते। आप नहीं जानते कि एआई या डेटाबेस सामग्री की नई तकनीकों का उपयोग कैसे करें। और इसलिए, आपको कार्यक्रम के साथ जुड़ना होगा। "एक लुढ़कता हुआ पत्थर कोई कोई इकट्ठा नहीं करता है। और कोई खराब है।"

तो, आप रोलिंग स्टोन बनना चाहते हैं। आप रोलिंग स्टोन बनना चाहते हैं क्योंकि यदि आप यूं ही बैठे रहेंगे और कुछ भी नया नहीं सीखेंगे, तो आप पर कोई उग आएगी। आप नहीं चाहेंगे कि वह कोई आपके ऊपर छा जाए। तो, आप स्कॉटलैंड में रोलिंग स्टोन बनना चाहते हैं। लुढ़कता हुआ पत्थर अच्छा है. माँस खराब है.

एकमात्र बात यह है कि यदि आप संस्कृतियों को बदलते हैं और इंग्लैंड में जाते हैं, तो इंग्लैंड में, एक लुढ़कते पत्थर पर कोई नहीं जमती है, इसका मतलब है कि अगर चीजें लगातार प्रवाह में हैं, तो जिस कोई को आप उगाना चाहते हैं, उसमें पनपने के लिए पर्याप्त स्थिरता नहीं होगी। ठीक है, क्या आपको वहां कोई अंतर नज़र आता है? "लुढ़कता हुआ पत्थर लुढ़क रहा है और कोई अच्छी है।" और इसलिए, आप चाहते हैं कि कोई बढ़े। लेकिन अगर आप हमेशा चीजों को बदलते रहेंगे, तो आपके पास इस कोई का उत्पादन करने की क्षमता नहीं होगी, जो वहां एक इमारत के किनारे उगने वाली स्थिरता और सुंदर कोई को दर्शाता है। इससे उसकी उम्र और ताकत का पता चलता है. और इसलिए, स्कॉटलैंड में, कोई खराब है। तो, आप घूमते रहना चाहते हैं। इंग्लैंड में, आप घूमते रहना चाहते हैं। यदि आप नकारात्मक लुढ़कते रहेंगे, यदि आप नकारात्मक लुढ़कते रहेंगे, तो सकारात्मक कोई भी कोई नहीं उगेगी।

इन दिशाओं में दो बिल्कुल अलग-अलग अर्थ जाते हैं। एक स्कॉटलैंड में और एक इंग्लैंड में। यह वही कहावत है, वही सटीक शब्द है।

शब्दों की अपनी व्याख्या करें। ओह, माँस का क्या मतलब है? रोलिंग स्टोन का क्या मतलब है? और आप स्ट्रॉन्ग कॉनकॉर्डेंस या जो भी हो, लोगो या एकाॉर्डेंस में एक शब्द अध्ययन में एक व्याख्या करते हैं। और आप रोलिंग स्टोन की ओर देखते हैं, आप अपना शब्द अध्ययन करते हैं।

प्रश्न, आप इसे भूल गए क्योंकि यह सांस्कृतिक है। यह सांस्कृतिक है और संस्कृति इस बात पर प्रभाव डालती है कि रोलिंग स्टोन अच्छा है या बुरा, यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप

काई चाहते हैं या नहीं। और इसलिए, जब आप काई नहीं चाहते, तो बेहतर होगा कि आप रोल करते रहें। जब आप काई चाहते हैं, तो बेहतर होगा कि आप लुढ़कना बंद कर दें और काई को पनपने का समय दें। इसलिए, संस्कृति इस बात पर प्रभाव डालती है कि आप किसी कहावत की व्याख्या कैसे करते हैं। और इसलिए, जब आप इस प्रकार की चीजों में व्याख्या करते हैं, तो आप केवल शब्द अध्ययन नहीं कर सकते हैं।

आपको संस्कृति को देखना होगा क्योंकि संस्कृति कहावत का अर्थ पूरी तरह से बदल देती है। संस्कृति इस बात पर प्रभाव डालती है कि कहावतों की व्याख्या कैसे की जाती है। अक्सर, वे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसारित होते हैं।

अहिकर ने असीरिया लिखा, जो 700 ईसा पूर्व या उसके आसपास असीरिया में लिखा गया था। अहिकर को टोबिट की यहूदी पुस्तक में उद्धृत किया गया है। तो यहाँ आपको अहिकर मिल गया है। हमने कहा कि यह वास्तव में बाद में अरबी में चला जाता है, लेकिन टोबिट की यहूदी पुस्तक में इसका हवाला दिया गया है। और इसलिए हमें नीतिवचन अध्याय 22 में मिस्र से निकले अमेनेमोप के साथ भी यही बात मिलती है। और नीतिवचन अध्याय 22 की पुस्तक में इसकी प्रतिध्वनि या उल्लेख किया गया है।

वैसे, 1 किंग्स 4:30 में 1 किंग्स, ऐतिहासिक खंड सुलैमान द्वारा मंदिर बनाने, डेविड और उसके बच्चे रूहबियाम के लिए कब्जा करने और वहाँ भारी समस्याओं के कारण उसे होने वाली समस्याओं के बारे में बात करता है। परन्तु 1 राजा 4:30 में ऐसा कहा गया है, कि सुलैमान की बुद्धि पूर्व के लोगोंकी सारी बुद्धि और मिस्र की सारी बुद्धि से बढ़कर थी। अब ध्यान दें कि यह कैसे सुलैमान की बुद्धि की तुलना पूर्व के लोगों की बुद्धि से करता है।

यह नहीं कहा जा रहा है, अरे नहीं, पूर्व के सभी लोग मूर्तिपूजक हैं, और उनकी बुद्धि पूरी तरह से नष्ट हो गई है। नहीं, यह ऐसा नहीं कह रहा है। यह कह रहा है कि पूर्व के लोगों के पास बुद्धि है।

सुलैमान पूर्व के ज्ञान, जो कि मेसोपोटामिया, मेसोपोटामिया का ज्ञान होगा, से आगे निकल जाता है, लेकिन वह उससे भी आगे निकल जाता है। इसमें स्पष्ट रूप से मिस्र की बुद्धिमत्ता, मिस्र की बुद्धि का उल्लेख है। वैसे, सुलैमान को याद रखें, जो उसकी पहली प्रमुख पत्नियों में से एक थी, जिससे उसने विवाह किया था, वह मिस्र की एक राजकुमारी थी, जो फिरौन की बेटी थी।

सुलैमान ने उससे विवाह किया। क्या आपको लगता है कि उसे मिस्र की विद्या में प्रशिक्षित किया गया था? और फिर सुलैमान से बात करने के लिए आता है। अतः कहावतें अंतरराष्ट्रीय हैं।

यहां तक कि 1 राजा 4:30 में मेसोपोटामिया और मिस्र के बीच अंतरराष्ट्रीय संबंध को दर्शाया गया है और बताया गया है कि कैसे सुलैमान की बुद्धि उनसे अधिक महान है। और उस ने बुद्धि देनेवाली 3000 नीतिवचन कहे। हमें केवल 300 और उनमें से कुछ मिले हैं। इसलिए बाइबल भी इसे स्वीकार करती है।

अब यह प्रयोग, लौकिक प्रयोग, मैं तात्कालिकता कहना चाहता था जहां एक कहावत को एक संग्रह से लिया जाता है और वापस एक स्थिति में रखा जाता है। हम वास्तव में उस तात्कालिकता को कहते हैं या इसे एक नए संदर्भ में पुनर्संदर्भित किया जाता है।

प्राधिकार को एक लेखक से व्यापक समुदाय में स्थानांतरित कर दिया गया है। तो, "जल्दबाजी बर्बादी लाती है" या "एक बुद्धिमान पुत्र पिता के लिए खुशी लाता है" यह एक व्यक्ति द्वारा बनाया गया है। फिर यह समुदाय तक जाता है और समुदाय इसे पीढ़ियों और संस्कृतियों के बीच दोहराता है।

और इसमें स्थायी चिपचिपाहट होती है जिससे यह चिपक जाता है। एक ही कहावत का प्रयोग दो अलग-अलग सन्दर्भों में किया जाता है। यह पहले शमूएल अध्याय 10, श्लोक 11 और निम्नलिखित में दिलचस्प है।

शाऊल, राजा शाऊल, याद रखें राजा शाऊल को राजा बनाया जाने वाला है। वह पहले शमूएल 10:11 में अभिषिक्त राजा बनने जा रहा है। और यह कहता है, आत्मा राजा शाऊल पर दौड़ती है और अविश्वसनीय रूप से पूछती है, फिर शाऊल एक भविष्यवक्ता की तरह व्यवहार करना शुरू कर देता है जैसे कि वह पागल हो। वह भविष्यवाणी करने लगता है। और इसलिए, उसे राजा बनाया जाएगा। और इस प्रकार, आत्मा राजा पर आ जाती है।

उसका तेल से अभिषेक किया जाता है और वह राजा बन जाता है। और जैसे ही वह राजा बनता है, वह ये भविष्यसूचक बातें करता है। और यह कहता है, "क्या शाऊल भविष्यद्वक्ताओं में से है?" लोग अविश्वसनीय हैं।

और वे कहते हैं, वाह, यह शाऊल है और उसे राजा बनाया जा रहा है, लेकिन वह भविष्यवक्ता की तरह व्यवहार कर रहा है। क्या शाऊल भविष्यद्वक्ताओं में से है? और लोग अविश्वसनीय हैं। वे कहते हैं कि भविष्यद्वक्ताओं में शाऊल है।

जब आप 1 शमूएल 19:24 पर जाते हैं तो यह बहुत दिलचस्प है। मैं ! शमूएल 19:24, शाऊल रामा तक दाऊद का जानलेवा पीछा कर रहा है। और फिर उसने भी अपने कपड़े उतार दिए।

और वह भी शमूएल के साम्हने भविष्यद्वक्ताणी करता रहा, और उस सारी रात नंगा पड़ा रहा। और इस प्रकार, यह कहा जाता है, "क्या शाऊल भविष्यद्वक्ताओं में से है?" आत्मा शाऊल पर आ रही है और वह नग्न होकर फर्श पर लेटा हुआ है और मूल रूप से आत्मा शाऊल को डेविड, किंग डेविड का पीछा करने से रोकती है, डेविड को मारने की कोशिश कर रही है क्योंकि डेविड अगला राजा बनने जा रहा है या कुछ भी। और इसलिए, आत्मा उसे रोकती है और वह वैसे ही नीचे चला जाता है।

और वे कहते हैं, क्या शाऊल भविष्यद्वक्ताओं में से है? यह शाऊल की डांट है। आत्मा वास्तव में शाऊल को डांटती है, लेकिन वही कहावत उद्धृत की गई है। एक बार यह उद्धृत किया गया कि लोग अविश्वासी हैं, क्या शाऊल भविष्यद्वक्ताओं में से है? वह राजा बनने जा रहा है।

क्या वह भी नबियों में से है? लोग अविश्वसनीय हैं। और दूसरा, आत्मा उसे रोकता है, क्या शाऊल भविष्यद्वक्ताओं में से है? इसका मतलब है कि उसे बस डांट ही मिली। वह नग्न अवस्था में फर्श पर पड़ा है।

और वैसे भी, और इसलिए वह डेविड का पीछा नहीं कर सकता और उसे मार नहीं सकता। तो एक ही कहावत दो स्थितियों में चरितार्थ हो गई। एक ही कहावत दो स्थितियों में दो अलग-अलग अर्थों के साथ सामने आती है और फिर यह वहां कैसे काम करती है।

अतः यह कहावत का बहु-स्वभाव है। कहावत का प्रयोग यहां जारी रहा। कहावतें भी सशक्त रूप से कार्य करती हैं।

एक कहावत का उपयोग सूचना संप्रेषित करने के बजाय सामाजिक या भावनात्मक उद्देश्यों के लिए किया जा रहा है। इसलिए, कहावत अक्सर समुदाय के भीतर एकजुटता को मजबूत करने के लिए, सामाजिक संबंधों को स्थापित करने और बनाए रखने या पुनर्स्थापित करने के लिए भावनाओं को जागृत करती है। अलग-अलग लोगों के लिए अलग-अलग स्ट्रोक।

और वह मेरी पीढ़ी में था, वह एक प्रकार की कहावत थी। आज, उन्होंने इसे एक शब्द में समेट दिया है। यह जो कुछ भी है।"

लेकिन मेरे समय में यह "अलग-अलग लोगों के लिए अलग-अलग स्ट्रोक" था। कम से कम इसमें थोड़ा लौकिक स्वाद तो था। और फिर इसे उस वर्ष की संस्कृति द्वारा अपनाया गया जिसमें मैं बड़ा हुआ, "अलग-अलग लोगों के लिए अलग-अलग स्ट्रोक।"

और इसलिए, समुदाय इसे अपना लेता है और फिर इसे खत्म कर दिया जाता है। नीतिवचन 1:17, "जाल फैलाना और सभी पक्षियों को पूरा देखना कितना बेकार है" नीतिवचन 1 में एक अंतिम तर्क है। यह मैडम विजडम द्वारा अपने बेटे को चेतावनी देने की कहानी के माध्यम से सामने आता है। और वह नीचे आता है और कहता है, हे मेरे बेटे, इन पक्षियों में से एक की तरह मत बनो। जाल फैलाना और सभी पक्षियों का पूरा दृश्य देखना कितना बेकार है। दूसरे शब्दों में, मैं तुमसे यह कह रहा हूँ, एक पक्षी की तरह जागो। वह आदमी जाल लेकर आ रहा है। उसे जाल दिखता है और पक्षी उड़ जाता है। इसलिए, जब ये लोग आपको हिंसा या जो भी घृणित काम, दुष्ट काम करने के लिए बहकाने आते हैं, और आप देखते हैं कि जाल आपके लिए आ रहा है, तो वहां से भाग जाएं।

जाल फैलाना कितना बेकार है। ताकि इस पक्षी रूपक और कहावत का प्रयोग युवा व्यक्ति को वहां से बाहर निकलने की चेतावनी देने के लिए किया जा सके। और इसलिए, कहावत आसानी से पहचानी जा सकती है।

निर्दोष लोगों का खून बहाने वाले गुंडों के शाब्दिक वर्णन से हटकर एक पक्षी और जाल की छवि वाले लौकिक रूपक की ओर बदलाव आ गया है। तो, जैसे ही नीचे आता है, एक पक्षी और एक जाल, कहावत, ये सभी गुंडे युवक को अपने समूह, अपने गिरोह में शामिल होने और शामिल

होने के लिए बहकाने की कोशिश कर रहे हैं। तो फिर कृपया हमारे गिरोह में शामिल हों और आपको मिलने वाले सभी पैसे और सामान देखें।

और लौकिक ऋषि पिता कह रहे हैं, नहीं, ऐसा मत करो, यार। यह उस पक्षी के समान है जिसके पास जाल है। वे तुम्हारे लिए आ रहे हैं, यार।

वे तुम्हें फँसाने वाले हैं। एक और जगह जो कहती है कि यह एक तीर की तरह है जो आपके दिल को भेदने के लिए तैयार है। दूसरे शब्दों में, आप उस हिरण की तरह हैं जो तीर के उसके हृदय को भेदने की प्रतीक्षा कर रहा है। वहां से बाहर निकलो। उन्हें शॉट न लेने दें। कदम।

चले जाओ। यहाँ एक कहावत है जिसका प्रयोग किसी बहस को खत्म करने के लिए किया जाता है। तो, नीतिवचन के अध्याय एक में, यह एक निर्देशात्मक कहावत है।

यह पिता की ओर से पुत्र के लिए एक व्याख्यान है, लेकिन पिता अपना तर्क कैसे बंद करता है? इस कहावत के साथ वह अपना तर्क समाप्त करते हैं। उसके पास एक निर्देश है, एक व्याख्यान है, वह अपने बेटे को दे रहा है। वह इस कहावत के साथ उस व्याख्यान को समाप्त करते हैं।

पक्षी की तरह मत बनो. नेट आ रहा है. पक्षी उड़ने के लिए काफी चतुर है।

तुम्हें वैसा ही होना चाहिए. और इसलिए, अफ्रीकी कहावतों में यह बहुत दिलचस्प है। अनुमान लगाएं कि वे क्या उपयोग करते हैं? वे किसी कानूनी मामले में बहस समाप्त करने के लिए कहावतों का उपयोग करते हैं।

इसलिए कई बार आदमी कानूनी सेटिंग में अपने मामले पर बहस करेगा और वह बंद कर देगा। और वह तर्क को कैसे पूरा करता है? वह एक कहावत का प्रयोग करते हैं. क्यों? क्योंकि हर कोई इस बात से सहमत है कि जल्दबाजी बर्बादी लाती है।

इसलिए, यदि आप एक कहावत उद्धृत कर सकते हैं, तो उस समुदाय में हर कोई उस पर सहमत होगा। और यदि आप अंत में कहावत का हवाला दे सकते हैं, तो आपने अपना मामला जीत लिया है क्योंकि इसे सभी ने स्वीकार कर लिया है और इसका अधिकार है। इसमें ताकत और सामान है.

तो, कानूनी संदर्भ में, बहुत दिलचस्प है। अफ्रीकी कहावतें इसी तरह काम करती हैं। यह बिल्कुल वैसा ही है जैसा नीतिवचन 1.17 में ऋषि अपने तर्कों को समाप्त करने के लिए उपयोग कर रहे हैं।

अब, एक संग्रह में नीतिवचन जो बहुसंयोजक हैं, जैसा कि हमने देखा, और गैर-संदर्भित। उन्हें उनके संदर्भ से बाहर निकाला गया है, और इस आभासी संग्रह में रखा गया है ताकि उनका उपयोग सैकड़ों विभिन्न सेटिंग्स में किया जा सके। पाठ पर शैली के प्रभाव को समझना होगा।

आपको उस शैली को समझना होगा जिसके साथ आप काम कर रहे हैं। एलिय्याह बाहर जाता है और याद करता है कि एलिय्याह कार्मेल पर्वत की चोटी पर था और बाल के भविष्यवक्ता, बाल के ये 400 या उससे अधिक भविष्यवक्ता वहाँ आते हैं और वह कहते हैं, ठीक है, भगवान जो आगे से उत्तर देता है, वही असली भगवान है। इसलिए, बाल के भविष्यवक्ताओं ने इस वेदी के चारों ओर नृत्य करना शुरू कर दिया, यह आशा करते हुए कि बाल, जो बिजली का बोल्ट लगाने वाला भगवान था, यहोवा या यहोवा के साथ समस्या थी। वह वास्तव में किसी भी चीज़ में विशेषज्ञ नहीं था। बाल एक बिजली का बोल्ट था। वह बादलों पर सवार हुआ। और इसलिये वह वर्षा, ओले, और बिजली चमकाता है। और इसलिए उन्होंने उसमें विशेषज्ञता हासिल की।

लेकिन यहोवा, वह ऐसा नहीं करता। वह एक तरह से सब कुछ करता है। और इसलिए, एलिय्याह बाल के इन भविष्यवक्ताओं के पास आता है और कहता है, हे मनुष्य, जोर से चिल्ला। वे चारों ओर नाच रहे हैं, खुद को काट रहे हैं और खुद को काटने जैसी चीज़ें कर रहे हैं। और यह आधुनिक संस्कृति में परिचित लगता है। लेकिन फिर भी, और खुद को काट रहे हैं। और वह कहता है, जोर से चिल्लाओ। “निश्चय ही वह परमेश्वर है।” अब क्या एलिय्याह कह रहा है कि बाल सचमुच परमेश्वर है? नहीं, इसे व्यंग्य कहते हैं। और यदि आप व्यंग्य को नहीं समझते हैं, तो व्यंग्य का अर्थ उसके द्वारा अभी कही गई बात के बिल्कुल विपरीत हो जाता है।

यदि आप चूक गए तो आप सोचेंगे कि क्या एलिय्याह बाल उपासक था? एली-याह, एलिय्याह। एल मेरा यहोवा है, यहोवा मेरा परमेश्वर है, यहाँ तक कि उसके नाम पर भी। और इसलिए, वह भविष्यवक्ता के पास आता है, ये अन्य भविष्यवक्ता, वह चिल्लाता है, जोर से चिल्लाता है।

शायद वह सो रहा है या शायद वह बर्तन पर है। बेचारा बाल वहाँ ऊपर बर्तन पर है। वह बिजली का बोल्ट नहीं चमका सकता।

और एलिय्याह वहाँ जो कर रहा है, वह इन लोगों का मज़ाक उड़ा रहा है। यह व्यंग्य है। आप इसे शाब्दिक रूप से नहीं ले सकते।

और इसलिए, आपको उस शैली को समझना होगा जिसके साथ आप काम कर रहे हैं। और जब आप कथावतों के साथ काम कर रहे हैं, तो आपको यह समझना होगा कि नीतिवचन की किताब में उन संग्रहों से नीतिवचन कैसे वास्तविक स्थितियों और चीज़ों में वापस आ गए।

नीतिवचनों को सार्वभौमिक प्रस्तावात्मक सत्य में हठधर्मिता या पूर्ण रूप से स्थापित करने के लिए नहीं बनाया गया है। मैं कहता हूँ, ठीक है, बाइबिल सत्य है। मुझे इसे दोबारा पढ़ने दीजिए। नीतिवचनों को सार्वभौमिक प्रस्तावात्मक सत्य में हठधर्मिता या पूर्ण रूप से स्थापित करने के लिए नहीं बनाया गया है।

यही वह गलती है जो अय्यूब के दोस्तों ने की। एक कथावत लें और इसे सभी स्थितियों में सार्वभौमिक बनाएं। नहीं, एक कथावत सभी स्थितियों में लागू नहीं होती।

इसे कैसे समझें, यह जानने के लिए आपको बुद्धिमान होना होगा। अन्यथा, आप एक मूर्ख हैं जो एक कथावत को कंटीली झाड़ी की तरह प्रचारित कर रहा है और आप लोगों को चोट पहुँचाने जा

रहे हैं। नीतिवचन की पुस्तक भी, नीतिवचन 26:4 और 5 जिसके बारे में हमने अभी पिछले व्याख्यान में बात की थी, मूर्ख को उसकी मूर्खता के अनुसार उत्तर न देना, ऐसा न हो कि वह अपनी दृष्टि में बुद्धिमान ठहरे।

ठीक है। मूर्ख को उसकी मूर्खता के अनुसार उत्तर न दो, ऐसा न हो कि तुम भी उसके समान बन जाओ। मूर्ख को उसकी मूर्खता के अनुसार उत्तर न दो, ऐसा न हो कि तुम भी उसके समान बन जाओ।

तो, तुम्हें मूर्ख को जवाब नहीं देना चाहिए, है ना? अगली कहावत क्या कहती है? मूर्ख को उसकी मूर्खता के अनुसार उत्तर दो, ऐसा न हो कि वह अपनी दृष्टि में बुद्धिमान ठहरे। तो वे दो कहावतें, बूम, वे लगभग उद्धरण की तरह, एक दूसरे का खंडन करती हैं। और यह जो कह रहा है वह यह है कि आप किसी कहावत को निरपेक्ष नहीं बना सकते, आप उसे सार्वभौमिक नहीं बना सकते।

एक कहता है कि मूर्ख को उसकी मूर्खता के अनुसार उत्तर दो। एक कहता है मूर्ख को उत्तर मत दो। आप उसे सार्वभौमिक नहीं बना सकते।

आप उस पर हठधर्मिता नहीं कर सकते। इसलिए, आपको कहावतों से बहुत सावधान रहना होगा। किसी कहावत के अधिकार को कैसे समझा जाए? किसी कहावत के अधिकार को कैसे समझा जाए? और यही वह प्रश्न है जिसका हम अभी समाधान कर रहे हैं।

एक कहावत का अधिकार क्या है? नीतिवचन 10.4 यह कहता है, गरीबी आलसी हाथ से आती है। आलसी हाथ से दरिद्रता उत्पन्न होती है, परन्तु परिश्रमी हाथ से धन उत्पन्न होता है। मेहनती हाथ धन बनाता है।

क्या यह परमेश्वर का वादा है? आलसी हाथ से दरिद्रता उत्पन्न होती है, परन्तु परिश्रमी हाथ से धन उत्पन्न होता है। मैं एक मेहनती हाथ रखूंगा और भगवान ने मुझसे धन का वादा किया है। आप अमीर बनने के लिए कड़ी मेहनत करते हैं।

तो, यह कहावत क्या कहती है, क्या आप प्रतिउदाहरणों के बारे में सोच सकते हैं? क्या आप ऐसे लोगों के बारे में सोच सकते हैं जो कड़ी मेहनत करते हैं लेकिन अमीर नहीं बन पाते? मैं आपको अभी कुछ के नाम दे सकता हूँ। मैं जितनी मेहनत करता हूँ उससे कहीं ज्यादा मेहनत कर रहा हूँ और वे अमीर नहीं बन रहे हैं। और मैं अन्य लोगों को भी जानता हूँ जो बहुत आलसी हैं।

वे आलसी लोग हैं और फिर भी विलासिता की गोद में बैठे हैं। आलसी लोग होते हुए भी वे अन्य तरीकों से आर्थिक रूप से समृद्ध हो रहे हैं। तो, यह कहावत स्पष्ट रूप से कोई वादा नहीं है।

और इसलिए, आपको उसे अलग करना होगा। नीतिवचन की पुस्तक इंगित करती है कि कड़ी मेहनत करने से लाभ होता है, बुरे साथी या लालच वास्तव में व्यक्ति के प्रयासों को नष्ट कर सकते हैं। तो, एक व्यक्ति कड़ी मेहनत कर सकता है और कुछ बना सकता है, लेकिन एक दुष्ट व्यक्ति आ सकता है और जिस चीज़ के लिए उसने मेहनत की है उसे कुछ ही सेकंड में उसके आधे जीवन के लिए नष्ट कर सकता है।

और इसलिए, कहावतें हैं, मुझे बस यह बताने दीजिए, एक कहावत भौतिकी में एक वेक्टर की तरह होती है। एक वेक्टर कहता है, ठीक है, कहावत बिल्कुल वैसी ही है जैसे एक छोटा वेक्टर कहता है, ठीक है, कड़ी मेहनत करो, अमीर बनो। अब प्रश्न करें, यह सरल है।

क्या जीवन उससे भी अधिक जटिल है? हां यह है। लेकिन वह एक वेक्टर, कड़ी मेहनत करो, अमीर बनो, यह सीखने का एक महत्वपूर्ण मूल्य है। और यह एक महत्वपूर्ण वेक्टर है।

अब, क्या यह संपूर्ण जीवन का वर्णन करता है? नहीं, यह जीवन के इस एक घटक का वर्णन करता है। हो सकता है कि कोई दुष्ट व्यक्ति आये और आपका सारा धन नष्ट कर दे। और इसलिए दुष्ट व्यक्ति हिंसा करते हैं और सामान को नष्ट कर देते हैं।

और इसलिए, एक और वेक्टर है जो इसे इस तरह नीचे भेजता है। और इस जैसा एक और वेक्टर है। और इसलिए, मैं जो कह रहा हूँ वह यह सुझाव दे रहा है कि आप नीतिवचन की पूरी किताब सीखें, क्योंकि कई कहावतें कार्य करेंगी और लागू की जाएंगी या वास्तविकता बन जाएंगी या एक विशेष स्थिति में पुनः संदर्भित हो जाएंगी।

तो, एक स्थिति में कई लौकिक बातें एक साथ आ सकती हैं। तो, कहावत कोई वादा नहीं है। एक कहावत का मतलब सार्वभौमिक प्रस्तावात्मक सत्य में हठधर्मिता या पूर्णता स्थापित करना नहीं है।

“बच्चे को उसी राह की तालीम दो जिस राह पर उसे चलना चाहिए, जब वह बूढ़ा हो जाएगा तो उससे पीछे नहीं हटेगा।” क्या वह गारंटी परमेश्वर का वादा है? नीतिवचन 22:6. “बच्चे को उसी राह की तालीम दो जिस राह पर उसे चलना चाहिए, जब वह बूढ़ा हो जाएगा तो उससे कभी पीछे नहीं हटेगा।” प्रश्न, क्या आप ऐसे माता-पिता को जानते हैं जिन्होंने अपने बच्चों को उस तरीके से प्रशिक्षित किया है जैसा उन्हें करना चाहिए? और बच्चे कहते हैं, मैं यहां से बाहर हूँ, 18 साल का हूँ, या अब वे 30 साल के हैं और मैं यहां से बाहर हूँ। और वे भाग जाते हैं और वे हर उस चीज़ को अस्वीकार कर देते हैं जो उनके माता-पिता ने उन्हें कभी सिखाया था। मैं ऐसी स्थितियों को जानता हूँ। तो आपके पास है।

मैं ऐसे लोगों को भी जानता हूँ जो अपमानजनक घरों से आए हैं जहां बहुत अधिक दुर्व्यवहार, यौन तस्करी और अन्य चीज़ें हैं जहां व्यक्ति ने इसे बदल दिया है और इसे अच्छे में बदल दिया है। माता-पिता ने उन्हें बुराई में प्रशिक्षित किया, लेकिन व्यक्ति ने चुनाव किया और सब बदल दिया। तो, कहावत है, “एक बच्चे को उसी रास्ते पर प्रशिक्षित करें, जब वह बूढ़ा हो जाए और उससे अलग न हो।”

जब मैं छोटा था, मैं एक पिता था और इसने मुझे दिन के उजाले से डरा दिया। एक पिता होने के नाते मुझे दिन के उजाले से डर लगता था। यह एक कारण है कि मैंने नीतिवचन की पुस्तक का अध्ययन किया। मैं एक अच्छा पिता बनना चाहता था। मैं इसे पूरी तरह से नहीं कर सका, लेकिन फिर भी, मैंने नीतिवचन की किताब का अध्ययन किया कि एक अच्छा पिता होने का क्या मतलब है।

और हाई स्कूल में, जैसे-जैसे बच्चे हाई स्कूल के माध्यम से बड़े होते हैं, किशोरावस्था में एक प्रकार का अलगाव होता है। अब हाई स्कूल में, आप जानते हैं, आप सातवीं, आठवीं, नौवीं कक्षा, 10वीं कक्षा में पहुँचते हैं, और फिर बच्चे, वे अपने पंख फैलाते हैं। और कभी-कभी यह अच्छा होता है, कभी-कभी यह बुरा होता है।

और एक पिता के रूप में मैं सचमुच बहुत टूट गया था कि मुझे यह महसूस करना पड़ा कि मैं असफल था। मैंने सचमुच इसे उड़ा दिया। मैंने सचमुच इसे उड़ा दिया। और इससे सचमुच बहुत बुरा दुख हुआ। और मैंने नीतिवचन, नीतिवचन की पुस्तक को देखा, और मैं एक अच्छा पिता कैसे बनूँ, यह सब अध्ययन कर रहा था। मेरे पास पिता बनने के तरीके पर शैक्षिक पुस्तकों से भरी तीन शेल्फें थीं। वैसे, हमारी संस्कृति में पितृत्व वास्तव में नष्ट हो गया है।

आपके पास सरकार और पिता के बीच बुनियादी टकराव था और सरकार ने मूल रूप से पितृत्व और हमारी संस्कृति को नष्ट कर दिया, खासकर काले समुदायों और अन्य समुदायों में। यह वास्तव में नष्ट हो गया है, पिता बनने की पूरी अवधारणा। और इसलिए, मैंने उसका अध्ययन किया, और फिर मुझे एक पिता के रूप में अपनी विफलता का एहसास हुआ। और फिर एक बच्चे को उस रास्ते पर प्रशिक्षित करें जब वह इतना बड़ा हो जाए कि वह इससे अलग हो जाए।

तो, फिर मैंने उस पर ध्यान दिया और मैं कहता हूँ, ठीक है, मैंने वास्तव में यहां गड़बड़ की होगी क्योंकि, और इसलिए, और फिर मैं यशायाह 1:2 पर गया, जहां भगवान कहते हैं, पूर्ण पिता, भगवान कहते हैं, मैं तुम्हारा था पिता। मैंने तुम्हें संसार की सर्वोत्तम आज्ञाएँ दीं और तुमने मुझसे विद्रोह किया। भगवान, आदर्श पिता के विद्रोही बच्चे थे। परमेश्वर, आदर्श पिता के बच्चे, इस्राएली, उसके विरुद्ध बार-बार विद्रोह करते थे। यदि आप इस पर विश्वास नहीं करते हैं, तो संख्याओं की पुस्तक को बार-बार पढ़ें।

यदि आप इस पर विश्वास नहीं करते हैं, तो निर्गमन में जाएं और अध्याय 20 और उसके बाद, वास्तव में अध्याय 15 और उसके बाद जाएं, और देखें कि भगवान ने उन्हें ये सभी चमत्कार और ये सभी चीजें दीं और उन्होंने बार-बार उसके खिलाफ विद्रोह किया। और आखिरकार भगवान के बच्चे वही करते हैं जो उनके अपने बेटे, उनके अपने बेटे के साथ होता है। वह इन सभी दूतों, मेरे सेवकों, भविष्यवक्ताओं को भेजता है, वे जाते हैं और लोगों को चेतावनी देते हैं, भगवान की ओर लौट आओ। और फिर अंत में वह कहता है, मैं अपने बेटे को भेजूंगा। वे बेटे के साथ क्या करते हैं? उन्होंने बेटे को पकड़ लिया और मार डाला। ठीक है।

" एक बच्चे को उसी तरह प्रशिक्षित करें जिस तरह से उसे करना चाहिए, जब वह बूढ़ा हो जाए और उससे दूर न जाए," भगवान एक आदर्श पिता थे। उसने अपने बच्चों को प्रशिक्षित किया, उन्हें अपना कानून दिया, उन्हें अपना वचन दिया, और उन्हें अपना पुत्र दिया। और उन्होंने उसके खिलाफ विद्रोह किया और वास्तव में उसके बेटे को मार डाला। तो, इसलिए, कहावतें वादे नहीं हैं। और आपको इसका एहसास होना चाहिए।

एक कहावत आपको वास्तविकता पर एक वेक्टर देती है। ऐसे कई वेक्टर हैं जो स्थितियों में लागू होते हैं। और इस प्रकार, आप पाते हैं कि जीवन एक कहावत और चीज़ों से कहीं अधिक जटिल है।

तो, यह जटिल वास्तविकता से निपट रहा है।

अब, लौकिक अधिकार का अधिकार, मैंने इसे पाँच श्रेणियों में विभाजित किया है। अब ये कुछ हद तक मनमाने हैं। मैंने इन्हें बनाया है। मुझे माफ़ करें। नीतिवचन की किताब पढ़ते समय मैंने इन्हें बनाया और इसे पचाने की कोशिश की। नीतिवचन आपके लिए अधिकार के कुछ स्तरों के साथ आते हैं। और इसलिए, मैंने देखा कि वहाँ लगभग पाँच थे।

अब मैं यह नहीं कह रहा हूँ कि निश्चित रूप से सही संख्या सात होगी, लेकिन मैं चूक गया। मेरे पास पांच हैं। और अन्य लोग, स्टीनमैन, मुझे लगता है, अपनी उत्कृष्ट टिप्पणी में, इसे दूसरे तरीके से या किसी भी तरह से विभाजित कर सकते हैं। लेकिन ये वे बातें हैं जो नीतिवचन की पुस्तक पर विचार करते समय मेरे दिमाग में आईं।

पहली श्रेणी, ये अधिकार के स्तर हैं। क्या सभी नीतिवचन अत्यधिक अधिकार के साथ आते हैं? तुम्हें ये करना ही होगा। नहीं, तो मैं बस एक उदाहरण देता हूँ।

नंबर एक, एक सार्वभौमिक जनादेश। मैं इसे प्लस-प्लस, एक सार्वभौमिक जनादेश कहना चाहता हूँ। यह सदैव सत्य है। ऐसा आपको हमेशा करना चाहिए।

नीतिवचन 3:5, आप में से बहुत से लोग इस श्लोक को जानते होंगे, "तू अपनी समझ का सहारा न लेना, वरन सम्पूर्ण मन से यहोवा पर भरोसा रखना।" यह कब सच है? "अपने सम्पूर्ण हृदय से प्रभु पर भरोसा रखो और अपनी समझ का सहारा न लो। अपने सभी तरीकों से, उसे स्वीकार करें और वह आपके पथों का निर्देशन करेगा।

यह एक सार्वभौमिक जनादेश है। आप कहते हैं, हिल्डेब्रांड, आपने ही हमसे कहा था कि इनका सार्वभौमिकरण न करें। नहीं, यह एक सार्वभौमिक आदेश है। "अपने सम्पूर्ण हृदय से प्रभु पर भरोसा रखो। अपनी समझ पर निर्भर मत रहो।" हमेशा ऐसा करो। यह एक सार्वभौमिक जनादेश है, प्लस-प्लस। सार्वभौमिक जनादेश, यह नंबर एक है। इसमें बहुत मजबूत सार्वभौमिकता है।

अब, मुझे इसे एक स्तर नीचे ले जाने दीजिए। यह नंबर दो है, एक आदर्श पुष्टिकारी उपदेश। नीतिवचन अध्याय 10:4, "सुस्त हाथ गरीबी का कारण बनता है।" "एक मेहनती हाथ अमीर बनाता है।" यह आम तौर पर सच है। "आलसी हाथ गरीब बनाता है, मेहनती हाथ अमीर बनाता है।" यह आम तौर पर सच है। यह हमेशा सच नहीं होता। यह आम तौर पर सच है। तो, यह हमेशा सच नहीं होता। इसके प्रति उदाहरण हैं।

इसलिए, मैं यह कहना चाहता हूँ कि यह एक आदर्श पुष्टिकारक उपदेश है। दूसरे शब्दों में, वह हमें यह बताने की कोशिश कर रहा है कि मेहनती बनो। आलसी मत बनो। तुम आलसी बनो, तुम गरीब हो जाओगे। तुम मेहनती बनो, तुम अमीर बनोगे। अब मान लिया गया है, जीवन में अन्य

कारक भी हैं, लेकिन वह उस एक वेक्टर का सामान्य वेक्टर है। तो इसके लिए जाओ। यह एक आदर्श पुष्टिकारक उपदेश है। वह नंबर दो है।

नंबर तीन, मुझे पुराना गाना उद्धृत करना पसंद है। यह एक कहावत है "बस ऐसा ही है।" यह एक सरल, गैर-नैतिक अवलोकन है। दूसरे शब्दों में, ऋषि स्थिति को देख रहे हैं। वह एक गैर-नैतिक, सरल, गैर-नैतिक अवलोकन कर रहा है। यह जीवन का अवलोकन है। जैसा भी यह है। यह सही नहीं हो सकता। यह गलत हो सकता है। जैसा भी यह है। यह आपको नहीं बता रहा है, आपको यह करने की आवश्यकता है। यह सिर्फ कह रहा है, यह ऐसा ही है।

बेहतर होगा कि आप उसे अपने दिमाग में क्लिक करें। जब आप इसे देखते हैं तो आप इसे पहचान लेते हैं, लेकिन यह वैसा ही है। यह एक सरल, गैर-नैतिक अवलोकन है।

नीतिवचन 14:10. नीतिवचन 14.10, "हृदय अपनी कड़वाहट जानता है, और कोई पराया मनुष्य उसका आनन्द नहीं बाँटता।" "हृदय अपनी कड़वाहट जानता है और कोई भी अजनबी उसकी खुशी साझा नहीं करता है।"

वह यह नहीं कह रहा है, यह करो। वह कह रहा है, ऐसा ही है। एक दिल अपनी कड़वाहट खुद जानता है। प्रत्येक हृदय अपनी कड़वाहट जानता है और कोई भी अजनबी उसकी खुशी साझा नहीं करता।

एक और कहावत जो इसमें होगी, ठीक वैसे ही, जैसे कि, "अमीर के कई दोस्त होते हैं, लेकिन गरीब आदमी को कोई दोस्त नहीं मिल पाता।" "अमीरों के कई दोस्त होते हैं।" (नीतिवचन 14:20) अब, क्या वह कह रहा है, अच्छा, यह अच्छी बात है? नहीं, वह कोई अच्छी बात या बुरी बात नहीं कह रहा है। वह कह रहा है, यह तो ऐसा ही है, यार। यह ऐसा ही है।

तो, कुछ कहावतें आपको साधिकार नहीं कहतीं कि ऐसा करो या ऐसा मत करो। वे कह रहे हैं, यह तो बस ऐसा ही है। तो वह नंबर तीन है। जैसा भी यह है। तो आपके पास एक है जो कहता है, हर समय ऐसा करो। पूरे दिल से प्रभु पर भरोसा रखें। आपके पास एक और आदर्श है जो पुष्टि करता है, कड़ी मेहनत करो, अमीर बनो, आलसी बनो, गरीब बनो। और फिर आपको वैसा ही मिल गया जैसा वह है। प्रत्येक हृदय अपनी कड़वाहट जानता है और कोई अन्य उसकी खुशी साझा नहीं कर सकता।

फिर नकारात्मक पक्ष पर, नंबर चार, आपके पास एक आदर्श अपुष्टि चेतावनी है। एक आदर्श अपुष्टि चेतावनी। "जो निन्दा करता है वह भेद प्रगट करता है।" यह आम तौर पर सच है। "जो निन्दा करता है वह भेद प्रगट करता है।" आप अपने रहस्य नहीं चाहते। आप किसी निंदक से बात करें, वे आपके रहस्य फैला देंगे। तो, यह कहा जा रहा है कि यह आम तौर पर सच है। अब यह संभव है कि यदि निन्दा करने वाला आपका वास्तव में अच्छा दोस्त है, तो वह बदनामी और इस तरह की बातें नहीं फैलाएगा।

तो, ऐसे अन्य कारक भी हैं जो इसमें भूमिका निभा सकते हैं। तो, यह एक आदर्श है, यह एक नकारात्मक, एक नकारात्मक, एक आदर्श अपुष्ट चेतावनी है। नीतिवचन 11:13.

और फिर पांचवां है पूर्ण निषेध. तो यह सार्वभौमिक आदेश, भगवान पर भरोसा से लेकर पूर्ण निषेध तक चला गया और कहा गया कि यह हमेशा गलत है। ऐसा मत करो.

यह पूर्णतः निषेध है. मैं इसके लिए नीतिवचन 6:16 और निम्नलिखित का उपयोग करूँगा। “छः चीज़ें हैं जिनसे यहोवा घृणा करता है, सात चीज़ें ऐसी हैं जिनसे उसे घृणा है। घमंडी आँखें।” ऐसा मत करो. तुम्हें अभिमान और अभिमान नहीं करना चाहिए। झूठ बोलने वाली जीभ. तुम झूठ मत बोलो. आप हमेशा सच बोलते हैं. ये नकारात्मक पूर्ण निषेध हैं। झूठ बोलने वाली जीभ, हाथ जो निर्दोषों का खून बहाता है। यही तो वे गुंडे उस युवक से करवाने की कोशिश कर रहे हैं, हिंसा में शामिल होने के लिए, गिरोह में शामिल होने के लिए, निर्दोषों का खून न बहाने के लिए। दुष्ट युक्तियाँ रचने वाला मन, बुराई की ओर दौड़ने वाले पैर, झूठ उगलने वाला झूठा गवाह, और भाइयों के बीच फूट बोलने वाला मन। आप उस तरह का व्यक्ति नहीं बनना चाहते. छः बातें जिनसे प्रभु घृणा करते हैं, सात, ऐसा मत करो।

ये सार्वभौमिक पूर्ण निषेध हैं। और इसलिए, आप ऐसा करने के लिए सकारात्मक, सकारात्मक जनादेश से आदर्श पुष्टि करने वाले उपदेश की ओर बढ़ गए। तुम्हें मिल गया है, यह वैसा ही है।

तो फिर आपके पास एक नकारात्मक बात है। ऐसा मत करो. बुद्धिमान नहीं.

और फिर पूर्ण निषेध, ऐसा कभी न करें। और इसलिए अधिकार के वे विभिन्न स्तर जो प्रत्येक नीतिवचन पर रखे गए हैं, और आपको उन्हें सुलझाना होगा। अब, जैसा कि मैंने आपको बताया था, मैंने बस उन पांच श्रेणियों को बनाया है, लेकिन मैं बस इतना कहना चाह रहा हूँ कि जब आप नीतिवचन पढ़ते हैं, तो ऐसा नहीं होता है, और मैंने यह कहा था, नीतिवचन का अधिकार एक समान नहीं है और समतल।

किसी कहावत का अधिकार एक समान और सपाट नहीं होता है, बल्कि जिस संदर्भ में इसका उपयोग किया जा रहा है, उसके उपयोग के आधार पर भिन्न-भिन्न और रूपरेखायुक्त होता है। और इसलिए, आप सावधान रहेंगे। नीतिवचनों का अधिकार सपाट और एकसमान नहीं है। यह विविध है, इसकी रूपरेखा है, और यह स्थिति और सामान पर निर्भर करता है। और आपको काफी होशियार होना होगा। इसके लिए बुद्धि की आवश्यकता है।

आपको यह जानने के लिए पर्याप्त बुद्धिमान होना होगा कि इस कहावत को कब और कैसे समझना है और यह उस स्थिति से मेल खाता है जिसके लिए उपयोग किया जा रहा है। बुद्धिमान व्याख्याकार को लौकिक कहावतों को सार्वभौमिक बनाने और हठधर्मिता से दूर रखना चाहिए। लौकिक उपयोग को ध्यान में रखा जाना चाहिए, जिसका आधिकारिक और आधिकारिक प्रस्ताव से कोई लेना-देना नहीं हो सकता है।

शायद नीतिवचन केवल तीखे हास्य के लिए उद्धृत किए गए हैं। और इसलिए, कुछ कहावतें विनोदी होती हैं, जैसे कि आलसी। उनके पास एक आलसी आदमी है और वह इतना आलसी है

कि खाना वापस मुँह में नहीं लाता। और इसलिए, यह एक तरह की पैरोडी है। यह आलसी का उपहास है। इसका मतलब विनोदी होना है।

तो समझिए न कि इस कहावत का प्रस्ताविक सत्य क्या है? वह बात नहीं है। यह हास्य के लिए है। और आपको नीतिवचन 23 में एक और मिला है, जो नीतिवचन 19:24 में था। लेकिन नीतिवचन 23.34 में, यह शराबी के बारे में बात करता है और यह शराबी का वर्णन उस व्यक्ति के रूप में करता है जो मस्तूल पर लटका हुआ है और नाव का मस्तूल आगे-पीछे हो रहा है। और शराबी एक तरह से इधर-उधर, आगे-पीछे बुनता रहता है। यह एक हास्यानुकृति, एक प्रकार के व्यंग्यात्मक तरीके से वर्णन करने का प्रयास है। तुम बहुत ज्यादा पीते हो, तुम ऐसे ही चलोगे, यार। और वे आज तक ऐसा करते भी हैं। जब आपको DUI के लिए रोका जाए तो लाइन में चलें। नशे में धुत्त होकर गाड़ी चलाना।

और इसलिए, यदि कोई व्यक्ति नशे में है, तो वह सीधी रेखा में नहीं चल सकता है। और इसलिए, यहां यह कहावत कहती है, आप जहाज के मस्तूल को पकड़े हुए एक आदमी की तरह हैं, एक पाल-झूलता हुआ जहाज जो हर जगह लड़खड़ा रहा है। इसलिए कभी-कभी कहावतें हास्य के लिए होती हैं।

तो, आपको इस प्रस्तावित सत्य बात से पीछे हटना होगा और बस इतना कहना होगा, इसका मतलब मज़ाकिया होना है। क्या हमें विनोदी होने की इजाजत है? हम्म। ठीक है। हाँ, नीतिवचन ऐसा कहते हैं।

मौखिकता, मौखिकता का लौकिक कथनों से क्या संबंध है? नीतिवचनों की रचना, प्रसारण और उपयोग में उनकी मौखिक प्रकृति को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए।

कहावतें अक्सर मौखिक रूप से कही जाती हैं। यह कोई संयोग नहीं है कि भाषण और मौखिक संचार का विषय मिस्र के ज्ञान साहित्य और इज़राइली नीतिवचन दोनों में केंद्रीय है। नीतिवचन 12:18. एक वह है जिसके अविवेकी शब्द तलवार के समान चुभते हैं। ये शब्द लोगों को आहत करते हैं। लाठियाँ और पत्थर मेरी हड्डियाँ तोड़ सकते हैं, लेकिन शब्द मुझे कभी चोट नहीं पहुँचा सकते। वह बालोनी है। शब्द बहुत दुख पहुँचा सकते हैं। तो यह कहावत वास्तव में काम नहीं करती, लेकिन कभी-कभी यह काम करती है।

डंडे और पत्थर। कोई ऐसा है जिसके विवेक की बातें तलवार के समान चुभती हैं, परन्तु बुद्धिमान की वाणी चंगा करती है। बुद्धिमान की जीभ चंगाई लाती है। आप इसी प्रकार की जीभ चाहते हैं। वह जो बोलता है और दूसरों को चंगा करता है। नीतिवचन 12:18.

तो, भाषण की यह धारणा, मौखिकता, यह सब नीतिवचन की पुस्तक के माध्यम से है। बार-बार दोहराए जाने वाले वाक्यांश में मौखिक निहितार्थ पाए जाते हैं, "सुनो, मेरे बेटे, अपने पिता की शिक्षा पर ध्यान दो, अपनी माँ की शिक्षा पर ध्यान दो।" ठीक है। और इसलिए कई बार, सुनो, मेरे बेटे, यह मौखिक है। यह मौखिक है। सुनो, सुनो, हे मेरे पुत्र, अपने पिता की शिक्षा सुनो।

मिडर का कहना है कि कोई यहां तक कह सकता है कि हर आधुनिक कहावत के पीछे एक कहानी है। हमने उस बारे में कुछ हद तक बात की है। एक कहावत एक कैप्चर, एक सारांशित कहानी है।

विविधता के साथ आधुनिक कहावतें। "बीच धारा में घोड़े मत बदलो।" "बीच धारा में घोड़े मत बदलो।" "धारा पार करते समय घोड़ों की अदला-बदली न करें।" तो वो दोनों कहावतें काफी मिलती जुलती हैं। और मूल रूप से आपके पास जो कुछ है वह इस मौखिक प्रसारण में है, कहावत कई बार बदल जाती है।

और इसलिए, यह मौखिकता कहावत की इस प्रकार की तरलता को बदलने की अनुमति देती है। मौखिकता डुप्लिकेट कहावतों की विविधताओं को समझाने में मदद कर सकती है, जिनमें से कई हैं।

स्नेल नाम के एक व्यक्ति ने एक शानदार किताब लिखी, जब मैं छोटा था, तो मैंने उसकी सराहना नहीं की।

लेकिन चूंकि मेरी उम्र बढ़ गई है, यह किताब अभूतपूर्व है। दो बार कही गई कहावतें। स्नेल द्वारा दो बार कही गई नीतिवचन। नॉट हेम ने पोएटिक इमेजिनेशन पर एक किताब भी लिखी है जो बहुत ही अद्भुत है और इन डुप्लिकेट कहावतों को लेती है और कहावतों की पूरी किताब से गुजरती है। नॉट हेम की किताब संभवतः 600 पृष्ठों की है। यह एक शानदार किताब है।

और यहां, उदाहरण के लिए, मैं आपको दिखाता हूं कि नीतिवचन 14:12 नीतिवचन 16:25 के बराबर है। "एक ऐसा मार्ग है जो मनुष्य को ठीक लगता है, परन्तु उसका अन्त मृत्यु का मार्ग है।" हममें से कई लोगों ने वह श्लोक याद कर लिया है। "एक ऐसा मार्ग है जो मनुष्य को ठीक लगता है, परन्तु उसका अन्त मृत्यु है।" और फिर इसे नीतिवचन 14:12, और 16:25 में दोहराया गया है।

ऐसी कहावतें भी हैं जिनमें एक शब्द के बदले पूरी कविता दोहराई जाती है। पूरी कहावत दी गई है, दोहराई गई है, लेकिन एक शब्द बदल दिया गया है। नीतिवचन 19:5 और नीतिवचन 19:9. "झूठ का गवाह निर्दोष न ठहराया जाएगा, और झूठ का गवाही देनेवाला बच न पाएगा।" नीतिवचन 19:9, केवल चार पद नीचे। "झूठ का गवाह निर्दोष नहीं ठहराया जाएगा।" यह अनुवाद, कभी-कभी ईएसवी वास्तव में मुझे इसके अनुवाद की लकड़ी के कारण परेशान करता है। यह उसका एक उदाहरण है। यह बहुत लौकिक नहीं है। यदि आप चाहें तो उन्होंने लौकिक क्षण को एक तरह से नष्ट कर दिया है। मुझे माफ़ करें।

लेकिन फिर भी, "झूठ का गवाह निर्दोष नहीं ठहराया जाएगा और झूठ का गवाह नष्ट हो जाएगा।" तो, आप पहले वाले में देखेंगे, कि वे बिल्कुल एक जैसे हैं, सिवाय इसके कि झूठ का गवाही देने वाला बच नहीं पाएगा जबकि झूठ का गवाही देने वाला नष्ट हो जाएगा। तो, एक में, आदमी "बच नहीं पाएगा", लेकिन दूसरे में "नष्ट हो जाएगा।"

तो, यह वही है, लेकिन उस पर एक शब्द स्विच किया गया है। तो वही कहावत, एक शब्द बदल गया।

संशोधनों के साथ तीन बार कही गई एक कहावत है। अतः नीतिवचन की पुस्तक में इस कहावत को संशोधनों के साथ तीन बार बताया गया है। तो, आप देख सकते हैं कि मौखिकता इस प्रकार की लचीलेपन की अनुमति देती है। यह कहता है, "बुद्धिमान पुत्र," नीतिवचन अध्याय 10:1, अध्याय 10:1, "बुद्धिमान पुत्र से पिता आनन्दित होता है, परन्तु मूर्ख पुत्र अपनी माता के लिये दुःखी होता है।"

यदि आप अध्याय 15:20 पर जाएँ, तो उसी प्रकार की कहावत है। यह कहता है, "एक बुद्धिमान पुत्र एक खुश पिता बनता है," वही बात। "बुद्धिमान पुत्र से पिता प्रसन्न होता है, परन्तु मूर्ख अपनी माता का तिरस्कार करता है।" तो आप उस कहावत का भाग भी देखिए, एक बुद्धिमान, एक मूर्ख व्यक्ति अपनी माँ का तिरस्कार करता है, न कि एक मूर्ख पुत्र अपनी माँ के लिए दुःखी होता है।

और फिर नीतिवचन 17:25 में, यह तीन बार कही गई कहावत है। यह कहता है, "मूर्ख पुत्र अपने पिता के लिये दुःख और उसे जन्म देने वाली के लिये दुःख होता है।" तो यहाँ दुःख और कड़वाहट है, दोनों ही उस पर नकारात्मक हैं। लेकिन आप देख सकते हैं कि नीतिवचन 17:25 10:1 से संबंधित है, बुद्धिमान पुत्र पिता के लिए खुशी लाता है, मूर्ख पुत्र माँ के लिए दुःख होता है। और अब यह कहता है, "मूर्ख पुत्र अपने पिता के लिये दुःख और उसे जन्म देने वाली के लिये दुःख होता है।"

तो यह तीन बार कही गई कहावत है, लेकिन आप नीतिवचन में मौजूद विविधताओं को देख सकते हैं। और यह सभी संस्कृतियों, सभी भाषाओं में कहावतों के साथ एक तरह का मानक है, जहाँ ये डुप्लिकेट नीतिवचन होंगे जिनमें ये विविधताएं होंगी। मोटे तौर पर मौखिकता इसका कारण है।

अक्सर विविधताएं पूरी कविता की पुनरावृत्ति में और एक-शब्द भिन्नता के साथ पेश की जाती हैं। हमने उस पर गौर किया. दो शब्द भिन्नता वाले भी हैं, नीतिवचन 10:1 और 15:20 और तीन-शब्द भिन्नता, नीतिवचन अध्याय 10:2, 11:4, 15:13, और 17:22। तो, इनमें से प्रत्येक मामले में, कहावत दोहराई जाती है।

एक-शब्द परिवर्तन, दो-शब्द परिवर्तन, तीन शब्द परिवर्तन, और कई संग्रह, आधुनिक संग्रह एक ही कहावत को कई भिन्नताओं के साथ उद्धृत करते हैं। कभी-कभी नीतिवचनों को जानबूझकर तोड़-मरोड़ कर पेश किया जाता है और मिएडर के पास मुड़ी हुई कहावतों पर एक पूरी किताब है जो बहुत शानदार है, जैसे उनकी सभी किताबें कहावतों पर हैं। जैसा कि मैंने कहा, वह पेरिमियोलॉजी पर दुनिया के अग्रणी विशेषज्ञ हैं।

इसलिए कभी-कभी वे टेढ़े-मेढ़े होते हैं, लेकिन कहावतों में एक चंचलता होती है। मुझे लगता है कि लोगों को कभी-कभी शांत हो जाना चाहिए और बस कहना चाहिए, अरे, यह है, आप जानते हैं, इसलिए छड़ी को छोड़ दो और बच्चे को खराब कर दो। क्या आपने कभी वह सुना है? ओह, अब हम ऐसा नहीं कहते। ठीक है। यह अवैध है। हमें उसे रद्द कर देना चाहिए.

छड़ी छोड़ो और बच्चे को छोड़ो। ठीक है। " छड़ी को बख्श दो और बच्चे को बिगाड़ दो" बन जाता है "छड़ी को बख्श दो और बच्चे को बख्श दो।" "छड़ी खराब कर दो।" इसलिए, वे दो शब्दों को पलट देते हैं, छड़ी को खराब कर देते हैं और बच्चे को छोड़ देते हैं।

यहाँ एक और है। 'जल्दी सोएं, जल्दी उठें, और आप स्वस्थ, धनवान और बुद्धिमान रहेंगे।' मुझे यह वाला पसंद है। मैं एक सुबह का इंसान हूँ। "जल्दी सोएं, जल्दी उठें, और आप स्वस्थ, धनवान और बुद्धिमान बन जाएंगे।" खैर, यह कहावत, इसमें एक बदलाव है। यह कहता है, "जल्दी सोना, जल्दी उठना, और आपकी लड़की अन्य लड़कों के साथ बाहर जाती है।" मुझे वह फिर से करने दो। "जल्दी सोना, जल्दी उठना, और आपकी लड़की दूसरे लड़कों के साथ बाहर जाती है।" आप कहते हैं, उफ़, इसमें कुछ सच्चाई भी है।

तो वैसे भी, यह नीतिवचनों का एक प्रकार का चंचल घुमाव है। मैं हमेशा सोचता हूँ कि "अनुपस्थिति दिल को बड़ा बनाती है।" जब मैं मदरसा में था, मैं अपनी पत्नी से अलग हो गया था। वह बफ़ेलो, न्यूयॉर्क में थी। मैं फिलाडेल्फिया में था। आप मदरसा जा रहे हैं। "अनुपस्थिति दिल में और प्यार भर देती है।" जब आप अपनी प्रेमिका के बारे में सोच रहे हों तो अपनी कक्षाओं के लिए अध्ययन करना कठिन हो जाता है। इसलिए, हमने शादी कर ली और बाकी इतिहास है।

लेकिन फिर भी, 49 साल, मेरे जीवन के सबसे अच्छे साल। केवल एक चीज जो मैं जानता हूँ वह यह है कि "अनुपस्थिति दिल को स्नेहपूर्ण बनाती है।" या यह "अनुपस्थिति दिल को भटका देती है"? हम्म।

"आँखों से ओझल वस्तु को हम भूल जाते हैं"? हम्म। ठीक है। और इसलिए, आप देख सकते हैं कि कैसे उस कहावत को एक चंचल बदलाव के रूप में दोहराया जा सकता है।

अब, कहावत के लिए हिब्रू शब्द मशाल शब्द है। और इस शब्द का प्रयोग सुलैमान की नीतिवचन, मशालीम, नीतिवचन 1:1 में सुलैमान की कहावत में किया जाता है। मुझे लगता है कि इसका उपयोग 10:1 आदि में भी किया जाता है। इसका अर्थ अक्सर समानता या समानता होता है, लेकिन इस शब्द मशाल पर काफी भिन्नताएं हैं।

जिस शब्द का अनुवाद "नीतिवचन" किया गया है, उसका वास्तव में केवल कहावत से कहीं अधिक अर्थ हो सकता है। तो, हिब्रू में यह शब्द मशाल वास्तव में यिर्मयाह 23:28 में लोकप्रिय कहावतों के बारे में कहा जा सकता है, लोकप्रिय कहावतें। इसका उपयोग नीतिवचन अध्याय 10:1 से 22:16 में एक साहित्यिक सूक्ति के रूप में किया जा सकता है। वे सूत्रवाक्य, छोटे वाक्य हैं और इसका वर्णन करने के लिए इसका उपयोग किया जाता है।

यशायाह 14:4 में, मशाल का उपयोग ताना गीत, ताना गीत के लिए किया जाता है। हबक्कूक अध्याय दो, छंद छह से आठ तक, एक उपशब्द, एक शब्द जो बाहर जाता है। यह हर कोई जानता है और आमतौर पर शर्मनाक संदर्भ में।

व्यवस्थाविवरण अध्याय 28, श्लोक 37, मशाल का प्रयोग उपशब्द के लिए किया जाता है। और यह जेकेल 17.1 से 10 में, इसका उपयोग रूपक के लिए किया गया है। क्या बाइबल में रूपक हैं? हां, वहां हैं।

ईजेकील 17.1 से 10 में, एक रूपक और इसे मशाल के रूप में वर्णित किया गया है। तो मशाल रूपक के लिए हिब्रू शब्द है, दूसरे शब्दों में, आप हिब्रू में एक शब्द नहीं ले सकते हैं और कह सकते हैं कि इसका मतलब अंग्रेजी में एक शब्द है। मशाल का मतलब हमेशा कहावत होता है। नहीं, हिब्रू में मशाल, ऐसी कई चीजें हैं जिनका मतलब उपशब्द, ताना हो सकता है। इसका मतलब सूक्ति हो सकता है। इसका मतलब रूपक हो सकता है। और इसलिए, यह एक शब्द कई अर्थ और चीजें ले सकता है। मशाल व्यक्ति को चिंतन करने और संबंध बनाने के लिए कहता है। तो, इन सभी में, आपके पास एक मशाल बयान है जो मूल रूप से व्यक्ति को वर्तमान स्थिति से संबंध बनाने के लिए बुला रहा है।

कहावतें अक्सर ध्वनि का प्रयोग करती हैं। ध्वनि तकनीकों का उपयोग अक्सर अंग्रेजी की तरह कहावतों में भी किया जाता है। अंग्रेजी की तरह, अभ्यास परिपूर्ण बनाता है। क्या आप दो ps देखते हैं? "अभ्यास परिपूर्ण बनाता है।" दो पी.एस. "माफ करो और भूल जाओ।" वहां दो एफ के साथ "माफ करो और भूल जाओ।" "समय रहते संभलने से बड़ी आफत टलती है।" जैसा कि हमने कहा, वह एक तुकबंदी थी। "समय रहते संभलने से बड़ी आफत टलती है।" वहाँ कविता. "जल्दबाजी गलत है।" "जल्दबाजी बर्बादी बनाती है" या "स्वाद कमर बनाती है।" यह लौकिक वाक्य का मेरा तोड़-फोड़ है।

यहाँ एक सामान्य वाक्य है। भगवान ने इंसानों को बनाया और लोग पैसा कमाते हैं। भगवान ने इंसानों को बनाया और लोग पैसा कमाते हैं। अब यह इस कहावत में गढ़ा गया है। भगवान ने इंसान बनाया, इंसान ने पैसा बनाया। भगवान ने इंसान बनाया, इंसान ने पैसा बनाया।

क्या तुमने सुना है कि माँ माँ एमए एमए एमए एमए मा ध्वनि? भगवान ने इंसान बनाया, इंसान ने पैसा बनाया। एमएमएम ध्वनि की पुनरावृत्ति। वैसे, यह केवल अंग्रेजी में ही नहीं, हिब्रू में भी होता है।

नीतिवचन अध्याय 10:9 में कहा गया है, जो ईमानदारी से चलता है, वह सुरक्षित रूप से चलता है। जो ईमानदारी से चलता है, वह सुरक्षित चलता है। मुझे उसे दोबारा पढ़ने दीजिए।

जो ईमानदारी से चलता है, वह सुरक्षित चलता है। चोलेक बेटा, येलेक बेटाक . चोलेक और येलेक एक ही शब्द हैं, चलता है।

ठीक है। चोलेक, येलेक, और आप समानताएं सुन सकते हैं। बेटाम, सुरक्षित रूप से या ईमानदारी से, बेटाक के साथ, सुरक्षित रूप से।

तो, दोनों में a bt, bt, दूसरा शब्द है, और चौथा शब्द, bt, bt है। बेटाम, बेटाक . होलेक, येलेक, होलेक, येलेक, पहला शब्द और तीसरा शब्द, दूसरा शब्द और चौथा शब्द।

बेटाम , बेटाक . ठीक है। तो, ध्वनि, आप इसे सुन सकते हैं। होलेक, बेटाम , येलेक , बेटाक । ठीक है। bt के सममित अंत और उसके अंत में ek अंत पर ध्यान दें।

इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि जिन लोगों ने नीतिवचन का संपादन किया, वे चीजों को एक साथ जोड़ने के लिए ध्वनि का भी उपयोग करते हैं। नीतिवचन अध्याय 11:9 से 11, 11:9 से 11, वे सभी अब से शुरू होते हैं, जिसका अर्थ है द्वारा या साथ, जो एक ही बात है, लेकिन इसके सामने ए शब्द है। उस सन्दर्भ में यू का मतलब ए है।

तो, आपके पास अध्याय 11:9, 9 बी, 10 बी, 11 बी, सभी छह पंक्तियाँ हैं, सभी तरह से। और इस प्रकार, यह आरंभ होता है और इस प्रकार नीतिवचन 11:9 से 11 तक की कड़ियाँ ध्वनि द्वारा जुड़ जाती हैं।

अगले पर। समांतरता. हमने पहले देखा है कि कहावतें समानता में आती हैं। मार्क स्नीड का कहना है कि नीतिवचन की पुस्तक के बाहर अधिकांश नीतिवचन एक-पंक्ति वाली कहावतें हैं। न्यायाधीश अध्याय 8, श्लोक 21, 1 शमूएल 24:13, वगैरह। कैरल फोटेन की पुस्तक, ट्रेडिशनल सेइंग्स ऑफ द ओल्ड टेस्टामेंट, और डेल की हालिया शानदार पुस्तक, बाइबिल विजडम लिटरेचर में पेज 85 पर स्नीड का लेख। नीतिवचन की पुस्तक के बाहर की एकल पंक्तियाँ केवल एक पंक्ति हैं। नीतिवचन के अंदर, आपको मिलता है "बुद्धिमान पुत्र पिता के लिए खुशी लाता है, मूर्ख बेटा माँ के लिए दुःख होता है।" दो पंक्तियाँ हैं।

काव्यात्मक रूप से, उनके पास द्वि-कोलन, द्वि, दो-कोलन पंक्तियाँ, दो पंक्तियाँ हैं। इसलिए "बुद्धिमान पुत्र पिता के लिए आनन्ददायक होता है, मूर्ख पुत्र अपनी माता के लिए दुःखदायी होता है।" लेकिन नीतिवचन की किताब के बाहर, वे केवल एक पंक्ति हैं।

"जैसा मनुष्य होता है, वैसी ही उसकी ताकत होती है।" इसलिए, नीतिवचन की पुस्तक में जिन भावात्मक कहावतों पर हम विचार कर रहे हैं वे अधिकतर दो-पंक्ति वाली कहावतें होंगी, न कि एक एकल-पंक्ति वाली कहावतें। इसलिए लौकिक वाक्यों को समानता में बनाया जाता है क्योंकि नीतिवचन एक काव्यात्मक पुस्तक है।

और इसलिए, जब आप नीतिवचन की पुस्तक में जाएंगे, तो आप देखेंगे कि अंग्रेजी में भी, उन्हें पंक्ति दर पंक्ति मिल गई है। यह ऐतिहासिक आख्यानों की तरह अनुच्छेदों में नहीं लिखा गया है। यदि आप उत्पत्ति की पुस्तक की ओर पलटते हैं, तो आप अनुच्छेद, अनुच्छेद, अनुच्छेद देखते हैं।

नीतिवचनों और भजनों और आपकी काव्य पुस्तकों में, यह पंक्ति दर पंक्ति है। कविता रेखा है, रेखा संचालित है। फिर ऐतिहासिक आख्यान अनुच्छेद-चालित होते हैं।

और इसलिए, आप देख सकते हैं कि बस त्वरित, आसान, यहां तक कि आधुनिक अंग्रेजी में भी, आसान आओ, आसान जाओ। क्या आप वहां समानता देखते हैं? जो आसानी से मिलता है वो आसानी से चला भी जाता है। वहां एक समानता है।

लेकिन हिब्रू में, पारंपरिक घृणा पद्धति, और मैं कुगेल के काम को जानता हूँ और वगैरह, वगैरह, मैंने हिब्रू कविता में बहुत काम किया है। इसलिए मैं इसे सरल बना रहा हूँ। और मैं स्पष्ट रूप से इसे अधिक सरलीकृत कर रहा हूँ, लेकिन पर्यायवाची, जिसे वे पर्यायवाची समानता कहते हैं।

इसका मतलब है एक ही दिशा में जाने वाली दो रेखाएं, एबीसी, एबीसी, एबीसी, एबीसी। और वे दोनों एक ही दिशा में जा रहे हैं। इसे पर्यायवाची समानता कहा जाता है।

नीतिवचन अध्याय 16, श्लोक 28, विकृत व्यक्ति, विकृत व्यक्ति, कर्ता, क्रिया, मतभेद पैदा करता है, वस्तु। गपशप, विषय, पृथक्करण, क्रिया, घनिष्ठ मित्र। इसलिए एक विकृत व्यक्ति मतभेद भड़काता है और गपशप करीबी दोस्तों को अलग कर देती है, जो मूल रूप से एक ही बात कहते हैं, एक ही दिशा में जाते हैं।

और इसलिए पंक्तियाँ इससे कैसे संबंधित हैं। और यह, मुझे एहसास है कि जब आप पर्यायवाची कहते हैं, और यह लोथ के काम की महान आलोचनाओं में से एक है, तो यह है कि जब आप पर्यायवाची कहते हैं, तो इसका मतलब यह नहीं है कि यह उसके बराबर है। ठीक है।

एक पर्यायवाची में पसंद, समानता और असमानता दोनों होती हैं। और इसलिए, जब भी आप कहते हैं, आपको एक पर्यायवाची समानता मिल गई है, तो आप कहते हैं, यह पर्यायवाची कैसे है? यह एक जैसा कैसे है? लेकिन फिर आपको यह भी पूछना होगा कि यह किस प्रकार भिन्न है? दूसरी पंक्ति इसे पहली पंक्ति से आगे कैसे ले जाती है? और इसलिए, आप कहते हैं, मूलतः, यह समान कैसे है? यह किस प्रकार भिन्न है? तो, आप x, y और x अक्ष का उपयोग कर सकते हैं। यह किस प्रकार समान है? और यह किस प्रकार भिन्न है? और आप प्रत्येक ए, बी, सी के नीचे जाते हैं, और पूछते हैं, यह कैसे समान है? यह किस प्रकार भिन्न है? यह किस प्रकार समान है? यह किस प्रकार भिन्न है? यह किस प्रकार समान है? और फिर आप इस तरह से विश्लेषण कर सकते हैं।

मुझे खेद है, मैं इन बातों से दूर हो रहा हूँ। हम उसमें घंटों तक जा सकते थे। विरोधी समानता. तो पर्यायवाची समानता, दो रेखाएं, एक ही दिशा में जा रही हैं, एबीसी, एबीसी।

विपरीत समानता तब होती है जब रेखाएँ विपरीत दिशा में जाती हैं। "बुद्धिमान पुत्र पिता के लिए खुशी लाता है," नीतिवचन 10.1। "मूर्ख पुत्र अपनी माता के लिये दुःखदायी होता है।"

यह आपको एक प्रकार का विरोधाभास बताता है। तो, एक बुद्धिमान पुत्र एक मूर्ख पुत्र के समानांतर होता है, पिता और माता के लिए खुशी लाता है, दुःख लाता है। अब वे उस तरह के विपरीत नहीं हैं। वे वास्तव में पूरक हैं। इसलिए, जब आप विरोधाभास करने जाते हैं, हाँ, पिता और माता अलग-अलग हैं, लेकिन बात यह नहीं है। मुद्दा यह है कि यह पूरक है, माता-पिता।

और इसलिए, यह माता-पिता, पिता और माता को पूरक तरीके से विभाजित करता है। यह विरोधाभासी समानता है। जब दो पंक्तियाँ इस प्रकार होती हैं, तो एक बुद्धिमान पुत्र खुशी लाता है, एक मूर्ख पुत्र दुःख लाता है।

अब, एक प्रतीकात्मक कहावत या एक प्रतीकात्मक समानता तब होती है जब यह एक रूपक या उपमा का उपयोग करती है। तो, आपको मिल गया है, "राजा के चेहरे की रोशनी में जीवन है और उसकी कृपा वसंत की बारिश के बादल की तरह है।" "उसकी कृपा वसन्त ऋतु की वर्षा के बादल के समान है।"

फिर, मुझे यहां अनुवाद पसंद नहीं है, लेकिन वैसे भी, प्रतीकात्मक यह रूपक उपयोग है, एबीसी, एबीसी, लेकिन यह दूसरी पंक्ति का एबीसी और एबीसी है फिर इसे बादल के इस रूपक में ले जाता है, "वसंत के साथ एक बादल की तरह" बारिश।" यह एक उपमा होगी, "वसंत की बारिश वाले बादल की तरह।"

सिंथेटिक कहावत का अर्थ है एबीसी डीईएफ। दूसरे शब्दों में, सिंथेटिक समानता का मतलब है कि वहां दो रेखाएं हैं, लेकिन एबीसी नहीं है, यह एबीसी डीईएफ है। दूसरे शब्दों में, यह आपको उस रास्ते पर ले जाता है। इसलिए, उदाहरण के लिए, नीतिवचन अध्याय 16:7, "जब किसी व्यक्ति के चालचलन से प्रभु प्रसन्न होते हैं, तो वह अपने शत्रुओं को शांति से जीवित कर देता है।"

तो, आपके पास एबीसी है, ए, व्यक्ति के तरीके, बी, भगवान को प्रसन्न करने वाले हैं, सी, भगवान को, और फिर डी, वह बनाता है, ई, शांति से रहता है, एफ, उसके दुश्मन। तो उसे सिंथेटिक कहा जाता है। जब सिंथेटिक होता है, तो दो रेखाएँ होती हैं जहाँ वे वास्तव में समानांतर नहीं होती हैं। वे विरोधी नहीं हैं, वे पर्यायवाची नहीं हैं, और वे रूपक नहीं हैं। वे इसे सिंथेटिक कहते हैं। यह मूल रूप से पेंटिंग का एक तरीका है।

तो ठीक है। अब, इन समानांतर पंक्तियों में बहुत बार, और मैं इसे केवल कविता को थोड़ा आगे बढ़ाने के लिए लाता हूँ। नीतिवचन 14:19 में, क्रिया गैपिंग कहा जाता है।

इसलिए अक्सर पहली पंक्ति आपको पूरा कथन देगी और दूसरी पंक्ति क्रिया को बाहर कर देगी, यह मानते हुए कि आप श्रोता या पाठक के रूप में क्रिया की आपूर्ति करेंगे। इसलिए क्रिया को हटा दिया जाता है या इकाइयों में से एक को हटा दिया जाता है। तो, आपको एबीसी, ए, सी मिल गया है, और बी बाहर हो गया है।

और फिर आमतौर पर क्या होता है जब एक तत्व को हटा दिया जाता है, लाइनों को समान लंबाई बनाने के लिए दूसरे तत्व का विस्तार किया जाएगा। तो वह एबीसी, एबीसी, एबीसी होगा, बी को हटा दिया जाएगा, लेकिन फिर सी को लंबे समय तक बढ़ाया जाएगा। तो, ए, सी अधिक विस्तृत होगा।

इसलिए, उदाहरण के लिए, नीतिवचन 14:19, "बुराई अच्छे के सामने झुकती है।" अतः बुरा कर्ता है, झुकना क्रिया है, कर्ता अच्छे से पहले है। दूसरी पंक्ति है "दुष्ट लोग धर्मियों के द्वार पर हैं।" "धर्मियों के द्वार पर," क्या? वे झुकते हैं। अतः दूसरी पंक्ति में "झुकना" नहीं कहा गया है। यह एक दीर्घवृत्त है। इसे हटा दिया गया है। यह गैप है। वे इसे गैपिंग कहते हैं।

और उन्होंने उस इकाई को अलग कर दिया। लेकिन फिर ध्यान दें कि अंतिम तत्व, वस्तु, "धर्मियों के द्वार पर," दूसरे ने अच्छे, संक्षिप्त और मधुर से पहले कहा था। यह कहता है "धर्मियों के द्वार पर," इसका विस्तार किया गया है ताकि लाइनें समान लंबाई की हों - आप इसे मुआवजा कह सकते हैं।

लेकिन क्रिया को हटा दिया जाता है और क्रिया की आपूर्ति दुभाषिया द्वारा की जाती है। तो उन्हें क्रिया गैपिंग कहा जाता है। ऐसा बहुत होता है। इसीलिए मैं इसे यहां उठा रहा हूं क्योंकि ऐसा अक्सर होता है। वाक्यात्मक समानता. वाक्यात्मक समानता.

लोग वाक्यविन्यास से नफरत करते हैं, लेकिन यह हिब्रू कविता में मदद करता है। तो, आप एसवीओ, विषय, क्रिया, वस्तु सुनते हैं। एसवीओ, विषय, क्रिया, वस्तु। और कभी-कभी यह SVOM, विषय, क्रिया, वस्तु और संशोधक तक चला जाता है। तो, नीतिवचन 10:12 में, यह कहता है "घृणा," विषय, क्रिया, "उकसाना," वस्तु, "असहमति।" "लेकिन प्यार," विषय, "कवर," क्रिया, "सभी गलतियाँ," वस्तु। तो, यह "नफरत, भड़काती है, मतभेद है," एसवीओ। और दूसरी पंक्ति, "लेकिन प्यार सभी गलतियों को छुपा देता है," एसवीओ। इसमें दिलचस्प बात यह है, और अंग्रेजी में यह वास्तव में अच्छा लगता है, "नफरत मतभेद को भड़काती है, लेकिन प्यार सभी गलतियों को ढक देता है।" यह सुंदर विपरीत कविता है। "नफरत से फूट पैदा होती है, परन्तु प्रेम सब बुराइयों को ढांप देता है।"

यह हिब्रू में दिलचस्प है, यह क्रम नहीं है। हिब्रू में, आदेश एसवीओ, ओवीएस है। एसवीओ, ओवीएस। तो, यह एबीसी, सीबीए है। ऑर्डर को दूसरी पंक्ति में फ्लिप किया गया है, जिससे यह एक चियास्टिक संरचना बन गई है। और मुझे लगता है, और इससे पहले कि हम चियास्म के बारे में बात करते, यह एबीबीए है। यदि आप ए, दो ए को जोड़ते हैं, और दो बी को जोड़ते हैं, तो यह एक एक्स बनाता है। अंग्रेजी में, हम इसे ची [एक्स] कहते हैं, ग्रीक में, या ची, कुछ लोग इसे अधिक ची, ची, चियास्म कहते हैं। ठीक है। तो, चियास्म एबीबीए है। क्रम में दूसरी पंक्ति फ्लिप की गई है। और इसलिए, हमारे यहां एक चियास्टिक संरचना है, और यह हिब्रू में एक अच्छी चीज है जो वे चियास्टिक संरचना के साथ करते हैं।

ठीक है। अब, लौकिक अलंकार, लौकिक अलंकार। मुझे यह पसंद नहीं है। भाषण के ये अलंकार कोई फालतू चीजें नहीं हैं जिन्हें आप कहावत को और अधिक यादगार बनाने के लिए, इसे और अधिक फैसी बनाने के लिए छिड़कते हैं। और इसलिए, आपके पास भाषण के ये अलंकार हैं जो इसे इस रूपक प्रकार की चीज में बढ़ा देते हैं।

मुझे ऐसा सोचने का तरीका पसंद नहीं है। मुझे वह तरीका अधिक पसंद है जो संज्ञानात्मक वैज्ञानिक आज संज्ञानात्मक भाषाविज्ञान के साथ करते हैं, जबकि हमारे दिमाग रूपक के रूप में सोचने और रूपक और रूपक, रूपक और रूपक, उन दो चीजों के बारे में सोचने के लिए तैयार किए गए हैं। आधुनिक संज्ञानात्मक भाषाविज्ञान में रूपक और रूपक का एक बड़ा अध्ययन किया गया है जो हमें संज्ञानात्मक विज्ञान के आधार पर धर्मग्रंथ में रूपक और रूपक को समझने में अत्यधिक मदद कर सकता है।

और यह वास्तव में मेरे लिए मददगार रहा है। लेकिन हम वैसे भी बात करेंगे, हम बस करेंगे, यह वास्तव में उबल गया है और आपको संज्ञानात्मक भाषाई लोगों को देखने की ज़रूरत है, वे क्या कर रहे हैं। यह समृद्ध है, यह गहरा है और यह अच्छा है।

अब, अलंकारक, अलंकारक क्या है? जब एक शब्द या वाक्यांश का प्रयोग दूसरे के लिए किया जाता है, दूसरे के स्थान पर किया जाता है। इसलिए, उदाहरण के लिए, नीतिवचन 27:24बी कहता है, "और एक मुकुट सभी पीढ़ियों के लिए सुरक्षित नहीं रहता है," "और एक मुकुट सभी पीढ़ियों के लिए सुरक्षित नहीं रहता है।" क्या हम सचमुच ताज के बारे में बात कर रहे हैं? या ताज राजा का एक रूपक है? और एक मुकुट या "राजा सभी पीढ़ियों के लिए सुरक्षित नहीं है।"

तो, मुकुट एक वैकल्पिक शब्द है जिसे राजा शब्द के स्थान पर प्रतिस्थापित किया गया है। क्राउन का मतलब राजा है। इसे अलंकारक कहा जाता है।

हम इसे अंग्रेजी में करेंगे, हम कहेंगे कि पीठ ने फैसला किया। किसी न्यायिक मामले में, मान लीजिए किसी अदालत कक्ष में, पीठ ने निर्णय दिया। ठीक है, इसका मतलब है कि न्यायाधीश ने फैसला किया, लेकिन हम न्यायाधीश को पीठ कहते हैं।

बेंच वह है जिस पर वह बैठता है और उसी तरह सामान रखता है। या व्हाइट हाउस ने फैसला किया। व्हाइट हाउस ने फैसला किया।

और इसलिए, "व्हाइट हाउस ने फैसला किया" का वास्तव में मतलब है कि राष्ट्रपति ने फैसला किया या आज, शायद उनके आसपास के उनके वकील ने फैसला किया और फिर उन्होंने उन्हें बताया कि क्या कहना है, उम्मीद है कि वह वही कहेंगे जो उन्होंने कहा था। लेकिन फिर भी, व्हाइट हाउस ने फैसला किया, इसका मतलब है, आप जानते हैं, प्रभारी लोगों ने, राष्ट्रपति ने फैसला किया। तो इसे अलंकारक कहा जाता है। एक शब्द का स्थान दूसरे ने ले लिया।

मैं एक अन्य व्याख्यान में यह कहने का प्रयास करूंगा कि ईश्वर का भय एक रूपक है। ईश्वर का नाम, ईश्वर के नाम का संदर्भ देते हुए, "नाम" वास्तव में स्वयं ईश्वर का एक रूपक है।

इसलिए, आज संज्ञानात्मक भाषाविज्ञान में मेटानीमी एक बहुत बड़ी चीज़ है और वास्तव में इसका अध्ययन किया जाना चाहिए। मैं जानता हूँ कि हमने रूपक के साथ बहुत कुछ किया है और रूपक को देखने के नए तरीके हैं। मेरे एक मित्र, फ्रेड पटनम द्वारा रूपकों को देखने के कुछ बहुत अच्छे तरीके हैं। वैसे भी, उसने बाइबिल में रूपकों को देखने के रूपक तरीकों के साथ बहुत कुछ किया है। और यह वास्तव में, वास्तव में समृद्ध है और वास्तव में क्षितिज खोलता है। इसका अध्ययन करने की ज़रूरत है।

उपमाएँ। उपमाएँ "पसंद" या "जैसे" का उपयोग करके दो विविध क्षेत्रों के बीच तुलना हैं। दो क्षेत्रों, अलग-अलग क्षेत्रों के बीच तुलना, एक दूसरे के ऊपर समान या उस प्रकार के मानचित्र का उपयोग करना। नीतिवचन 12:18 यह कहता है, "लापरवाह शब्द तलवार की तरह चुभते हैं।"

"लापरवाह शब्द तलवार की तरह चुभते हैं।" "तलवार की तरह," तलवार लोगों को छेदती है और घायल करती है। तो शब्द तलवार की तरह चुभते हैं। और इसलिए, "तलवार की तरह" एक उपमा होगी। और इसलिए यह एक उपमा होगी जिसका प्रयोग नीतिवचनों में किया जाता है।

रूपक। रूपक दो क्षेत्रों के बीच तुलना है जो पसंद या जैसे शब्द का उपयोग नहीं करते हैं। इसलिए, उदाहरण के लिए, नीतिवचन 18:10 में, हमें मिला है "प्रभु का नाम एक मजबूत मीनार है।" फिर तुम पूछते हो, अच्छा, यहोवा का नाम एक दृढ़ मीनार के समान कैसे है? एक मजबूत टावर क्या दर्शाता है? सुरक्षा और सुरक्षा तथा अन्य बहुत सी चीजें।

और फिर आप इसे अन्य प्रकार की सुरक्षा प्रकार की चीजों से जोड़ सकते हैं जैसे कि भगवान का नाम एक मजबूत मीनार है, लेकिन भगवान का नाम एक चट्टान भी है। या, आप जानते हैं, आप इस रॉक इमेजरी को भी उसी सुरक्षा और सुरक्षा के साथ प्राप्त कर सकते हैं। तो चट्टान का किसी मजबूत किले या मजबूत मीनार से क्या संबंध है? और इसलिए, रूपक, रूपक यह तुलना है।

प्रभु का नाम मानो, एक मजबूत मीनार है। और इसलिए वे रूपक, उपमा, रूपक, अतिशयोक्ति। अतिशयोक्ति एक अतिशयोक्ति है जो कहावत को ध्यान केंद्रित करने में मदद करती है। "प्रेम और युद्ध में सब कुछ जायज होता है।" क्या वास्तव में इसका मतलब सब कुछ है? हमेशा मतलब सब? जब भी आप सब शब्द देखते हैं, तो आपको कुछ प्रश्न पूछने पड़ते हैं। क्या सचमुच इसका मतलब सब कुछ है? "सारा यरूशलेम जॉन बैपटिस्ट को देखने के लिए बाहर आया।" क्या यह सचमुच सच है? सारा यरूशलेम, यरूशलेम में हर कोई जॉन द बैपटिस्ट को देखने के लिए बाहर गया था? नहीं, यह अतिशयोक्ति है। यह ज़ोर देने के लिए अतिशयोक्ति है। जॉन 5 में एक अपंग व्यक्ति था जो बेथेस्डा के पूल से दूर नहीं गया था। वह पूरे रास्ते चलकर यरूशलेम से जॉर्डन के पास जॉन बैपटिस्ट से बपतिस्मा नहीं ले पाया। इसलिए, अतिशयोक्ति ज़ोर देने के लिए एक अतिशयोक्ति है। और इसलिए, आपको वास्तव में सावधान रहना होगा जब बाइबल अतिशयोक्तिपूर्ण ढंग से बोलती है, जैसे कि यदि आपकी आंख पाप करती है, तो उसे निकाल लें। क्या आप सचमुच ऐसा करने जा रहे हैं? या पहाड़ी उपदेश में यीशु, यह अतिशयोक्ति है। यह ज़ोर देने के लिए अतिशयोक्ति है। इसका मतलब यह नहीं है कि आप अपनी आंख निकाल लें क्योंकि तब आपको अपनी दूसरी आंख भी निकालनी होगी। दरअसल, फिर तो आपका हृदय भी भ्रष्ट है। तुम्हें अपना हृदय काटना होगा। तुम्हारे पास कुछ भी नहीं बचेगा।

तो वैसे भी, अतिशयोक्ति ज़ोर देने के लिए एक अतिशयोक्ति है। " इसलिए राजा के साथ भोजन करते समय, यदि आप लोलुपता के आदी हैं तो अपने गले पर चाकू रख लें।" [प्रोव. 23:2] अब , क्या इसका मतलब वास्तव में आपको राजा के साथ भोजन करते समय अपने गले पर चाकू रख लेना चाहिए? नहीं, वह सिर्फ तुमसे कह रहा है, अरे, जब तुम राजा के सामने भोजन करो, तो उचित शिष्टाचार दिखाओ। जब आप राजा के सामने हों तो लोलुपता में न पड़ें और चिल्लाएं नहीं क्योंकि वह यह देखेगा और कहेगा, अरे, यार, वह आदमी पेटू है। तो अपने गले पर छुरी रख लो. यह अतिशयोक्ति है। यह ज़ोर देने के लिए अतिशयोक्ति है।

अब एक synecdoche. अब सिनेकडोचे वास्तव में एक प्रकार का रूपक है। तो, आपके पास एक बड़ी श्रेणी के रूप में अलंकार है। सिनेकडोचे एक प्रकार का रूपक है। और यह कुछ इस

तरह है जैसे "सभी लोग डेक पर हैं।" जब आप कहते हैं "सभी हाथ डेक पर हैं," तो आपका मतलब यह नहीं है कि सभी हाथ आपके डेक पर हैं। आपका मतलब यह है कि "सभी हाथ" सभी लोगों का प्रतिनिधित्व करते हैं। मूलतः, सभी नाविक इसी बिंदु पर संलग्न होते हैं। डेक पर सभी हाथों का मतलब है कि हर किसी को इस बिंदु पर संलग्न होना चाहिए। सभी हाथ उन लोगों के लिए हैं जो हाथों का उपयोग करते हैं। तो, नीतिवचन 17.7 में जीभ, "धर्मी की जीभ उत्तम चाँदी है।" धर्मी की जीभ. अब क्या ये सिर्फ उसकी जुबान ही कह रही है? हाँ, चाँदी की जीभ। ऐसा लगता है जैसे चाँदी जैसी जीभ वाला लड़का हो।

चर्च के पिताओं में से एक का नाम सिल्वर टंग था। धर्मी की जीभ उत्तम चान्दी है। चाँदी एक रूपक है और धर्मी की जीभ संपूर्ण धर्मी व्यक्ति और उसकी वाणी के बारे में बात कर रही है।

वैयक्तिकरण. मानवीकरण भाषण का एक और अलंकार है जिसका प्रयोग नीतिवचन 1-9 में बड़े पैमाने पर किया गया है जहाँ बुद्धि का मानवीकरण किया गया है। ज्ञान का विचार, होक्मा , वास्तव में मैडम विजडम नामक व्यक्ति में व्यक्त किया गया है।

और इसलिए, महिला उस युवक को मैडम फ़ॉली के बारे में चेतावनी देने की कोशिश करती है जो उसे बहकाने की कोशिश करने वाली है। और फिर बुद्धि को एक चेतावनी देने वाली महिला के रूप में चित्रित किया जाता है। तो, बुद्धि सड़कों पर पुकारती है, नीतिवचन अध्याय 1 श्लोक 20। वह हँसती है, नीतिवचन 1:26। उसने अपना घर बना लिया है। वह, बुद्धि, ने नीतिवचन के अध्याय 9 में अपना घर बनाया है। तो, बुद्धि को एक ऐसी महिला के रूप में चित्रित किया गया है जो अपना घर बनाती है, जो हँसती है, जो खुद को पेश करती है और सड़कों पर बुलाती है। और इसे मानवीकरण कहा जाता है। नीतिवचन 1-9 में बुद्धि के व्यक्तित्व के बारे में बहुत कुछ कहा जाएगा।

अब, लौकिक विषय और शब्दावली। एक कहावत परिभाषित है, हमने छोटे-छोटे मजाकिया वाक्य कहे। वे कौन से विषय हैं जिनके बारे में आमतौर पर ज्ञान में बात की जाती है? ध्वनि पैटर्निंग और समानता और भाषण के आंकड़ों के बढ़ते उपयोग के अलावा, बाइबिल की लौकिक शैली को कुछ विषयों और शब्दावली द्वारा भी चिह्नित किया जाता है जो इसके वैचारिक स्थान को चिह्नित करते हैं। इसलिए, विषय-वस्तु और शब्दावली इसके वैचारिक स्थान को चिह्नित करेंगे। व्हाईब्रे के पास ज्ञान शब्दावली की एक अद्भुत सूची है। मैं यहां बस कुछ की सूची दूंगा। उसके पास और भी बहुत कुछ है। समझदारी की कमी ज्ञान संदर्भ की ओर इशारा करती है। मूर्ख, जब इसका उल्लेख मूर्ख के रूप में किया जाता है, तो आप समझ जाते हैं कि आप ज्ञान क्षेत्र में हैं। परामर्शदाता, सरल या सरल व्यक्ति, मज़ाक करने वाला, समझदार, चतुर, अनुशासनप्रिय, रास्ता एक बहुत बड़ा विषय है, जब आप रास्ता देखते हैं, तो आप ज्ञान क्षेत्र में होते हैं। ज्ञान, विवेक, धन्य, और बुद्धि के विभिन्न रूप, होक्मा , इनमें से कुछ के नाम हैं।

मैंने यह भी देखा है कि संज्ञा वाक्यांश, संज्ञा वाक्यांश, एनपी, एक्स का वाई, धर्मी का सिर, दुष्टों का मुंह। तो, Y का X, वह वाक्यांश नीतिवचन, नीतिवचन 10:6, धर्मी का सिर, नीतिवचन 10:6 में भी बहुत विशिष्ट है। तो, जब आपको वह मिलता है, दुष्टों का मुँह, धर्मियों का सिर, तो आप कहते हैं, हम्म, बुद्धि, किस तरह की सोच।

प्रायः विपरीत शब्द युग्मों का भारी प्रयोग होता है। तो, ऐसे शब्द जोड़े हैं जो विरोधाभासी, एंटीथिसिस, एंटोनिम्स हैं, पर्यायवाची नहीं, बल्कि एंटोनिम्स हैं। और इसलिए, आपके पास बुद्धिमान और मूर्ख हैं। और जब आप बुद्धिमान और मूर्ख को देखते हैं, तो उछाल, ज्ञान संदर्भ को ट्रिगर करता है। वह ज्ञान शब्दावली है। मैं यहां ज्ञान साहित्य में हो सकता हूं। बुद्धिमान और मूर्ख, धर्मी और दुष्ट। जब आप धर्मी, दुष्ट, धर्मी, दुष्ट, धर्मी, दुष्ट देखते हैं, तो कुछ अनुवादों के साथ समस्या, जिसमें एनएलटी भी शामिल है, जिस पर मैंने काम किया है, यह है कि वे हर समय धर्मी, धर्मी का अनुवाद नहीं करते हैं। तो, यह धर्मी नहीं, दुष्ट है। कई बार इसका अनुवाद सादिक, धर्मी के रूप में होता है। वे इसका अनुवाद ईश्वरीय, ईश्वरीय और दुष्ट के रूप में करते हैं। और मुझे यकीन नहीं है कि वह कंट्रास्ट वास्तव में कंट्रास्ट को तोड़ता है। और काश हम होते, वैसे भी, यह एक लंबी कहानी है।

लेकिन फिर भी, धर्मी और दुष्ट, मेहनती और आलसी, और मेहनती। और वे दो, फिर से, विरोधाभासी बातें, आलसी और मेहनती। मेहनती कड़ी मेहनत करता है, आलसी आलसी है।

तो वे विरोधी, बुद्धिमान/मूर्ख, धर्मी/दुष्ट, मेहनती/आलसी, या आलसी। जब आप देखते हैं कि इस प्रकार के विरोधाभास सामने आते हैं, तो आप कहते हैं, हम्म, यहाँ लौकिक क्षेत्र है। नीतिवचन में शामिल प्रमुख विषय, धर्मी और दुष्ट एक प्रमुख विषय है। बुद्धिमान और मूर्ख एक प्रमुख विषय है। मेहनती और आलसी एक प्रमुख विषय है। अमीर और गरीब, एक प्रमुख विषय है।

दोस्ती के विषय. नीतिवचन की किताब दोस्तों के बारे में बहुत कुछ बताती है। भाषण, भाषण, की बहुत चर्चा होती है। नीतिवचनों में बहकाने वाली और गुणी स्त्रियों, बहकाने वाली और गुणी स्त्रियों की बहुत चर्चा की जाती है। जीवन और मृत्यु, जीवन और मृत्यु. वहां परिवार के बारे में बात की जाती है। नीतिवचन में यहोवा और राजा, यहोवा और राजा आम हैं। तो, ये प्रमुख विषय हैं। एक आदमी है, डेरेक किडनर, जिसने वर्षों पहले एक आईवीपी, इंटरवर्सिटी प्रेस, छोटी किताब, नीतिवचन पर टिप्पणी लिखी थी, उसने इनमें से कुछ प्रमुख विषयों को अलग करने का अद्भुत काम किया था। यह एक अच्छा उपचार है, नीतिवचन पर डेरेक किडनर की पुस्तक, संक्षिप्त और मधुर।

नीतिवचनों में विषय नहीं मिलते। नीतिवचनों में जो नहीं मिलता, उस पर हमने पूरा व्याख्यान दिया। हमने वह किया जो एक कहावत नहीं है, और अब हम वह कर रहे हैं जो एक कहावत है। तो कहावत नहीं मिलती. आपके पास मंदिर का उल्लेख नहीं है, पुजारी का उल्लेख नहीं है, भविष्यवक्ताओं का उल्लेख नहीं है, मुक्ति का इतिहास नहीं है, महान मुक्ति कार्य, इज़राइल के पर्व नहीं हैं, पलायन नहीं है, ये प्रमुख विषय हैं जो पूरे पुराने नियम में प्रतिध्वनित होते हैं। वे नीतिवचनों में कभी नहीं पाए जाते।

वाचा स्वयं, वाचा नीतिवचन में नहीं पाई जाती है। मूर्तिपूजा की कोई निंदा नहीं. मूर्तिपूजा की एक से निंदा की गई है, मेरा मतलब है, वास्तव में उत्पत्ति तीन से सभी तरह से और भविष्यवक्ताओं ने इस पर जोर दिया है।

मेरा मतलब है, यशायाह और यिर्मयाह में अध्याय दर अध्याय, मूर्तिपूजा की निंदा की गई है, पवित्रशास्त्र में हर जगह निंदा की गई है, जिसमें भजन भी शामिल हैं। मूर्तिपूजा की निंदा की जाती है, फिर भी नीतिवचन में इसका एक शब्द भी उल्लेख नहीं किया गया है। व्यक्तिगत नामों का चयन, व्यक्तिगत नाम शीर्षकों को छोड़कर नीतिवचनों में नहीं मिलते।

स्थानों के नाम शीर्षकों और स्थान के नामों, लोगों के नामों और लोगों के समूह के नामों, मोआबियों, अम्मोनियों, एदोमियों, गेर्गसियों, यबूसियों के अलावा कहीं नहीं पाए जाते हैं, कोई भी इट्स और टाइट्स, पलिशितियों, यहां तक कि पलिशितियों में से कोई भी नहीं है, जो सभी जगहों पर हैं। एक बार भी उल्लेख नहीं किया गया। नीतिवचन की पुस्तक में किसी भी आइटम और टाइट का एक बार उल्लेख किया गया है। इसलिए कहावतें अलग हैं।

विषय अलग हैं। इस पर चर्चा करने का तरीका अलग है। और हमने इसे उस दूसरे व्याख्यान में नोट किया जिसमें हम थे।

अब, आठ गहरी संरचना वर्गीकरण हैं जिनका मैं अध्ययन करना चाहूँगा। हमने इसे मकसद के आधार पर विकसित किया और हमने इसे एक अन्य व्याख्यान में किया, लेकिन मैं बस यहां जल्दी से भाग लेना चाहता हूँ। यह अंतर्निहित है, हमने सतह संरचना, सतह संरचना, व्याकरण, एसवीओ, विषय, क्रिया, वस्तु, विषय, क्रिया, वस्तु के बारे में बात की है।

और हमने उसमें संशोधनों के बारे में बात की है। हमने कुछ शब्दार्थ शब्दों, शब्दों, ध्वनि, ध्वनि और अर्थ के बारे में बात की है, और ध्वनि, हलक, बेटोम, यालक, बेटक, और ध्वनि वास्तव में कैसे गूँजती है, "जल्दबाजी बर्बाद करती है," और भगवान ने मनुष्य बनाए, पुरुषों ने पैसा कमाया, एमएमएमएम ध्वनि की तरह। और बहुत अच्छा।

और अब मैं जो देखना चाहता हूँ वह व्याकरण के नीचे की गहरी संरचना और खुद ऊपर जा रहे शब्दों को देखना है, आप जानते हैं, बुद्धिमान और मूर्ख, दुष्ट और धर्मी, सुस्त, और उसके नीचे, इन कहावतों की संरचना। और इसलिए मैंने इसे विषय और टिप्पणी में विभाजित किया, और फिर मूल रूप से चरित्र-परिणाम पर ध्यान दिया। और मैंने नीतिवचन 10 से 15 की जांच की, जो वहां वाक्य कहावतें हैं।

और मैंने पाया कि ये चरित्र-परिणाम थे, उनमें से 152 हैं। और मैं आपको नीतिवचन अध्याय 10:2 बी में कुछ संदर्भ देता हूँ, लेकिन धार्मिकता, "लेकिन धार्मिकता मृत्यु से बचाती है," चरित्र-परिणाम, लेकिन धार्मिकता मृत्यु से बचाती है, चरित्र-परिणाम मृत्यु, लेकिन धार्मिकता मृत्यु से बचाती है। तो यह चरित्र-परिणाम है।

इनकी संख्या 152 है। तो, यह नीतिवचन की पुस्तक में बहुत प्रमुख, चरित्र-परिणाम, प्रमुख, प्रमुख अंतर्निहित संरचना है, चरित्र-परिणाम।

चरित्र-कार्य। नीतिवचन 10:14ए, बुद्धिमान ने ज्ञान, चरित्र, बुद्धिमान व्यक्ति, वह क्या करता है? वह ज्ञान का संचय करता है। इसलिए बुद्धिमान पहले ज्ञान, चरित्र और फिर कर्म का सहारा लें।

चरित्र-मूल्यांकन, संख्या तीन, चरित्र-मूल्यांकन, नीतिवचन अध्याय 10:20ए, "धर्मी की जीभ उत्तम चाँदी है," चरित्र, धर्मी की जीभ। धर्मियों की जीभ को याद रखें, वह संज्ञा वाक्यांश एक प्रकार की चीज़ है, जो आपको नीतिवचन और ज्ञान बताती है। धर्मी की जीभ उत्तम चान्दी है। चॉइस सिल्वर आपको यह बताने के लिए एक रूपक का उपयोग कर रहा है कि यह एक मूल्य है। तो, आपके पास चरित्र-मूल्यांकन है।

तो, हमारे पास 70 बार चरित्र-परिणाम, प्रमुख, चरित्र-कार्य है। और नीतिवचन के उस भाग में चरित्र-मूल्यांकन 16 बार किया गया है।

आपके पास 63 बार कार्य-परिणाम है, नीतिवचन अध्याय 10:17ए, जो कोई भी निर्देश पर ध्यान देता है, कार्य करता है, वह जीवन के मार्ग पर है, परिणाम। जो कोई निर्देश को मानता है, वही कार्य करता है, वह जीवन के मार्ग पर है।

अतः कार्य का परिणाम 63 बार होता है। मुझे लगता है कि मैंने नीतिवचन 10 से 15 में प्रेरणा पर जो अध्ययन किया, जो मैंने दिखाया वह कोच और इनमें से कुछ अन्य लोगों के विपरीत था जो कहते हैं कि कार्य-परिणाम नीतिवचन की पुस्तक की प्रमुख अंतर्निहित संरचना है, कार्य-परिणाम, 63 बार . हालाँकि, मैं 150 से अधिक बार यह दिखाने में सक्षम था कि यह क्या था? चरित्र-परिणाम.

तो, नीतिवचन में वास्तविक मुद्दा कार्य-परिणाम नहीं है, जो कि बड़ा है, बल्कि चरित्र-परिणाम और भी बड़ा है। इसलिए, जब आप कार्य परिणाम के बारे में बात करते हैं, तो हमेशा याद रखें, अरे, अपने दिमाग के पीछे के बारे में सोचें, चरित्र परिणाम बड़ा होता है और देखें कि क्या यह कहावत उस पर फिट बैठती है। वस्तु परिणाम, मनुष्य अपने मुँह के फल से अच्छा खाता है।

उसके मुख के फल से मद-परिणाम। वस्तु मूल्यांकन, धनी मनुष्य का धन, नीतिवचन 10:15, एक दृढ़ नगर है। मद-मूल्यांकन.

और फिर अंतिम दो, कार्य-मूल्यांकन, "जो अनुशासन से प्यार करता है, वह ज्ञान से प्यार करता है।" कार्य करो, जो अनुशासन से प्यार करता है, नीतिवचन 12:1, ज्ञान से प्यार करता है।

और फिर यह आठवां कुछ दिलचस्प है, दिखावट और हकीकत। यह दिखावा और वास्तविकता, "कोई अमीर होने का दिखावा करता है फिर भी उसके पास कुछ नहीं है, अमीर होने का दिखावा करता है फिर भी उसके पास कुछ नहीं है।" दूसरा गरीब होने का दिखावा करता है फिर भी उसके पास बहुत धन है, नीतिवचन अध्याय 13:7। तो, यह दिखावा बनाम हकीकत। तो, बुद्धिमान व्यक्ति यह कहना चाह रहा है, चीजें हमेशा वैसी नहीं होती जैसी वे दिखती हैं। चीजें हमेशा वैसी नहीं होती जैसी वे दिखती हैं।

तो, कार्य-परिणाम, 62 बार, कोच, वान राड, और अन्य, कार्य-परिणाम बड़ा है, लेकिन मैं आपको सुझाव देता हूँ कि चरित्र-परिणाम 152 बार है, कार्य-परिणाम से लगभग दोगुना है, यह एक अंतर्निहित संरचना है नीतिवचन की पुस्तक और कहावत क्या है।

अब, लौकिक सिट्ज़ इम लेबेन या जीवन की स्थिति, वह सेटिंग जहाँ से कहावतें उत्पन्न होती हैं। सेटिंग, सेटिंग्स, बहुवचन क्या हैं ? तीन सेटिंग्स प्रस्तावित हैं जिनसे कहावतें उत्पन्न होती हैं। एक है स्कूल और शिक्षक. एक है स्कूल और शिक्षक. दो है परिवार या कुल, माता-पिता, परिवार या कुल या माता-पिता। वह नंबर दो है. और फिर नंबर तीन है शाही दरबार और शास्त्री, शाही दरबार और शास्त्री और दरबारी।

तो वे तीन सेटिंग्स हैं जिनसे नीतिवचन की पुस्तक में नीतिवचन उत्पन्न होते हैं। स्कूल, परिवार और कबीला, और शाही दरबार और शास्त्री। अब स्कूलों, मुझे इन पर शीघ्रता से प्रहार करने दीजिए।

इसे सिट्ज़ इम लेबेन कहा जाता है। यदि आप कभी तकनीकी साहित्य में हों, तो जीवन की स्थिति, जीवन की स्थिति, एक ऐसी स्थिति होती है जिससे वे उत्पन्न हुए, एक ऐसी स्थिति जिससे वे उत्पन्न हुए।

स्कूल. इज़राइल में स्कूलों का पहला स्पष्ट उल्लेख बेन सिराच 51:23, बेन सिराच 51:23 में है। और बेन सिराच लगभग 180 ईसा पूर्व में आता है, लेकिन 180 ईसा पूर्व, यानी सिकंदर महान के 150 साल या उसके बाद। तो, यह बेन सिराच है, एपोक्रीफा की किताबों में से एक है, लेकिन यह इज़राइल में स्कूलों का उल्लेख करने वाली पहली पुस्तक है, इसलिए हमें पहले इसका उल्लेख नहीं करना पड़ा।

हम इसके लिए स्कूलों से आने वाली कहावतों का तर्क देते हैं, जो काफी हद तक मिस्र और मेसोपोटामिया समानता पर आधारित हैं। मेसोपोटामिया में स्कूल थे और मिस्र में भी। अब इज़राइल बीच की भूमि है। और इसलिए, उन्होंने अनुमान लगाया कि क्या मेसोपोटामिया में स्कूल थे, मिस्र में स्कूल थे, शायद इज़राइल में भी स्कूल थे, लेकिन यह एक अनुमान है। नीतिवचन का उपदेशात्मक आशय स्कूल की सेटिंग में फिट बैठता है। तो यह स्कूलों के लिए बहस करने का एक और तरीका है।

दूसरे शब्दों में, हमारे पास इज़राइल के इतिहास के शुरुआती स्कूलों का उल्लेख नहीं है। बेन सिराच का सबसे पहला उल्लेख मिलता है, लेकिन मेसोपोटामिया और मिस्र में स्कूल, और फिर नीतिवचन के उपदेशात्मक इरादे भी स्कूल की सेटिंग में फिट बैठते हैं। नीतिवचन अध्याय 5:13, "मैं ने अपने शिक्षकों की बात नहीं मानी, और अपने प्रशिक्षकों की ओर कान नहीं लगाया।" तो यहाँ, नीतिवचन 5:13 में, वह अपने शिक्षकों और अपने प्रशिक्षकों का उल्लेख करता है। और इसलिए, एक शिक्षक और एक प्रशिक्षक एक स्कूल सेटिंग में प्रतीत होते हैं। और इसलिए यह नीतिवचन 5.13 का उपदेशात्मक आशय है। जिस पिता के बारे में बात की गई है, मेरे बेटे की बात सुनो, अपने पिता की शिक्षा सुनो, नीतिवचन 3.1, 4.1, जो भी हो।

एक पिता बोल रहा है, पिता एक स्कूल शिक्षक के रूप में हो सकता है। और इसलिए वह स्वयं को पिता कह सकता है, लेकिन वह वास्तव में शिक्षक है। और हो सकता है कि वह पिता शब्द का प्रयोग करे, लेकिन वह वास्तव में एक शिक्षक है।

और इसलिए यह एक और चीज़ है जो स्कूलों को सुझाएगी। इसलिए, स्कूलों ने सुझाव दिया, जब इज़राइल में स्कूल शुरू हुआ तो गर्मगर्म बहस हुई। और मैं उस बड़ी बहस में नहीं पड़ना चाहता।

परिवार और कबीले की उत्पत्ति. बहुत सारी अफ़्रीकी कहावतें एक कबीले की तरह की जनजातीय सेटिंग या पारिवारिक सेटिंग और इसी तरह की चीज़ों में उत्पन्न होती हैं। पिता और माता, पिता और माता और पुत्र का बार-बार उल्लेख होता है।

नीतिवचन 4:1, 3, 4, यहाँ पुत्रों को पिता की शिक्षा मिलती है, और चौकस रहो, कि तुम समझ पाओ। जब मैं अपने पिता का बेटा था, कोमल और अपनी माँ की नज़र में केवल एक ही था। तो, वह अपने पिता और माँ द्वारा सिखाए जाने की कोमल, कम उम्र के बारे में बात कर रहा है।

तो, ऐसा लगता है कि यह एक पारिवारिक परिवेश से आया है। उस ने मुझे सिखाया, और कहा, तेरा मन मेरे वचनों पर स्थिर रहे, और मेरी आज्ञाओं को मानकर जीवित रहे। अब मेरी आज्ञाएँ, वह कह रहा है, वह मूसा की आज्ञाएँ नहीं कह रहा है, आप जानते हैं, मिट्ज़वोट, मूसा की आज्ञाओं का संदर्भ दे रहा है।

वह कहता है, मेरी आज्ञाएँ। तो, यहाँ पिता, जब वह आज्ञा शब्द का उपयोग करता है, तो वह इस बारे में बात कर रहा है कि उसने अपने बच्चे को क्या सिखाया है। नीतिवचन 31:1, हे मेरे गर्भ के पुत्र, उसकी माता अर्थात् लमूएल की माता ने उसे सिखाया है। और हम बस एक माँ को बात करते हुए देख सकते हैं, हे मेरी कोख के पुत्र, लमूएल, मेरा बेटा, मेरा बेटा, राजा लमूएल से बात कर रहा है। उसकी माँ ने उसे एक दैवज्ञ सिखाया था। और इसलिए यह, फिर से, एक पारिवारिक पृष्ठभूमि प्रतीत होती है, भले ही वह एक शाही परिवार हो।

लोक पृष्ठभूमि को नीतिवचन 10:5 में देखा जा सकता है, "जो गर्मियों में इकट्ठा होता है वह बुद्धिमान पुत्र होता है। जो कटनी के समय सोता है, वह लज्जित करनेवाला पुत्र है।" और इसलिए, आप जानते हैं, फसल के दौरान सोना और फसल के दौरान काम करना एक लोककथा की पृष्ठभूमि से आता है।

और, वैसे, यह सिर्फ इन फसलों की कटाई नहीं है, बल्कि एक शहरी संदर्भ भी प्रतीत होता है, जहाँ नीतिवचन की किताब में अक्सर शहर, शहर के द्वार, वगैरह, और राजा, शहर के बारे में बात की जाती है। द्वार और राजा, नीतिवचन 16 में, और कई अन्य स्थानों पर। राजा का उल्लेख किया गया है और शहर का भी बार-बार उल्लेख किया गया है। यहां तक कि मजबूत मीनार के स्वामी भी इसे शहरी संदर्भ में रखेंगे।

तो, यह केवल सख्ती से नहीं है, और आप दो को विभाजित नहीं कर सकते, वाम, बम, यह लोक है, यह बाहर है, ये लोग किसानों का एक समूह हैं, ये शहरी शहरी निवासी हैं। यह बिलकुल वैसा नहीं था. और इसलिए, आप इस तरह का विभाजन नहीं कर सकते। लेकिन फिर भी, परिवार और कबीले की उत्पत्ति, हाँ।

इस दरबारी या शास्त्री और राजा और शास्त्री और राजा और शाही दरबार पर बहुत काम किया गया है। नीतिवचन अध्याय एक में राजा सुलैमान का उल्लेख किया गया है, आप जानते हैं, दाऊद के पुत्र, इस्राएल के राजा सुलैमान की नीतिवचन।

ठीक है, नीतिवचन 10:1, ये सुलैमान की नीतिवचन हैं, ठीक है। यहां तक कि नीतिवचन 25:1, "ये सुलैमान की नीतिवचन हैं जिन्हें हिजकिय्याह के लोगों द्वारा कॉपी और संपादित किया गया है।" और इसलिए, हिजकिय्याह राजा है और उसके पास सोलोमोनिक नीतिवचन और उसके शास्त्रियों का एक संग्रह है, हिजकिय्याह के लोग उनकी नकल कर रहे हैं, इसलिए अध्याय 25 से 29 बनाएं।

वे यहीं से आते हैं। तो, यह एक तरह से राजा सुलैमान, राजा हिजकिय्याह, राजा लेमुएल में स्थापित है, यह 31 में है। यह इस शाही सेटिंग में स्थापित है और राजा हिजकिय्याह, जैसा कि हमने अध्याय 31 में राजा लेमुएल का उल्लेख किया है।

ऋषियों, ये ऋषियों की कहावतें हैं, अध्याय 22:17, अध्याय 24:23 और अध्याय 30:1 में ऋषियों का उल्लेख है। राजा की उपस्थिति अनेक नीतिवचनों में है, अध्याय 16:10 से 16, राजा, राजा, राजा, राजा, राजा। राजा के सामने कैसा व्यवहार करना चाहिए? माल्को नीतिवचन 28, 29 को देखता है, वह इसे "सम्राटों के लिए एक मैनुअल," राजाओं के लिए एक मैनुअल या राजा या राजाओं के लिए एक मैनुअल कहता है। तो क्या आप एक अच्छे राजा बनना चाहते हैं? इन कहावतों पर गौर करें, ये आपको एक अच्छा राजा बनने में मदद करती हैं। राजाओं के लिए मैनुअल, अध्याय 28 और 29 में।

लियो पेरड्यू नाम के एक व्यक्ति द्वारा ज्ञान शास्त्रियों पर किए गए कई अध्ययनों ने बहुत अच्छा काम किया है। लियो पेरड्यू ने क्रेंशॉ के अधीन अध्ययन किया, जो वर्षों पहले वेंडरबिल्ट विश्वविद्यालय में ज्ञान साहित्य अध्ययन के दादा थे। आधुनिक समय में चीजें बदलती नजर आ रही हैं। यह सिर्फ मेरी निजी राय है, लेकिन वह क्रेंशॉ और उनके छात्रों, कोवाक्स और पड्यू के साथ वेंडरबिल्ट से थे। मुझे खुशी है कि इनमें से कुछ अन्य लोगों ने क्रेंशॉ के अधीन ज्ञान साहित्य पर अध्ययन किया है। कैथरीन डेल के साथ अब यह एक तरह से केंब्रिज विश्वविद्यालय में स्थानांतरित हो गया है और उसके छात्र अब कुछ बहुत दिलचस्प चीजें भी पेश कर रहे हैं। और नॉट हेम, जिसे मैंने डेनवर सेमिनरी में टेप किया था, वह भी कुछ दिलचस्प चीजें कर रहा है।

तो आधुनिक रूप से अभी, क्षमा करें, मिस्र और मेसोपोटामिया से समानताएं। मिस्र के ज्ञान साहित्य और मेसोपोटामिया के ज्ञान साहित्य में शास्त्री शामिल हैं। और समस्या यह है कि आपको सावधान रहना होगा। गोल्का और वेस्टरमैन ने अफ्रीकी समानताओं से प्रदर्शित किया है कि भूमि की कटाई पर एक कहावत शाही दरबार में आसानी से लिखी जा सकती है। यह महत्वपूर्ण जानकारी है।

तो, एक कहावत जो बेटे के बारे में बात करती है और काटती है, वह शाही दरबार में भी कही जा सकती है। और उन्होंने अफ्रीकी कहावतों का अध्ययन किया है। और इसलिए कुछ राजघराने भी

अब कटाई के बारे में बात करते हैं, क्योंकि फिर से, यह एक प्रकार की द्विरूपी संस्कृति है जहां आपको शहरी और अधिक ग्रामीण एक साथ मिल जाते हैं।

और दोनों के बीच कोई बड़ा अलगाव नहीं है। और इसलिए, वेस्टरमैन और गोल्का ने इस पर ध्यान दिया। तो, आपको यह कहने में वास्तव में सावधान रहना होगा क्योंकि कल्पना ग्रामीण खेती की तरह की कल्पना का उपयोग कर रही है, इसका मतलब यह नहीं है कि इसकी उत्पत्ति राजा के दरबार में नहीं हुई थी।

अब, बड़ा बदलाव. क्षमा करें, इसमें इतना समय लग रहा है, लेकिन अब हम लौकिक रूपों में हैं। कहावतों के रूप क्या हैं? हमने सतही संरचना, कविता, ध्वनि, और भाव, और विभिन्न चीजों के बारे में बात की है जहां से कहावतें उत्पन्न हुईं, स्कूलों, और शाही दरबार या परिवार में।

हमने परिणाम, चरित्र परिणाम, कार्य परिणाम की गहरी संरचना श्रेणियां देखी हैं। अब हम यह देखना चाहते हैं कि वास्तविक सूक्ष्म रूप क्या हैं या इन्हें सूक्ष्म-शैली की चीजें कहें, छोटी इकाइयाँ जो कहावतों में उपयोग की जाती हैं। वे निम्नोद, प्रभु के सामने एक शक्तिशाली शिकारी, उत्पत्ति 10.9 जैसी ऐतिहासिक सेटिंग में दर्ज हैं। जैसा कि हमने पुराने दिनों में कहा था, एक एकरेखीय था, एक ऐसा था, क्षमा करें, निम्नोद की तरह, जो प्रभु के सामने एक शक्तिशाली शिकारी था।

तो, एक-पंक्ति। कहावतों में, वे सभी दो पंक्तियाँ हैं, वे द्वि-विराम हैं, और कई बार वे विपरीत समानताएँ हैं। और इसलिए, फिर लोगों ने कहा, ठीक है, फिर वे एक पंक्ति से चले गए, और फिर समय के साथ वे काव्यात्मक दो पंक्तियों में विकसित हो गए।

यह बहुत सरल है. आप एक पंक्ति से दो पंक्ति तक नहीं जा सकते, यह कहें कि वहां विकास हो रहा है। यह बहुत सरल है.

संग्रह पैटर्न और सामग्री में फिट नहीं बैठता है। नीतिवचन की पुस्तक के भीतर स्पष्ट रूप से दो प्रकार के साहित्यिक रूप हैं। अब ये तो बड़े प्रकार हैं.

नीतिवचन 1-9 में निर्देश हैं। इन निर्देशों में नीतिवचन अध्याय 1-9 और फिर अध्याय 22-24 और फिर अध्याय 31 श्लोक 1-9 में भी निर्देश हैं। तो मोटे तौर पर नीतिवचन 1-9 ये 10 निर्देश हैं।

अध्याय 22-24 में भी निर्देश मिलते हैं। और फिर वाक्य कहावतें. वाक्य सूक्तियाँ नीतिवचन 10-22 और 25-29 में पाई जाती हैं।

नीतिवचन 10-22 और फिर 25-29 ये वाक्य सूक्तियाँ हैं। "बुद्धिमान पुत्र पिता के लिए खुशी लाता है, मूर्ख बेटा अपनी माँ के लिए दुःख का कारण बनता है।" वाक्य कहावतें.

तो फिर नीतिवचन की पुस्तक को इन निर्देशों में विभाजित किया गया है, 10 निर्देश, अध्याय 1-9, बाद में अध्याय 10 और उसके बाद के वाक्य कथन, जिसमें 22-24 एक तरह से अंतर्निहित हैं। अब कुछ लौकिक रूप। कहावत शब्द, जैसा कि हमने कहा, मशाल।

मशाल का उपयोग, जैसा कि हमने पहले कहा, विभिन्न शैलियों को टैग करने के लिए किया जा सकता है। तो, इसे एक लोकप्रिय कहावत के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है, इसे एक साहित्यिक सूक्ति के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है, इसे एक व्यंग्य गीत के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है, इसे एक उपशब्द, रूपक के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है, और वास्तव में जो मैंने यहां जोड़ा है वह भविष्यसूचक दैवज्ञ था बिलाम को मशालिम कहा जाता है। इनकी संख्या 23-7 है।

बिलाम की भविष्यवाणी को भी इस शब्द मशाल के अंतर्गत रखा गया है, जिसका अनुवाद वहां कहावतों के रूप में किया जाता है। अब लौकिक रूप, निर्देश। तो, यह हमारा पहला लौकिक माइक्रोफॉर्म, निर्देश है।

निर्देश इस प्रकार शुरू होते हैं, नीतिवचन अध्याय 1-9, 10 निर्देश, नीतिवचन 22-24। तो वे मोटे तौर पर दो खंड हैं, नीतिवचन 1-9। जब आप नीतिवचन पढ़ना शुरू करते हैं, तो ये लंबे व्याख्यान या निर्देश होते हैं। "हे मेरे बेटे, अपने पिता की आज्ञा सुनो। अपनी माँ की शिक्षा से इनकार मत करो," इस तरह की बात। "सुनो, मेरे बेटे, अपने पिता के निर्देशों को सुनो।"

फॉक्स नीतिवचन 1-9 के निर्देशों को 10 पिता-पुत्र व्याख्यानों में विभाजित करता है। अध्याय 1 श्लोक 8-19, अध्याय 2, 1-22, अध्याय 3, 1-12, वगैरह, वगैरह। आप वहां नंबर देख सकते हैं।

इन निर्देशों और इस पिता के निर्देश के बच्चे के रूप में, ये 10 पिता-पुत्र व्याख्यान पाँच अंतराल हैं। तो, तेजी, तेजी, तेजी उनके बीच में आती है। और यह नीतिवचन 1:20-33 और अध्याय 3:30, अध्याय 6:1-19, वगैरह है।

और अध्याय 8, पूरा अध्याय वहाँ, अध्याय 9, पूरा अध्याय वहाँ कुछ इस तरह की बात है। इन्हें अंतराल कहा जाता है। और इसलिए, उसके पास ये 10 पिता-पुत्र निर्देश हैं। "हे मेरे बेटे, अपने पिता की आज्ञा सुनो" इन अंतरालों के साथ, अध्याय 1-9 में अध्यायों के बीच में पाँच अंतराल छिड़के गए हैं। अब निर्देशों का स्वरूप क्या है? सबसे पहले, आपके पास एक कॉल है। नंबर एक, आपके पास "सुनने के लिए एक कॉल" है। "हे मेरे बेटे, अपने पिता की आज्ञा सुनो।" सुनो, मेरा बेटा अध्याय 2:1, अध्याय 3:1, 4:1, और 5:1 में है। वे इसी तरह शुरू करते हैं। "सुनो, मेरे बेटे," हेमा, सुनो, सुनो मेरे बेटे, यह सुनने या सुनने की पुकार है।

तो, सुनने के लिए बुलावे के बाद एक उपदेश दिया जाता है। सुनो और अपनी माँ की शिक्षा को मत त्यागो। उदाहरण के लिए, अध्याय 1:8, अध्याय 2:1बी से 5, अध्याय 3.1, अध्याय 4.1, अध्याय 5.3। ये उपदेश, सुनो, मेरे बेटे, सुनो, मेरे बेटे, मत त्यागो, एक उपदेश है।

तब आमतौर पर एक स्पष्ट प्रेरणा होती है। तो, निर्देश में, इसके बाद सुनने का आह्वान, उपदेश और फिर प्रेरणा होती है। प्रेरणा आम तौर पर होती है, जैसा कि हमने कहा, जब हमने मकसद खंड बनाया, तो आमतौर पर "के लिए" या "क्योंकि" था। "क्योंकि वे तुम्हारे सिर के लिये माला

ठहरेंगे।” नीतिवचन अध्याय 1.9, अध्याय 2.6, 3.2, और 5.3। इस तरह की चीज़ों के लिए या क्योंकि वे आपको जीवन और धन देंगे, इसकी स्पष्ट प्रेरणा है।

अब, नंबर चार, एक उचित पाठ है। और इसलिए नीतिवचन अध्याय 1:10 से 16 में, लौकिक ऋषि-पिता एक शिक्षा देते हैं। और फिर आमतौर पर इसका निष्कर्ष निकाला जाता है, नंबर पांच, इसका निष्कर्ष निकाला जाता है। और निष्कर्ष अक्सर एक कहावत हो सकता है।

तो, वह सौदे को पक्का करने के लिए एक वाक्य कहावत डालकर और यह कहकर सौदे को सील करने की कोशिश करके निष्कर्ष निकालता है, हाँ, देखो कि कहावत भी इसे जानती है। पक्षियों के सामने जाल फैलाना कितना व्यर्थ है। तो, वहां से निकल जाओ. मत बनो, एक पक्षी से अधिक होशियार बनो। जब आप उन्हें जाल लेकर आते देखते हैं तो ये गुंडे आपसे हिंसा करवाने की कोशिश कर रहे होते हैं. वहां से बाहर निकलो। यहां तक कि एक गूंगा पक्षी भी उड़ जाता है जब वह देखता है कि कोई उसके पीछे जाल लेकर आ रहा है। तो यह कहावत चरितार्थ होती है कि जब जाल उसके पीछे आता है तो पक्षी भी उड़ जाता है। तो यह निर्देशों के रूप में है।

इसमें 10 व्याख्यान तीन उपसमूहों में विभाजित हैं। प्रशिक्षुता के लिए आह्वान है और कई निर्देश प्रशिक्षुता के लिए आह्वान हैं, याद रखने और पालन करने के लिए आह्वान हैं, अध्याय तीन, अध्याय चार। अवैध यौन संबंधों के खिलाफ चेतावनी, और यह नीतिवचन, नीतिवचन पांच, अध्याय छह, श्लोक 20 से 35 और अध्याय सात में बहुत बड़ा है।

तो, अध्याय पाँच और सात और अध्याय छह का अंत सभी अवैध यौन संबंधों के बारे में चेतावनी के बारे में बात करते हैं और यह बहुत स्पष्ट है और इसी तरह की चीज़ें हैं। और ये हैं 10 निर्देश. अंतराल मैडम विजडम द्वारा उनके निर्देश की प्रशंसा करते हुए दिए गए संबोधन हैं।

तो, मैडम विजडम को यहां व्यक्त किया गया है। बुद्धि बोलने वाली है. वह एक महिला है और वह बोलने जा रही है और वह अपने निर्देशों की प्रशंसा करने जा रही है।

ध्यान दें कि महिला ज्ञान की शिक्षा दे रही है। क्या महिलाओं को बोलने देना अच्छा है? हाँ, यहाँ, यह मैडम विजडम है और वह नीतिवचन अध्याय 10 या एक छंद 20 से 20, 33 में अपने निर्देशों की प्रशंसा कर रही है जो अध्याय 9 और 31 में उसके गुणों को दर्शाती है। और वैसे, जब मैं यहाँ हूँ तो मुझे यह करने दीजिए और मैं इसके बारे में सोच रहा हूँ.

यह मेरे लिए बहुत दिलचस्प है. नीतिवचन की किताब अध्याय एक में मैडम विजडम के बोलने से शुरू होती है, जहां वह बाहर जाती है और सभी लोगों को अंदर आने के लिए कहती है। मैडम विजडम, मैं खुद को स्वतंत्र रूप से पेश करती हूँ, लेकिन आपको मुड़ना होगा, और अपने सरल तरीकों को छोड़ना होगा।

इसकी शुरुआत मैडम विजडम से होती है और फिर नीतिवचन अध्याय 31, मेरा मानना है कि मैडम विजडम के साथ समाप्त होता है। और यदि आप नीतिवचन अध्याय 31 पढ़ते हैं, तो मुझे लगता है कि यह इस बात का वर्णन है कि मैडम विजडम, मैडम विजडम से शादी करना कैसा होता है, वह आपकी कैसे सेवा करेंगी। और इसलिए, कुछ अर्थों में, मुझे लगता है कि नीतिवचन

31 एक वास्तविक महिला के बारे में नहीं है, बल्कि मैडम विजडम के बारे में है, बुद्धि का यह अवतार है ताकि नीतिवचन मैडम विजडम से शुरू होता है और मैडम विजडम के साथ समाप्त होता है।

मैडम विजडम को डेट करना कुछ ऐसा ही है। और मैडम विजडम से शादी करना कैसा होता है और वह आपकी कैसे सेवा करेगी। लेकिन वैसे, ऐसे बहुत से लोग नहीं हैं जो मेरी इस बात से सहमत हों। तो, आप जानते हैं, मैं कह रहा हूँ कि उसके द्वारा एक प्रश्न चिह्न लगाएं। यह मेरी अजीब चीजों में से एक हो सकता है, लेकिन मुझे लगता है कि यह एक तरह की शुरुआत और अंत है, मैडम विजडम और मैडम विजडम की शादी उनसे हुई है, नीतिवचन 31, वीडब्ल्यू की गुणी महिला। ठीक है।

अब नीतिवचन वास्तविक वाक्य निर्देश। हमने बस वही किया, नीतिवचन 1-9। अब मैं चेतावनियों के बारे में बात करना चाहता हूँ।

एक चेतावनी आमतौर पर एक अनिवार्यता है। यह एक आदेश है। यह ऐसा है जैसे "अपने हृदय की रक्षा करो क्योंकि जीवन की चीज़ें इसी से आती हैं।" नीतिवचन 4:23, अपने हृदय की रक्षा करो। मेसोपोटामिया और मिस्र के ज्ञान साहित्य दोनों में चेतावनियाँ पाई जाती हैं। नीतिवचन 1-9 और नीतिवचन 22-24 में चेतावनियों की उच्चतम सघनता पाई जाती है।

क्या आपको कनेक्शन मिला? नीतिवचन 1-9, 22-24, वही बात है जो हमने निर्देशों में देखी थी, लेकिन उन अनुभागों में चेतावनियाँ भी भारी हैं। चेतावनियों का वास्तुशिल्प सूत्र सुनने का आह्वान और एक शर्त है, यदि आप ऐसा करते हैं, और फिर अनिवार्य है, यह करें या ऐसा न करें। ठीक है।

ये करो या ये मत करो। और फिर एक प्रेरणा, कुंजी, क्योंकि, और फिर एक सारांश निर्देश है। और इसलिए, ये चेतावनियाँ सामने आती हैं और वे चेतावनियाँ हैं।

वे या तो चेतावनी दे रहे हैं या निषेध कर रहे हैं, शायद यह कहने का यही तरीका है, गतिविधि पर रोक, निषेध या आदेश, यह करें या ऐसा न करें। और वे आम तौर पर एक अनिवार्य प्रकार की चीज़ हैं। उदाहरण के लिए, नीतिवचन 3-5 जिसे हम सभी जानते हैं, "अपने सम्पूर्ण मन से प्रभु पर भरोसा रखो।" यह अनिवार्य है। यह एक जनादेश है। यह अनिवार्य रूप से करें, "अपने पूरे दिल से प्रभु पर भरोसा रखें।"

और फिर क्यों? प्रेरणा क्या है? वह तुम्हारा मार्ग सीधा कर देगा। यही मकसद है। तो, तुम्हें आज्ञा है, पूरे मन से प्रभु पर भरोसा रखो। मकसद क्या है? क्योंकि "वह तुम्हारा मार्ग सीधा करेगा।" तो यह एक चेतावनी है। चेतावनी या तो सकारात्मक हो सकती है, आदेश हो सकती है, भगवान पर भरोसा हो सकता है, या नकारात्मक निषेध हो सकता है।

मेरे बेटे, उन गुंडों के साथ मत घूमो जो नीतिवचन 1--निषेध में लोगों को लूटने की कोशिश कर रहे हैं। निषेध उसी रूप में हैं, परंतु नकारात्मक रूप में। नीतिवचन 3:11, "प्रभु की शिक्षा का तिरस्कार मत करो।"

तो, एक नकारात्मक होगा. प्रभु के अनुशासन का तिरस्कार मत करो। क्यों? क्योंकि प्रभु उन लोगों को अनुशासित करता है जिनसे वह प्रेम करता है।

वहाँ तुम्हें प्रभु के अनुशासन का तिरस्कार नहीं करना चाहिए, नकारात्मक, बस एक प्रकार की अनिवार्य बात है क्योंकि वहाँ उद्देश्य समझाना है। तो, नीतिवचन 23:3-14 में वास्तव में चेतावनियों की एक श्रृंखला है। तो, इनमें से एक श्रृंखला है और वे सभी एक साथ कैसे जुड़ते हैं। उसके व्यंजनों का तिरस्कार मत करो। धन प्राप्त करने के लिए परिश्रम मत करो. कंजूस आदमी की रोटी मत खाओ. मूर्ख के सामने मत बोलो। प्राचीन मील का पत्थर न हिलाएं. बच्चे से अनुशासन न छीनें.

तो, यह मत करो, मत करो, मत करो। वे निषेध हैं, चीजों का निषेध करना। और इसे इस चेतावनी प्रकार के प्रारूप में रखा गया है, नीतिवचन 23:3-14, एक तरह से उन्हें एक साथ जोड़ रहा है।

अब यहाँ एक और है जो मज़ेदार है। इसे संख्यात्मक कहावत कहते हैं. तो, यह नीतिवचन के अंदर एक और सूक्ष्म शैली की चीज़ है, बड़ी कहावतें।

यह एक सूक्ष्म, उन रूपों में से एक है जो ज्ञान लेता है। इसे संख्यात्मक कहावत कहते हैं. और मुझे इसके साथ थोड़ा मजा लेने दो। मुझे लगता है कि वे बड़े पैमाने पर हैं, संख्यात्मक कहावतें बड़े पैमाने पर नीतिवचन 30 में पाई जाती हैं। नीतिवचन 30, आपके पास इनका एक समूह है। तीन चीजें मेरे लिए बहुत आश्चर्यजनक हैं [सीएफ। 6:16]।

क्या आपको वहां नंबर दिख रहा है? “तीन चीजें मेरे लिए बहुत आश्चर्यजनक हैं। चार, मुझे समझ नहीं आता. आकाश में उकाब की चाल, चट्टान पर सांप की चाल, गहरे समुद्र में जहाज की चाल, और स्त्री के साथ पुरुष की चाल।

आप देख सकते हैं कि इसमें इन सभी प्रकार की प्राकृतिक चीजों का उपयोग किया जा रहा है। और फिर चौथे नंबर पर आती है पंचलाइन. क्योंकि तीन बातें अद्भुत हैं, चार मेरी समझ में नहीं आतीं।

तीन के लिए और चार के लिए, इस तरह की बात। और फिर एक पुरुष का एक महिला के साथ कैसा व्यवहार. पैटर्न यह है कि एक्स और एक्स प्लस वन हैं।

तो, वहाँ तीन हैं और फिर चार हैं, और इस तरह की बात। उदाहरण बड़े पैमाने पर नीतिवचन 30 में पाए जाते हैं, लेकिन अध्याय 6, छंद 16 से 19, 26 वगैरह में भी मिलते हैं। अमोस 1 और 2 एक भविष्यवक्ता है जो दमिश्क के खिलाफ तीन पापों के लिए इसका उपयोग करता है और चार के लिए, मैं आकर दमिश्क को मिटा दूंगा। और तीन पापों के लिये और चार पापों के लिये, एदोम ने उनको इसलिये कि तू ने ऐसा किया। तीन पापों के लिये और चार पापों के लिये, मोआब, क्योंकि तू ने ऐसा किया। और इसलिए, अमोस अपनी भविष्यसूचक चीजों में भी उपयोग के लिए एक संरचना के रूप में तीन प्लस चार का उपयोग करता है।

तो, मैं जो कह रहा हूँ वह यह है कि ये सिर्फ ज्ञान नहीं हैं, सिर्फ कहावतें नहीं हैं। अमोस 1 और 2 में भविष्यसूचक कथनों में सूक्ष्म-शैली का बहुत प्रभावी ढंग से उपयोग किया गया था। संख्यात्मक कहावतें प्रकृति, समाज, नैतिकता और यहां तक कि धर्मशास्त्र और अय्यूब से ली गई हैं। तो यह संख्यात्मक कहावतें हैं।

अब कहावतों से भी बेहतर और कहावतों से भी बेहतर तरह की चीजें हैं, हमारे पास चीजें हैं, धर्मी और दुष्ट, आलसी और मेहनती, बुद्धिमान और मूर्ख। यह एक प्रकार का बाइनरी सेटअप है।

कहावतों में थोड़ा-सा धुंधलापन जितना अच्छा है, वह गरीब व्यक्ति जो अपनी ईमानदारी से चलता है, उस व्यक्ति से बेहतर है जो बोलने में टेढ़ा है और मूर्ख है। नीतिवचन 19:1. ब्रायस और ओगडेन ने कहने से बेहतर इस पर दो लेख लिखे हैं, और वे बहुत अच्छे लेख हैं। आधुनिक स्वरूप देर आये दुरुस्त आये, देर आये दुरुस्त आये।

अमेनेमोप, वैसे, मिस्र के ज्ञान साहित्य में नीतिवचन से भी बेहतर है। प्रसन्न मन वाली रोटी, उदासी वाले धन से उत्तम है। कुछ कहावतों की तरह लगता है, है ना? प्रसन्न मन वाली रोटी, उदासी वाले धन से उत्तम है।

इसलिए, Y की तुलना में बेहतर X को अक्सर बढ़ाया जाता है, फिर इसमें B प्लस Y की तुलना में A प्लस X बेहतर होता है। और इसलिए, यह अक्सर दो-दो के साथ इस चार गुना चीज़ को लेता है। बी प्लस वाई की तुलना में ए प्लस एक्स बेहतर है। इसलिए, उदाहरण के लिए, नीतिवचन 16:8 में, आपको यह मिलता है "न्याय के बिना बड़ी संपत्ति की तुलना में धार्मिकता के साथ थोड़ा सा बेहतर है।" इसलिए बी के साथ वाई की तुलना में ए प्लस एक्स बेहतर है। "न्याय के बिना बड़ी संपत्ति की तुलना में धार्मिकता के साथ थोड़ा सा भी बेहतर है।"

और नीतिवचन 12:9, 17:1, 19:1, और 21:9 है। अक्सर एक युग्मित घटना होती है। हम नीतिवचन युग्म और इन कहावतों से बेहतर से गुज़रे। आमतौर पर, वे अलग-अलग होते हैं, लेकिन नीतिवचन 15:16 और 17 में, एक के बाद एक दो नीतिवचन बेहतर हैं।

तो फिर इसमें भिन्नता है, याद रखें कि हमने घुमा-फिराकर कहावतों और विविधताओं के बारे में कैसे बात की थी? कोई अच्छी कहावतें नहीं हैं। नीतिवचन से भी बेहतर है। कोई अच्छी कहावतें नहीं हैं।

और वे अध्याय 17.26 और 18.5 में पाए जाते हैं। यह अच्छी तरह की कहावत नहीं है। तो यह कहावतों से बेहतर को तोड़-मरोड़ कर पेश करने का एक रूप है।

तुलनात्मक कहावतें हैं। यह तुलनात्मक कहावतों की एक अन्य शाखा है। इनका उपयोग एक क्षेत्र की दूसरे क्षेत्र के साथ सादृश्य तुलना के रूप में किया जाता है। सुमेर में, सुमेर की कहावतें, हम "उस कुत्ते की तरह हैं जिसके पास सोने के लिए कोई जगह नहीं है।" वह उस कुत्ते की तरह है जिसके पास सोने के लिए कोई जगह नहीं है। नीतिवचन में ही एक शहर की तरह, नीतिवचन 25:28, "जिस व्यक्ति में आत्मसंयम की कमी है वह टूटी हुई दीवारों वाले शहर की तरह है।"

“जैसे गर्मी में बर्फ या फसल के समय बारिश होती है, वैसे ही सम्मान मूर्ख के लिए उपयुक्त नहीं है।” नीतिवचन 26:1 और 2 वगैरह, “गौरैया के समान और वह उड़ती है, और निगल के समान जो उड़ती है, अकारण शाप नहीं मिटता।” नीतिवचन 25 और 26 में उपमा तुलनात्मक समूहों की उच्च सांद्रता है। इसलिए नीतिवचन अध्याय 25 और 26, आपके पास इन समूहों पर बहुत सी कहावतें हैं, नीतिवचन 25 छंद 28 से 26.2, किस प्रकार का शो 25:28 जाता है 26.2 आपको दिखाता है कि शायद अध्याय 25 और 26 के बीच अध्याय विभाजन शायद गलत जगह पर है।

और हमने कहा कि अन्य समयों में जब हमने बात की थी, अध्याय प्रभाग 1200 या 1300 ईस्वी में जोड़े गए थे। अतः अध्याय विभाजन ईश्वर से प्रेरित नहीं हैं। इन्हें एक बिशप द्वारा जोड़ा गया था।

डॉ. मैकरे हमेशा कहते थे कि बिशप अपने घोड़े पर सवार है और कभी वह आगे जाता है तो कभी पीछे जाता है। इसलिए, जब आप किसी अध्याय के विभाजन पर आते हैं तो आपको हमेशा यह पूछना पड़ता है कि क्या इन अध्यायों को एक साथ रखा जाना चाहिए? क्या वहाँ कोई जानूस है जहाँ आप आगे देखते हैं, पीछे देखते हैं? वहाँ क्या कनेक्शन हैं? तो, हम 25:28 से 26.2 में देखते हैं, अध्याय विभाजन संभवतः गलत जगह पर रखा गया है, लेकिन हम इसे बाद की चर्चा के लिए छोड़ देंगे।

घृणित कहावत, घृणित कहावत, यहाँ तुम्हें दुष्टों का मार्ग मिलता है, घृणित बात है या प्रभु उससे घृणा करते हैं। तो मुझे लगता है कि ईएसवी इसका अनुवाद इसी तरह करता है। दुष्टों के चालचलन से यहोवा को घृणा आती है, नीतिवचन 15:9, नहीं तो यहोवा इस से घृणा करता है। कुछ लोगों ने गलत तरीके से प्रस्तावित किया कि जिन नीतिवचनों में याहवे या भगवान का उल्लेख किया गया है, वे बाद में प्रारंभिक, अधिक धर्मनिरपेक्ष कहावत संग्रह में शामिल किए गए थे।

दूसरे शब्दों में, मैककेन ने, जब उन्होंने अपनी टिप्पणी लिखी थी, इसे अब वास्तव में स्वीकार नहीं किया गया है, इसे खारिज कर दिया गया है, लेकिन बड़े पैमाने पर उनके पास एक धर्मनिरपेक्ष था, वाक्य में कही गई बातें धर्मनिरपेक्ष थीं, और फिर वे मूल रूप से इस महान धार्मिक सामग्री में विकसित हुईं। तो यहीं पर यहोवा की बातें या घृणित बातें, प्रभु के प्रति घृणा, बाद में जोड़ी गई क्योंकि यह धर्मनिरपेक्ष से पवित्र की ओर विकसित हुई। यह भेद अब सुमेरियन कहावतों, जिन्हें मैं आज सुबह देख रहा था, और मिस्र की कहावतों, वगैरह, वगैरह, दोनों से ही अस्वीकृत हो गया है, जहाँ सभी आरंभिक कहावत सेटों में देवताओं का उल्लेख किया गया है।

इसके विपरीत, कुछ आरंभिक सुमेरियन संग्रहों में भी यह रूप है, जो देवताओं का संदर्भ देता है। मौतों को साफ़ नहीं किया गया है, और यूटू के लिए यह घृणित है। एल्स्टर का उल्लेख एक सुमेरियन के रूप में किया गया है, बहुत प्रारंभिक कहावत है, मौतों को साफ़ नहीं किया जाता है। वे सुमेर के देवता उतु के लिए घृणास्पद हैं। वहाँ भी झूठे तराजू से यहोवा को घृणा आती है, परन्तु वह ठीक बाट से प्रसन्न होता है, नीतिवचन 11:1.

विपरीत समानता, घृणित, भगवान के लिए घृणित है, और यह उसकी प्रसन्नता है। आम तौर पर एक विपरीत समानता में, यह एक चीज़ भगवान के लिए घृणास्पद है, लेकिन यह उनकी प्रसन्नता है।

तो, यह कहता है कि झूठा संतुलन भगवान को घृणित है, लेकिन एक सटीक तरीका उसे प्रसन्न करता है। और इसलिए, घृणा और आनंद विपरीत समानता में समान हैं। यहाँ एक बात है जिसे आपमें से अधिकांश लोग जानते हैं, और वह एक आनंददायक बात है।

धन्य एक कहावत है जो धन्य, अशरे, या बारुक शब्द से शुरू होती है। हिब्रू में धन्य के लिए कुछ शब्द हैं, और मैं वहाँ अनुवाद संबंधी मतभेदों में नहीं पड़ना चाहता। लेकिन परमानंद, या एक मकरवाद, जैसा कि वे इसे कहते हैं, तब शुरू होता है जब मैं परमानंद कहता हूँ, लगभग हर कोई वहाँ परमानंद में पहाड़ी उपदेश के बारे में सोचता है। धन्य हैं वे जो हृदय के शुद्ध हैं, क्योंकि वे परमेश्वर को देखेंगे। धन्य हैं वे जो आत्मा में गरीब हैं। और इसलिए, आप पाते हैं कि वे धन्य हैं जिनके हृदय शुद्ध हैं और वे धन्य हैं जो नीतिवचन में धार्मिकता के भूखे और प्यासे हैं।

यह मैथ्यू 5 में है, पहाड़ी उपदेश। वैसे, यह भजनों में भी पाया जाता है। भजन की शुरुआत कैसे होती है? स्तोत्र 1 को ज्ञान स्तोत्र माना जाता है।

बुद्धि क्या है, बुद्धि स्तोत्र इन सभी बातों पर बड़ी बहस होती रहती है। परन्तु "धन्य वह मनुष्य है जो दुष्टों की युक्ति पर नहीं चलता, पापियों के मार्ग में खड़ा नहीं होता, और अपमानित लोगों की गद्दी पर नहीं बैठता। परन्तु वह यहोवा की व्यवस्था से प्रसन्न है।"

धन्य है वह व्यक्ति. तो इसकी शुरुआत भजन 1:1 से होती है और इसकी शुरुआत इस "धन्य है वह व्यक्ति" या "धन्य है वह एक" से होती है। यह मिस्र के निर्देशों में भी दिखाई देता है।

और नीतिवचन 8:32, श्लोक 34, अध्याय 29:18, नीतिवचन 18:14 कहता है, "धन्य है वह जो सदैव प्रभु का भय मानता है।" वहाँ है। नीतिवचन 28:14, "धन्य है वह जो यहोवा का भय मानता है, सदैव यहोवा का भय मानता है।" और इसलिए इसे परमानंद कहा जाता है या मैकरिज़्म उसी का दूसरा नाम है।

अब, यहोवा के कथन, ये वे कथन हैं जो प्रभु के नाम का उल्लेख करते हैं। हम लॉर्ड का अनुवाद बड़े अक्षरों एल, बड़े आर, बड़े एल, बड़े ओ, बड़े आर, बड़े डी के साथ करते हैं, और वे सभी बड़े अक्षरों में हैं।

यह यहोवा शब्द के लिए एक स्टैंड-इन अडोनाई है, जो भगवान का सबसे पवित्र नाम है। यहोवा ने 375 कहावतें नोट कीं, जो सुलैमान के दिलचस्प नाम हैं। अगर आप सोलोमन का नाम लें तो 300 हैं यानी 375.

उनके पास कोई अलग संख्या प्रणाली और वर्णमाला नहीं थी। इसलिए, उन्होंने संख्याओं के लिए अपनी वर्णमाला का उपयोग किया। और यदि आप सुलैमान का नाम लें, तो यह 375 है। 375 नीतिवचन हैं। उन 375 में से 55 या 15% यहोवा के कथन हैं। 15% यहोवा की बातें हैं।

नीतिवचन अध्याय 15 और 16 में नीतिवचन अध्याय 15 और 16 में यहोवा की इन बातों का उच्च संकेंद्रण है। खंड 15:33 से 16.9 यहोवा की बातों का एक केंद्रित संग्रह है, जिसके बाद 16:10 से 15 में राजा की एक शृंखला आती है। कहावतें, मलक कहावतें, राजा कहावतें। तो, आपके पास यहोवा के कथनों की एक शृंखला है जिसके बाद राजा के कथनों की एक शृंखला है।

और यह फिर से दरबारी, ऋषि, शाही दरबार की उत्पत्ति और इनमें से कुछ राजा सोलोमन प्रकार की कहावतों को दर्शाता है। इनक्लूसियो पुस्तक की शुरुआत और अंत भगवान के भय से करता है। भगवान का भय ज्ञान की शुरुआत है। अध्याय 1:7 और नीतिवचन अध्याय 31:30, प्रभु का भय मानना। यह एक ऐसी महिला है जो प्रभु से डरती है। तो, यह प्रभु के भय से शुरू और समाप्त होता है।

और इसलिए, प्रभु का भय बहुत कुछ है जो यहोवा के कथनों में से एक है। सामूहिक स्तर पर यहोवा की बातें, हेम ने इसे नीतिवचन 21:1 से 32 में नोट किया है। श्लोक 1 से 3 में यहोवा की बातें हैं। श्लोक 5 में बी परिश्रम है। श्लोक 9 में सी सताने वाली पत्नी है। सी प्रधान सताने वाली पत्नी है। श्लोक 19. फिर श्लोक 25 में आलस्य, वहां बी में परिश्रम के विपरीत। और फिर यह श्लोक 30 से 31 में यहोवा के कथनों के साथ समाप्त होता है। इसलिए हेम नीतिवचन अध्याय 21 को एक लघु-संग्रह के रूप में देखता है और यह एक दिलचस्प विचार है।

और मुझे लगता है कि हेम ने हमेशा की तरह या आमतौर पर उसके साथ सब कुछ सही किया है। वह अपना गृहकार्य करता है। अब, विपरीत कहावतें, कहावतें जो सुमेरियन काल में एक दूसरे के विपरीत हैं।

और वैसे, इनमें से कुछ विरोधाभासी हैं। मुझे लगता है कि उनमें से कुछ हास्य के लिए किये गये हैं। और इसलिए, सुमेरियन काल में यह कहा गया है कि "3,600 बैलों से कोई गोबर नहीं निकलता।"

वास्तव में? क्या बिल गेट्स उस सारी मीथेन को ले जाने के लिए उसके पीछे पड़ गये थे? नहीं, यह सुमेरियन काल की बात है। इसमें लिखा है, "3,600 बैलों से कोई गोबर नहीं निकलता।"

आधुनिक कहावतें ऐसी ही हैं। अनुपस्थिति हृदय को स्नेहपूर्ण बना देती है या यह दृष्टि से, दिमाग से दूर हो जाती है? शायद यह एक टेढ़ी-मेढ़ी कहावत है। अनुपस्थिति दिल को भटका देती है। कहावत द्वंद.

इनमें से एक मेरी बेटी के पास था। मैंने यह पहले भी कहा था. मेरी बेटी, वहाँ रात के लोग होते हैं और वहाँ सुबह के लोग होते हैं, है ना? और जब मेरी पहली शादी हुई तो मैंने कोशिश की कि मैं अपनी पत्नी को एक नाइट पर्सन के रूप में पेश करूं।

मैंने उसे एक सुबह के इंसान में बदलने की कोशिश की क्योंकि आखिरकार शुरुआती व्यक्ति को कीड़ा मिल ही जाता है। और मुझे कई वर्षों के बाद एहसास हुआ, वास्तव में, इसमें मुझे कई, कई वर्ष लग गए। मैं इस चीज़ को सीखने में थोड़ा धीमा हूँ। और इसलिए, मुझे अंततः एहसास हुआ

कि वह एक रात्रि व्यक्ति है। वह अपना सबसे अच्छा काम आधी रात से 2 बजे के बीच करती है मैं अपना सबसे अच्छा काम मूल रूप से सुबह 5.30 से लगभग 9 बजे के बीच करता हूँ। ठीक है।

और इसलिए, मैं अपनी बेटी को बिस्तर से उठाने की कोशिश कर रहा था क्योंकि हमें स्कूल और इसी तरह की चीजों में भागना था और उसे ले जाना था। तो, मैंने उसे वह उद्धृत किया। "जल्दी उड़ने वाला पक्षी कीड़ा प्राप्त करता है।" "जल्दी उड़ने वाला पक्षी कीड़ा प्राप्त करता है।" और वह क्या लेकर वापस आई? बिना किसी स्पष्ट नज़र के, मेरी बेटियाँ, दोनों बेटियाँ और मेरे बच्चे वास्तव में उनके माता-पिता के रूप में मुझसे अधिक होशियार हैं, लेकिन वह लगभग पलक झपकाए बिना ही वापस आ गई। मैंने कहा, "कीड़ा शुरूआती पक्षी को ही मिलता है।" वह कहती है, हाँ, पिताजी, "लेकिन पनीर दूसरे चूहे को मिलता है।"

उस बारे में सोचना। "जल्दी उड़ने वाला पक्षी कीड़ा प्राप्त करता है।" और फिर उसने इसका खंडन करते हुए कहा, हाँ, "लेकिन पनीर दूसरे चूहे को मिलता है।" मुझे नहीं पता कि उसे वह कहां से मिला। मैंने उसे यह नहीं सिखाया। लेकिन फिर भी, वह अभी-अभी आई और उसने वैसा ही किया। और वह मुझे मिल गई.

हम नीतिवचन अध्याय 26:4 और 5 में देखते हैं। "मूर्ख को उसकी मूर्खता के अनुसार उत्तर न देना, कहीं ऐसा न हो कि तुम भी उसके समान बन जाओ।" अगला पद, "मूर्ख को उसकी मूर्खता के अनुसार उत्तर दे, ऐसा न हो कि वह अपनी दृष्टि में बुद्धिमान ठहरे।" तो, यह बंधन तोड़ देता है। ये विरोधाभासी या विरोधाभासी कहावतें नीतिवचनों को सार्वभौमिक बनाने और हठधर्मी बनाने की कोशिशों के सिलसिले को तोड़ देती हैं। आप ऐसा नहीं कर सकते.

आप उन्हें अलग-थलग नहीं कर सकते और उन्हें इस तरह सार्वभौमिक नहीं बना सकते। यह अधिक बहु-स्थितिजन्य है और इनका उपयोग विभिन्न सेटिंग्स में किया जाता है। लेकिन वापस जाएं और उस वीडियो को देखें जो मैंने नीतिवचन अध्याय 26:4 और 5 पर किसी मूर्ख को उत्तर देने के लिए या मूर्ख को उत्तर न देने के लिए बनाया था।

लेकिन इनमें से कुछ चीजें चंचल होने के लिए होती हैं और इस तरह की हंसी-मजाक, संतों के बीच एक ज्ञान प्रतियोगिता जैसी चीजें होती हैं, यदि आप चाहें। तो अब रचनात्मक इकाइयाँ, सेप्टुआजेंट या सेप्टुआजेंट या एलएक्सएक्स संग्रह को पुनः व्यवस्थित करती हैं। और इसलिए, उदाहरण के लिए, नीतिवचन अध्याय 30 में एक से 14 श्लोक वास्तव में नीतिवचन 24, 22 के बाद हैं।

तो, नीतिवचन 30, जो यहां नीचे सेप्टुआजेंट में है, ग्रीक सेप्टुआजेंट, एक ग्रीक अनुवाद है, मैं इस चीज़ की बहस में नहीं पड़ना चाहता, लेकिन जैसा कि मैं कहता हूँ, 200 ई.पू.। इसलिए लगभग 200 ईसा पूर्व, उन्होंने हिब्रू पाठ लिया और अलेक्जेंड्रिया में इसका ग्रीक में अनुवाद किया। और ठीक है, वहाँ बहुत सारी कहानियाँ हैं जिन्हें हम जानते हैं। वैसे भी, इसलिए उन्होंने अध्याय 30 लिया और उसे वापस ले आये। तो, यह अध्याय 24:22 के बाद है। और उन्होंने अध्याय 30 श्लोक 15 से अध्याय 31:9 तक लिया और उसे अध्याय 24:34 के बाद रखा।

और इसलिए, क्या होता है कि अध्याय 30 वापस चला जाता है और फिर अध्याय 31 वापस चला जाता है और वे दोनों उस जगह से बाहर हो जाते हैं जिस तरह से हम अपने हिब्रू पाठ में करेंगे। तो, कुछ लोग सोचते हैं कि कैनन वास्तव में सेप्टुआजेंट के उस बिंदु से तय नहीं हुआ था और चीजें इधर-उधर हो गईं। नीतिवचन 25 :1 में हिजकिय्याह के लोगों द्वारा सुलैमान की नीतिवचनों की नकल करने के संपादकीय कार्य का उल्लेख है।

तो, सुलैमान की कहावतें, बड़ा संग्रह, हिजकिय्याह के आदमी बाहर जाते हैं और इसे लेते हैं और इसे संपादित करते हैं। तो, अब आपके पास एक कहावत का लेखक और लेखक से एक कहावत का क्या मतलब है, दोनों हैं, लेकिन आपके पास संपादक भी हैं और जब संपादकों ने इसे संग्रह में रखा तो उनका क्या मतलब था और उन्होंने इसे अन्य कहावतों से कैसे जोड़ा? तो, आपके पास वास्तव में अर्थ के दो स्तर हैं, फिर लेखकीय अर्थ, संपादकीय अर्थ, और तब आपको अर्थ मिलता है जब आप इसे विभिन्न संदर्भों में उपयोग करते हैं और इसका उपयोग सभी विविध हो सकता है जैसा कि हमने पहले ही कहा है।

अब लघु-शैली की एक और इकाई या प्रकार कहावत जोड़े हो सकते हैं। मैंने नीतिवचन जोड़ों पर पूरा व्याख्यान दिया और आप अध्याय 15:1-2 में देख सकते हैं जहां इसका विषय एक संज्ञा वाक्यांश, एक क्रिया और फिर एक वस्तु एक संज्ञा है, ये सभी एक पंक्ति में हैं। सभी चार पंक्तियों की वाक्यात्मक संरचना समान है, एसवीओ, एसवीओ, एसवीओ, एसवीओ।

नीतिवचन 13:21-22, पापियों को तो विपत्ति सताती है, परन्तु धर्मियों को अच्छी वस्तु का प्रतिफल मिलता है। एक भला आदमी, टोव, एक विरासत छोड़ देता है, लेकिन पापी का धन धर्मियों के लिए छोड़ दिया जाता है। तो, आप अध्याय 13:21-22 में देखें, यह पापियों से शुरू होता है और पापियों पर समाप्त होता है। यह हातिम शब्द कहावत को शुरू और खत्म करता है और बीच में दो शब्द जो पीछे-पीछे आते हैं, पहले में तोव, अच्छी चीज़, और दूसरी कहावत में अच्छा आदमी, व्यक्ति। तो बीच में टोव और फिर बाहर पापी। तो, यह एबी बी ए है, वहां एक चिस्टिक संरचना है, लेकिन इसमें यह आवरण भी है या जिसे वे इनक्लूसियो कहते हैं जहां शुरुआत और अंत बिल्कुल एक ही शब्द हैं।

केवल उन्हें एक साथ फेंकने से ऐसा होने की क्या संभावना है? जी नहीं, धन्यवाद। नीतिवचन 26:4 और 5, "मूर्ख को उसकी मूर्खता के अनुसार उत्तर दो।" अगले श्लोक में, "मूर्ख को उसकी मूर्खता के अनुसार उत्तर न देना।" यह एक स्पष्ट जोड़ी है, नीतिवचन 26:4 और 5। वैसे मैंने उन्हें पलट दिया।

लिंक, थीम लिंक नीतिवचन 12:18 और 19 दोनों भाषण के विषय के माध्यम से जुड़े हुए हैं। और फिर भी जबकि इसमें भाषण का उल्लेख है, और इसमें भाषण के बारे में कई शब्दों का उल्लेख है, उनमें से कोई भी साझा शब्द नहीं है, लेकिन विषय वही है।

तो, रूपक और उपमा, नीतिवचन 14:26 और 27, प्रभु के भय में, व्यक्ति को दृढ़ विश्वास होता है और उसके बच्चों को शरण मिलेगी। अगला श्लोक, प्रभु का भय जीवन का एक झरना है जिससे व्यक्ति मृत्यु के उपहास से दूर हो सकता है। और इसलिए, यह ईश्वर का भय है, प्रभु का भय है,

प्रभु का भय है, एक पंक्ति में दो प्रभुओं का भय है। यह सचमुच दुर्लभ है। और, लेकिन फिर भी यह पाया गया है। और इसलिए वे युग्मित इकाइयाँ हैं। तो, कहावत जोड़े हैं। इसलिए, जब आप पढ़ते हैं, तो आप इन जोड़ियों को देखते हैं और फिर देखते हैं कि वे एक-दूसरे के साथ कैसे बातचीत करते हैं और यह व्याख्यात्मक रूप से मदद करता है। यह आपको एक और दृष्टिकोण देता है।

संग्रह में कहावत का संदर्भ क्या है? खैर, जाहिरा तौर पर जोड़ियों ने एक-दूसरे के साथ भी बातचीत की, दो कहावतें। तो, नीतिवचन अध्याय 10-29 में, 595 छंद हैं, उनमें से 595, 124 जोड़े गए थे। यह उन वाक्य कहावतों में अध्याय 10 से 29 का लगभग 21% है, लगभग 21% यह युग्मित घटना है जहां दो कहावतें एक दूसरे के साथ बातचीत करती हैं। और इसलिए, मैं सिर्फ कहावत जोड़ कह रहा हूँ।

कहावत एक्रोस्टिक. एक्रोस्टिक क्या है? ठीक है, मैं आपको एक्रोस्टिक दिखाऊंगा, लेकिन नीतिवचन 31, गुणी महिला या वीडब्ल्यू गुणी महिला, उसकी 22 पंक्तियाँ हैं। प्रत्येक वर्णमाला के अगले अक्षर से शुरू होता है। तो, यह ए, बी, सी, डी, ई, एफ, जी, एच, आई, जे है। यह वर्णमाला, हिब्रू वर्णमाला के नीचे जाता है, और प्रत्येक पंक्ति अगले श्लोक से शुरू होती है। अब आप उसे अंग्रेजी में नहीं देख सकते. आप उसे अंग्रेजी में नहीं देख सकते. क्या आप अनुवाद में चीज़ें खो देते हैं? हाँ। इसलिए तुम्हें हिब्रू सीखनी चाहिए. आप चीज़ें खो देते हैं, खासकर कविता में, खासकर एक्रोस्टिक में। हालाँकि, इसे करने का एक तरीका है।

और मैं आपको भजन 119 का हिब्रू पाठ दिखाऊंगा। भजन 119 भगवान के वचन के बारे में यह बड़ा भजन है। और इसमें ए पर आठ छंद, बी पर आठ छंद, सी पर आठ छंद हैं। और इसलिए, यदि आप अपने कई आधुनिक अनुवादों पर ध्यान देंगे, तो आप देखेंगे कि, आप जानते हैं, ये एलेफ़ छंद हैं। ये बेथ छंद हैं। ये गिमेल छंद हैं। और यह पूरी वर्णमाला से होकर गुजरेगा। इसीलिए भजन 119 इतना लंबा है क्योंकि इसमें वर्णमाला के सभी अक्षरों के माध्यम से आठ छंद, आठ छंद, आठ छंद हैं। तो यहां आप बस इसे देख सकते हैं और आप देख सकते हैं कि एशेयर फिर से एशेयर से शुरू होता है। लेकिन आप देख रहे हैं कि मैंने यहां पीला रंग डाला है, एलेफ, एलेफ, एलेफ, एलेफ। और आप श्लोक आठ तक जाते हैं, आप देखते हैं, वे सभी एलेफ़ से शुरू होते हैं। इसकी क्या सम्भावना है कि अभी-अभी घटित हुआ? नहीं, नहीं, यह कविता है. और वह जानबूझकर ऐसा कर रहा है.

बेथ, बी अनुभागों से शुरू होता है और फिर आपको आठ छंदों के लिए बी, बी, बी, बी, बी मिलता है। और फिर आपके पास गिमेल जी, जी, जी, जी, जी, जी, जी, जी नीचे आ रहा है। और इस प्रकार उस एक्रोस्टिक को वहां विकसित किया गया है।

लेकिन यह नीतिवचन 31 में गुणी स्त्री के लिए किया गया है। और इसलिए, जैसा कि हमने कहा, मैं जिस गुणी महिला का सुझाव दे रहा हूँ वह अध्याय एक से लेकर उसके आरंभ में भी मैडम विजडम है। तो, यह एक अर्थ में, एक्रोस्टिक या वर्णमाला के माध्यम से जाना गुणी महिला पर ए से ज़ेड है। ए टू जेड, इसका मतलब है संपूर्णता। इसका अर्थ है पूर्णता. इसका अर्थ है संपूर्णता. मैंने तुम्हें ए टू ज़ेड दिया है, मैंने तुम्हें सब कुछ दिया है।

और एक स्मरणीय चीज़ है, एक शैक्षणिक चीज़ भी है, क्योंकि आप इसे याद रख सकते हैं। यह ए लाइन, बी लाइन, सी लाइन है। इसलिए यदि आप इसे याद कर रहे हैं, तो आप इसके पहले अक्षर से याद कर सकते हैं। वैसे, विलाप भी इसी के साथ संरचित है। विलाप यरूशलेम के पतन के बारे में एक किताब है। यह वास्तव में एक प्रकार का शोक और बुरी बात है। और मूल रूप से, मुझे लगता है कि विलापगीत में एक्रोस्टिक में वर्णमाला क्या कहना चाह रही है, जबकि अराजकता यरूशलेम को नष्ट कर रही है, यरूशलेम को नष्ट किया जा रहा है। सब उथल पुथल है।

मंदिर चला गया है। भगवान कहाँ है? बीच में उसके मंदिर को गिराया जा रहा है। सब कुछ अस्त-व्यस्त है। फिर भी वह एक्रोस्टिक आता है। अभी भी ऑर्डर है। अभी भी ऑर्डर है।

और इसलिए, मुझे लगता है कि विलापगीत की पुस्तक में भारी अराजकता के बीच व्यवस्था है। लेकिन फिर भी, नीतिवचन 31, मुझे लगता है कि यह कविता 10 है और इसके बाद, यह एक गुणी महिला के लिए एक एक्रोस्टिक है जो एक्रोस्टिक रूप का उपयोग करती है।

स्ट्रिंग्स या क्लस्टर हमारा अगला रूप है, स्ट्रिंग्स या क्लस्टर। मैं इसे स्ट्रिंग्स कहता हूँ। नॉट हेम इसे क्लस्टर कहते हैं। वह शायद सही है। उनके पास वहाँ एक बेहतर रूपक है। नीतिवचन 10 से 29 में कई लौकिक कहावतें एक साथ नहीं दी गई हैं। कुछ लोगों का सुझाव है कि उन्हें बस बेतरतीब ढंग से, बिना सोचे-समझे एक साथ फेंक दिया गया है।

अब वे इन समूहों या इन समूहों में आते दिख रहे हैं। और इसलिए, नॉट हेम उन समूहों को अलग करता है और अपने प्रकाशित शोध प्रबंध में वास्तव में अच्छा काम करता है। अध्याय 10:6 से 11 तक, परिसीमन समावेशन "लेकिन हिंसा दुष्टों के मुँह पर हावी हो जाती है" अध्याय 10:6 में है। और फिर अध्याय 10:11बी, यह समाप्त होता है, "परन्तु हिंसा दुष्टों के मुँह पर हावी हो जाती है।" तो, यह उस स्ट्रिंग या उस क्लस्टर की शुरुआत और अंत दिखाने वाले दोनों के बीच एक वास्तविक उद्घरण है।

और इसलिए, वाल्टके इसे अध्याय 20:8 से 11 में भी देखते हैं। श्लोक आठ में राजा का न्याय ए है, श्लोक 9 में बी सार्वभौमिक मानवीय भ्रष्टता है, श्लोक 10 में भगवान का न्याय फिर से ए है और फिर बी' मानवीय भ्रष्टता है। श्लोक 11 में युवा। तो, श्लोक 8 से 11 इस ए, बी, ए', बी' संरचना के साथ जिसे वाल्टके वहाँ विकसित करता है।

अब, एक कदम पीछे हटें, एक कदम पीछे हटें, संग्रह इकाइयाँ। अब ये बड़े लोग हैं जिन्हें वास्तव में नीतिवचन की पुस्तक में शीर्षक दिए गए हैं। अध्याय 1:1 से 9:17, निर्देश जिसमें मैडम विजडम और मैडम फ़ॉली शामिल हैं। तो अध्याय 1 से 9, मैडम विजडम, मैडम फ़ॉलोइंग, इसे बाहर निकालना, आगे और पीछे जाना। ये हैं निर्देश 10 निर्देशों और पाँच अंतरालों को याद रखें, फिर उन लंबे व्याख्यानो को याद करें जो एक पिता अपने बेटे को दे रहा है, अपनी माँ की शिक्षा। वह अध्याय 1 से 9 है। वह निर्देश अनुभाग है। फिर अध्याय 10:1 से 22:16 तक सुलैमान के वाक्य कथन हैं। ये सुलैमान की नीतिवचन अध्याय 10 से 22 हैं। फिर 22 से 24 बुद्धिमानों की बातें हैं,

बुद्धिमानों की बातें हैं, और आप वहां शास्त्रीय प्रकार की बातें सुन सकते हैं। फिर अध्याय 24:23 से 34 तक बुद्धिमानों की बातें अधिक हैं। और बुद्धिमानों की बातें, यहीं पर बहुत से लोग मिस्र में अमेनेमोप की समानताएं देखते हैं। अमेनेमोप के निर्देश हैं और मजबूत समानताएं हैं। अमेनेमोप की 30 बातें अध्याय 22 से 24 में उन नीतिवचनों में गूँजती हैं।

अब, अध्याय 25 से 29 हिजकिय्याह के लोगों द्वारा एकत्रित सुलैमान की अधिक नीतिवचन हैं। तो, आप देख सकते हैं कि संपादकीय कार्य का वहां स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया है। नीतिवचन अध्याय 30:1 से 33 आगुर की बातें हैं। हम नहीं जानते कि वह आदमी कौन है, लेकिन फिर आपको विदेशी चीज़ का ध्यान आता है। याद रखें मैंने आपको अंतर्राष्ट्रीय बात बताई थी और आप यहां कुछ कहावतों में अंतर्राष्ट्रीय स्वाद देख सकते हैं। नीतिवचन 31 :1 से 31 लमूएल की बातें हैं, जो उसकी माता ने उसे सिखाई थीं।

फिर अध्याय 31, राजा लेमुएल की बातें जो उसकी माँ ने उसे सिखाई थीं। तो, ये उप-संग्रह, और अन्य उप-संग्रह हैं। उदाहरण के लिए, रे वैन ल्यूवेन ने नीतिवचन 25 से 27 को एक उप-संग्रह के रूप में पृथक किया।

अच्छा कदम। मैल्चो ने नीतिवचन 28 और 29 को फिर से उप-संग्रह प्रदर्शित किया है, जिसे उन्होंने भविष्य के राजाओं के लिए एक मैनुअल का नाम दिया है। हेम भी, जैसा कि हमने पहले कहा, नीतिवचन 21 को एक उप-संग्रह के रूप में देखता है।

इसलिए, इनमें से कई लोगों ने उप-संग्रह का सुझाव दिया है, जिसके बारे में सोचना दिलचस्प है।

अब मैं चीजों को यहीं समाप्त करना चाहता हूँ। बहुत समय बीत चुका है, लेकिन नीतिवचन, नीतिवचन क्या है? हमने उस पर गौर किया है।

नीतिवचन मानव विकास को प्रोत्साहित करके, जिम्मेदार विकल्प चुनकर असहायता से इनकार करते हैं जो मायने रखते हैं और आंखों के अहंकार से लेकर मैडम विजडम के साथ सांप्रदायिक भोजन की ओर बढ़ते हुए वास्तविक परिणाम देते हैं क्योंकि वह अपना निर्देश देती है। दूसरा बिन्दु, नीतिवचनों की निरन्तर अन्तर्राष्ट्रीय शक्ति। वे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जाते हैं और वे सुमेर से लेकर आधुनिक और हाल के समय तक के समय से गुजरते हैं।

नीतिवचन की पुस्तक शक्तिशाली है. यह अंतरराष्ट्रीय हो जाता है. यह एक प्रकार से कालातीत, सर्वव्यापी है, और यह किताबों, गीतों, कविताओं और सभी प्रकार की चीज़ों में पाया जाता है। एक अभ्यास जो मैं अपने विद्यार्थियों से करवाता था वह है किसी कहावत में कही गई बातों को लेना और उसे एक संक्षिप्त कहानी में बदलना। तो, यह एक कहावत की तरह एक संक्षिप्त कहानी है।" बुद्धिमान पुत्र अपने पिता के लिए आनन्ददायक होता है।" तो, आप उस कहावत को लेते हैं और उसे एक पूरी कहानी में बदल देते हैं। तो, मैंने उनसे एक कहानी लेने और कहावत पर एक कहानी लिखने को कहा। फिर इस कहावत से, "एक बुद्धिमान पुत्र एक पिता के लिए खुशी की बात है," वे कहते हैं कि यह कई संस्कृतियों में पीढ़ी-दर-पीढ़ी, सैकड़ों वर्षों से चला आ रहा है, वे कहते हैं और इसे एक कहानी में कहते हैं कि आप इसे लागू करते हैं आधुनिक जीवन।

फिर हमने कुछ चीजें कीं, इसके कुछ उदाहरण वेब पर YouTube और BibleLearning.org पर उपलब्ध हैं, जहां कहावत को एक कहावत से लिया जाता है और वापस एक कहानी में डाल दिया जाता है।

और ऐसा करने में मजा आया. मुझे लगता है कि बच्चों के लिए एक कहावत लेना और फिर उस पर एक कहानी लिखना, कहावत का मूल भाग लेना और उसे पूरी कहानी में वापस डालना एक अच्छा अभ्यास है। और यह कहावतों की कालातीतता और शक्ति को प्रकट करता है।

जबकि कई लोग कहावतों को तुच्छ मानते हैं और उनका उपयोग केवल पैरोडी और व्यंग्य के लिए किया जाता है, जैसे कि भोलेपन और मासूमियत के पूर्व युग से लेकर उत्तर-आधुनिक जटिलता और संशयवाद तक, फिर भी हमारी संस्कृति ज्ञान के निर्माण की आवश्यकता के लिए बेताब है। इसलिए हम इन कहावतों को तुच्छ बना सकते हैं, लेकिन हमारी संस्कृति में, सामान्य ज्ञान दुर्लभ है। और ये कहावतें वास्तव में वहां हमारी मदद कर सकती हैं।

नीतिवचन व्यक्ति की दृष्टि को प्रभु के भय की ओर बढ़ाते हैं। साथ ही व्यक्ति को जिम्मेदार कार्रवाई करने और अपने तरीके से योजना बनाने के लिए विनम्र अहसास के साथ बुलाता है कि मार्गदर्शन, देखभाल और अंततः अंतिम परिणामों का निर्धारण करने वाला एक संभावित हाथ है। नीतिवचन 16:9. इस प्रकार, कहावत इस समय के कार्ये दीम विकल्पों में पूर्ण संलग्नता का आह्वान करती है, लेकिन वे और तू के संदर्भ में सेट करती है, वे और तू, वे और तू, भगवान की स्थापना करती है, और इसके लिए संदर्भ स्थापित करती है। महत्व और अर्थ और प्रत्येक व्यक्ति। द्वारा चुने गए विकल्प। इसलिए, को वे और तू के संदर्भ में रखा गया है।

और हमारी संस्कृति में क्या होता है कि हम चीजों को देखने के अपने अहंकारी तरीके से बड़ा में चाहते हैं और उन्हें हटा देते हैं और तू को हटा देते हैं, भगवान। और विकल्पों का अर्थ प्रत्येक व्यक्ति द्वारा निर्धारित किया जाता है। एक की बुद्धि और कई की बुद्धिमत्ता। एक कहावत, बुद्धि एक की और बुद्धि अनेक की।

यह एक कहावत है. भगवान का भय ज्ञान का आरंभ या पहला सिद्धांत है। और यही हम चाहते हैं।

धन्यवाद। यह डॉ. टेड हिल्डेब्रांट और एक साहित्यिक शैली के रूप में कहावत पर उनकी शिक्षा है।